Page 11

जन-जन की वाणी...

हिन्दी दैनिक

सोन वर्षा वाणी

Page 09

औरंगाबाद, पटना, आरा एवं दुमका से प्रकाशित

मूल्य ₹ 2.00

कृष्ण पक्ष, चित्रा, विक्रम संवत् 2082

• औरंगाबाद • रविवार • 11 जनवरी 2026 • वर्ष 27 • अंक 41 • पृष्ठ 12

खेल

टी20 विश्व कप : 2026 से पहले संजू ने युवी से लिया बल्लेबाजी का टिप्स

देश

ममता बनर्जी संविधान पर नियंत्रण चाहती हैं, उन्हें गिरफ्तार किया जाना चाहिए : उपमुख्यमंत्री

Viksit Bharat - Guarantee for Rozgar and Ajeevika Mission (Gramin): VB - G RAM G

(विकसित भारत – जी राम जी) Act, 2025

125 दिन की ग्रामीण रोज़गार गारंटी

रियल-टाइम मॉनिटरिंग के साथ

विकसित ग्राम पंचायत से विकसित भारत की ओर

सत्यमेव जयते

भारत सरकार

cbc 35101/13/0069/2526

अटूट विश्वास के 27 वर्ष सच्चाई की अडिग यात्रा

सोना चांदी

सोना	चांदी
10 ग्राम 22 कैरेट	1 किलो चांदी
₹ 1,28,750	₹ 2,60,000

आज का इतिहास

1973 : भारत के पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ का जन्म हुआ। इनके नाम 164 टेस्ट में 13,288 और 344 वनडे में 10,889 रन दर्ज हैं।

2015 : कोलिंदा ग्रबर किटरोविक क्रोएशिया की पहली महिला प्रधानमंत्री के रूप में चुना गया।

न्यूज बाइट्स

'परीक्षा पे चर्चा' ने चार करोड़ से अधिक पंजीकरण का बनाया रिकॉर्ड

नई दिल्ली (ए.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अनूठी पहल 'परीक्षा पे चर्चा 2026' ने इस वर्ष एक नया ऐतिहासिक मील का पत्थर स्थापित किया है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को इसकी जानकारी देते हुए बताया कि इस कार्यक्रम के लिए अब तक चार करोड़ से अधिक ऑनलाइन पंजीकरण दर्ज किए जा चुके हैं, जो पिछले वर्ष के 3.56 करोड़ पंजीकरण के गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड से कहीं अधिक है। शिक्षा मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में यह पहल अब केवल एक वार्षिक संवाद कार्यक्रम नहीं रह गई है, बल्कि यह एक राष्ट्रव्यापी आंदोलन का रूप ले चुकी है। इसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों और युवाओं के बीच परीक्षा से जुड़े तनाव को कम करना और उन्हें सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास तथा बेहतर समय प्रबंधन के लिए प्रेरित करना है।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई उद्योग वार्ता, एआई इकोसिस्टम और डिजिटल गवर्नेंस पर हुआ मंथन

10 हजार युवाओं को मिलेगी फ्री एआई ट्रेनिंग व्हाट्सएप पर 24 घंटे मिलेंगी सरकारी सेवाएं

- आगामी 6 महीनों में पायलट प्रोजेक्ट के तहत कॉलेजों में प्रशिक्षण शुरू किया जाएगा।

निज संवाददाता | पटना

बिहार में तकनीकी विकास और औद्योगिक विस्तार को गति देने के उद्देश्य से मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत की अध्यक्षता में 'उद्योग वार्ता' का आयोजन किया गया। पटना एयरपोर्ट के समीप स्थित वायुयान संगठन निदेशालय में आयोजित इस चार घंटे लंबी बैठक में उद्योग जगत के 13 प्रमुख प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक का मुख्य फोकस बिहार में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के विस्तार, डिजिटल गवर्नेंस को मजबूत करने तथा औद्योगिक समस्याओं के त्वरित समाधान पर रहा। मुख्य सचिव ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार की प्राथमिकता आधुनिक तकनीक और एआई को हर स्तर पर लागू करने की है। उन्होंने कहा कि तेजी से बदलती दुनिया में बिहार को भी एक सुदृढ़ एआई इकोसिस्टम विकसित करना होगा, ताकि आम नागरिकों तक तकनीक की पहुंच सुनिश्चित हो सके और सरकारी कार्यप्रणाली अधिक पारदर्शी व प्रभावी बन सके। बैठक में गूगल इंडिया के प्रतिनिधि राजेश रंजन ने बिहार के युवाओं को एआई क्षेत्र में प्रशिक्षित करने का प्रस्ताव रखा। इसके तहत एक पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया जाएगा, जिसमें आगामी छह महीनों के भीतर लगभग 10 हजार युवाओं को निःशुल्क एआई प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह कार्यक्रम कॉलेज स्तर पर भी संचालित किए जाने का प्रस्ताव है। मुख्य सचिव ने इस पहल पर सकारात्मक रुख दिखाते हुए इसे युवाओं के कौशल विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। वहीं, अजय सिंह और आनंद कुमार ने शिक्षा, महिला एवं बाल कल्याण तथा आम नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए एआई आधारित समाधान विकसित करने में सरकार के साथ सहयोग की इच्छा जताई। मुख्य सचिव ने सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव अभय कुमार सिंह को इस प्रस्ताव पर विस्तृत अध्ययन कर आगे की कार्यवाही सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

बैठक में संस्थापक पृथ्वी मड्डिराला ने केरल के सबरीमाला मॉडल की तर्ज पर 'स्मार्ट शेल्टर' और 'स्मार्ट पोल' (एआई कैमरा युक्त) की अवधारणा प्रस्तुत की। इस पर विचार करते हुए मुख्य सचिव ने कहा कि बिहार के चयनित औद्योगिक क्षेत्रों में इसे पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लागू किया जा सकता है। इसके अलावा सीईओ श्रीया दामिनी ने व्हाट्सएप के माध्यम से 24 घंटे सरकारी सेवाओं और सूचनाओं की उपलब्धता को लेकर प्रस्तुतीकरण दिया। मुख्य सचिव ने बिहार प्रशासनिक सुधार मिशन (बीपीएसएम) को इस प्रस्ताव पर शीघ्र कार्रवाई करने का निर्देश दिया, ताकि आम लोगों को डिजिटल माध्यम से आसानी से सरकारी सेवाएं मिल सकें।

उद्योगों की समस्याओं का ऑन-द-स्पॉट समाधान

सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि इसके साथ ही गांवों और शहरों में महिलाओं के उत्पादों की बिक्री के लिए हाट-बाजार भी विकसित किए जाएंगे।' नीतीश कुमार ने भरोसा जताया कि इस योजना से महिलाओं की स्थिति और मजबूत होगी और बिहार के अंदर ही रोजगार के बेहतर अवसर पैदा होंगे। इससे लोगों को रोजगार की तलाश में बाहर नहीं जाना पड़ेगा।

स्टार्टअप और सेमीकंडक्टर सेक्टर को बढ़ावा देने की पहल

स्टार्टअप फंडिंग को लेकर मुख्य सचिव ने आश्वासन दिया कि स्टार्टअप्स को पहले दो चरणों में दी जाने वाली राशि को एकमुश्त देने के अनुरोध पर गंभीरता से विचार किया जाएगा। साथ ही राज्य में सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम विकसित करने के लिए अनुकूल वातावरण बनाने के प्रस्तावों पर भी चर्चा हुई।

100 करोड़ की अंतरराष्ट्रीय साइबर ठगी का भंडाफोड़

चीन-नेपाल-पाकिस्तान से जुड़े तार, सात गिरफ्तार

एजेंसी | नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस की आईएफएसओ (आईएफएसओ) यूनिट ने एक बड़े अंतरराष्ट्रीय साइबर ठगी गिरोह का पर्दाफाश करते हुए करीब 100 करोड़ रुपये की ठगी करने वाले नेटवर्क को ध्वस्त कर दिया है। इस गिरोह के तार चीन, नेपाल, कंबोडिया, ताइवान और पाकिस्तान तक जुड़े पाए गए हैं। पुलिस ने इस मामले में सात साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें एक ताइवानी नागरिक भी शामिल है। यह गिरोह आधुनिक तकनीक और अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क का इस्तेमाल कर देशभर के लोगों को ठगी का शिकार बना रहा था। पुलिस जांच में सामने आया है कि गिरोह सिम बॉक्स तकनीक का उपयोग करता था, जिसके माध्यम से विदेशों से आने वाली कॉल को भारतीय मोबाइल नंबर की तरह प्रदर्शित किया जाता था। इससे आम लोग भ्रमित होकर कॉल करने वालों को स्थानीय और भरोसेमंद समझ लेते थे। आरोपी खुद को कभी सरकारी एजेंसी का अधिकारी बताकर तो कभी कानून प्रवर्तन एजेंसी के नाम पर लोगों को डराते थे और उन्हें तथाकथित "डिजिटल अरेस्ट" की धमकी देकर रकम ऐंठ लेते थे।

अब तक की जांच में लगभग 20 हजार मोबाइल नंबरों के दुरुपयोग का खुलासा हुआ है और एक हजार से अधिक पीड़ितों की शिकायतें दर्ज की जा चुकी हैं। कई मामलों में लोगों से बड़ी रकम ऑनलाइन ट्रांसफर करवाई गई। पुलिस अधिकारियों के अनुसार यह गिरोह बेहद संगठित तरीके से काम करता था और कॉल रूटिंग से लेकर धन के लेनदेन तक की पूरी श्रृंखला अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैली हुई थी।

दिल्ली पुलिस की टीम लंबे समय से इस नेटवर्क पर नजर रखे हुए थी। तकनीकी विश्लेषण और डिजिटल ट्रैकिंग के माध्यम से आरोपियों की पहचान की गई और विभिन्न ठिकानों पर छापेमारी कर उन्हें गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में कई अहम जानकारियां सामने आई हैं, जिसके आधार पर पुलिस अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य सदस्यों और विदेशी कड़ियों की भी तलाश कर रही है। पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी अनजान कॉल, धमकी भरे संदेश या सरकारी अधिकारी बनकर पैसे मांगने वालों से सतर्क रहें। ऐसी किसी भी गतिविधि की तुरंत साइबर सेल या नजदीकी पुलिस थाने में शिकायत करें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके और साइबर अपराध पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके।

मुख्यमंत्री प्रतिज्ञा योजना, 2.20 लाख से अधिक पंजीकरण

पटना(नि.सं.)। मुख्यमंत्री प्रतिज्ञा योजना को लेकर बिहार के युवाओं में उत्साह लगातार बढ़ता जा रहा है। राज्य सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत अब तक 2 लाख 20 हजार से अधिक युवा पंजीकरण करा चुके हैं, जबकि 41 हजार से अधिक अभ्यर्थियों ने इंटर्नशिप के लिए आवेदन भी कर दिया है। बढ़ती भागीदारी से यह स्पष्ट है कि युवा वर्ग इस योजना को अपने भविष्य के लिए एक मजबूत अवसर के रूप में देख रहा है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार 9 जनवरी तक कुल 2.20 लाख से अधिक रजिस्ट्रेशन दर्ज किए गए हैं। इनमें से 41,203 युवाओं ने विभिन्न सरकारी विभागों में इंटर्नशिप के लिए आवेदन किया है। यह योजना 18 से 28 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं को रोजगारोन्मुख अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू की गई है, ताकि वे व्यावहारिक कार्य कौशल विकसित कर सकें और भविष्य में बेहतर रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकें।v योजना के तहत चयनित युवाओं को 3 से 12 महीने की अवधि के लिए सरकारी विभागों, संस्थानों और परियोजनाओं में इंटर्नशिप करने का अवसर मिलेगा। इस दौरान उन्हें हर माह 4,000 से 6,000 रुपये तक का स्टाइपेंड भी प्रदान किया जाएगा।

गुवाहाटी से कोलकाता के बीच चलेगी सेवा

पीएम 17 जनवरी को पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का करेंगे उद्घाटन

एजेंसी | नई दिल्ली

देश को पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन की सौगात 17 जनवरी को मिलने जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पश्चिम बंगाल के मालदा टाउन से इस हाई-स्पीड स्लीपर ट्रेन का उद्घाटन करेंगे। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि यह ट्रेन गुवाहाटी और कोलकाता के बीच संचालित होगी तथा सप्ताह में छह दिन कामाख्या और हावड़ा जंक्शन के बीच यात्रियों को सेवा देगी। रेल मंत्री ने यह जानकारी दिल्ली में आयोजित अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार समारोह के दौरान दी। उन्होंने कहा कि इसी अवसर पर छह नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को भी लॉन्च किया जाएगा, जिनकी सेवाएं 17 और 18 जनवरी 2026 से शुरू हो जाएंगी।

अश्विनी वैष्णव ने कहा कि वर्ष 2026 भारतीय रेलवे के लिए तकनीकी बदलावों का वर्ष होगा। रेलवे के रखरखाव, संचालन और सुरक्षा व्यवस्था में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया जाएगा। इसके साथ ही टेक्नोलॉजी और इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए एक नया स्ट्रक्चरल मॉडल लागू किया जाएगा, जिससे देश के स्टार्टअप और इनोवेटिव प्रतिभाएं रेलवे से जुड़ सकें। इसके लिए एक टेक्नोलॉजी इनोवेशन पोर्टल भी लॉन्च किया जाएगा। यह ट्रेन विशेष रूप से एक हजार किलोमीटर से अधिक दूरी की लंबी यात्राओं को ध्यान में रखकर डिजाइन की गई है। इस वर्ष के अंत तक लगभग 12 वंदे भारत स्लीपर ट्रेनें तैयार होने की संभावना है। 30 दिसंबर को इस ट्रेन का ट्रायल रन कोटा-नागदा रेलवे ट्रैक पर किया गया था, जहां यह 180 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ी। ट्रायल के दौरान लोको पायलट की डेस्क पर रखे चार गिलासों में पानी रखा गया था, तेज गति के बावजूद पानी नहीं छलका, जिससे ट्रेन के सस्पेंशन और स्थिरता की गुणवत्ता प्रमाणित हुई। वंदे भारत स्लीपर ट्रेन में कुल 16 कोच होंगे, जिनमें 11 थर्ड एसी, चार सेकेंड एसी और एक फर्स्ट एसी कोच शामिल है। ट्रेन अत्याधुनिक सुरक्षा फीचर्स, बेहतर सस्पेंशन सिस्टम और विश्वस्तरीय स्लीपर सुविधाओं से लैस है।

» वंदे भारत स्लीपर ट्रेन में कुल 16 कोच होंगे, जिनमें 11 थर्ड एसी, चार सेकेंड एसी और एक फर्स्ट एसी कोच शामिल है। ट्रेन अत्याधुनिक सुरक्षा फीचर्स, बेहतर सस्पेंशन सिस्टम और विश्वस्तरीय स्लीपर सुविधाओं से लैस है। रेल मंत्री ने बताया कि आमतौर पर गुवाहाटी-हावड़ा रूट पर हवाई किराया 6,000 से 8,000 रुपये तक रहता है, जबकि वंदे भारत स्लीपर में इसी दूरी के लिए थर्ड एसी का किराया मात्र 2,300 रुपये रखा गया है, जिससे आम यात्रियों को किफायती और तेज यात्रा का विकल्प मिलेगा।

पॉलिसी अवधि	प्रीमियम भुगतान अवधि
16	10
21	15
25	16

- न्यूनतम मूल बीमा राशि : ₹200,000/-
- अधिकतम मूल बीमा राशि : कोई सीमा नहीं
- प्रवेश की न्यूनतम आयु : 8 वर्ष
- प्रवेश की अधिकतम आयु : पॉलिसी अवधि 25/21/16 वर्ष के लिए 50/54/59 वर्ष

अधिक जानकारी के लिए, अपने एजेंट/निकटतम एलआईसी शाखा से संपर्क करें या अपने शहर का नाम 56767474 पर एसएमएस करें।

डाउनलोड करें एलआईसी मोबाइल ऐप | विज़िट करें: licindia.in | कॉल सेन्टर सर्विस (022) 6827 6827 | हमारा वॉट्सएप नं. 8976862090 कहिए 'Hi'

हमें यहाँ फॉलो करें: LIC India Forever | IRDAI Regn No.: 512

"प्रोडक्ट के अंतर्गत दर्शाए गए बोनसों के जोखिम घटकों की कोई गारंटी नहीं है. पिछली कार्यकुशलता भावी बोनसों के बारे में किसी संकेत की रचना नहीं करती है तथा ये प्रोडक्ट्स बीमा कंपनी की निवेशों, व्ययों के प्रबंधन, मर्त्यता तथा कालातीत होने के रूप में समग्र कार्यकुशलता के अधीन है."

धोखेधड़ी वाले फ़ोन कॉल्स तथा झूठे/भ्रामक प्रस्तावों से सावधान रहें. आईआरडीएआई या इनके कर्मचारी बीमा व्यवसाय जैसे कि बीमा पॉलिसियों की बिक्री, बोनस की घोषणा या प्रीमियम्स के निवेश, राशियां लौटाना जैसी कोई भी गतिविधियों में शामिल नहीं होते हैं. जिन पॉलिसीधारकों या संभावित ग्राहकों को ऐसे फ़ोन कॉल्स मिलें, वे कृपया पुलिस में इसकी शिकायत दर्ज करें. कृपया बिक्री के समापन से पहले बिक्री पुस्तिका को ध्यान से पढ़ लें.

LIC/P1/2024-25/52/Hin

केन्द्रीय बजट 2026-27 को लेकर बिहार की बड़ी मांग

बाढ़ राहत के लिए विशेष पैकेज और एक लाख करोड़ के ब्याज मुक्त ऋण

निज संवाददाता | पटना

आगामी केंद्रीय बजट 2026-27 को लेकर बिहार सरकार ने केंद्र के समक्ष अपनी विकास प्राथमिकताओं को मजबूती से रखा है। 10 जनवरी 2026 को आयोजित बजट पूर्व परामर्श बैठक में बिहार के वित्त मंत्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से राज्य के लिए एक लाख करोड़ रुपये के ब्याज मुक्त दीर्घकालिक ऋण तथा उत्तर बिहार में बार-बार आने वाली बाढ़ से निपटने के लिए विशेष राहत पैकेज की मांग की। उन्होंने भरोसा जताया कि केंद्र सरकार आगामी बजट में बिहार की आवश्यकताओं को गंभीरता से शामिल करेगी, जिससे राज्य राष्ट्रीय औसत के स्तर तक पहुंच सकेगा। वित्त मंत्री ने कहा कि बिहार की आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करने और बड़े विकास कार्यों को गति देने के लिए ब्याज मुक्त पूंजीगत ऋण की सीमा वर्तमान स्तर से बढ़ाकर एक लाख करोड़ रुपये की जानी चाहिए। इससे सड़क, पुल, सिंचाई, ऊर्जा और शहरी विकास जैसी उच्च प्रभाव वाली परियोजनाओं को तेजी से पूरा किया जा सकेगा।

बैठक में उत्तर बिहार में हर वर्ष आने वाली बाढ़ से होने वाले व्यापक नुकसान का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। नेपाल से निकलने वाली कोसी, गंडक और बागमती नदियों के कारण लाखों लोग प्रभावित होते हैं। राज्य सरकार ने मांग की कि केंद्रीय बजट में बिहार के लिए एक समर्पित बाढ़ राहत एवं आपदा प्रबंधन पैकेज घोषित किया जाए। इसमें उपग्रह आधारित पूर्वानुमान प्रणाली, नदियों के आपसी जोड़, वैज्ञानिक बाढ़ प्रबंधन तथा डिजास्टर रिजिलिएंट इंफ्रास्ट्रक्चर पर विशेष फोकस हो।

राजस्व हिस्सेदारी के विषय पर भी वित्त मंत्री ने चिंता जताई। उन्होंने कहा कि उप-करों और अधिभारों के बढ़ते उपयोग से राज्यों को मिलने वाला संवैधानिक हिस्सा प्रभावित हो रहा है। उन्होंने आग्रह किया कि उप-करों और अधिभारों को विभाज्य कोष के दायरे में लाया जाए, ताकि बिहार जैसे राज्यों को राष्ट्रीय कर संग्रह में उनका न्यायसंगत हिस्सा मिल सके। बिहार की तेज आर्थिक विकास दर के बावजूद भौगोलिक चुनौतियों के कारण अतिरिक्त पूंजी की आवश्यकता बनी हुई है। इसी को देखते हुए राज्य सरकार ने सकल राज्य घरेलू उत्पाद के दो प्रतिशत तक अतिरिक्त ऋण लेने की अनुमति देने का अनुरोध किया है, जब तक राज्य की प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय औसत के बराबर नहीं हो जाती। औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन को लेकर भी राज्य सरकार ने स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत किया। बिहार में पर्याप्त जल संसाधन और कुशल श्रमिकों की उपलब्धता को आधार बनाते हुए केंद्र से उद्योगों की स्थापना को प्रोत्साहन देने का आग्रह किया गया।

कृषि और नई तकनीक आधारित योजनाओं पर बल

कृषि क्षेत्र के आधुनिकीकरण पर जोर देते हुए वित्त मंत्री ने पारंपरिक खेती को उच्च उत्पादकता वाले कृषि-व्यवसाय मॉडल में बदलने की आवश्यकता बताई। इसके लिए एआई, ड्रोन और ब्लॉकचेन जैसी आधुनिक तकनीकों को अपनाने की योजना रखी गई है। साथ ही मखाना उद्योग के समग्र विकास के लिए 'मखाना बोर्ड' के गठन और खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना में केंद्र से सहयोग मांगा गया है।

संक्षिप्त समाचार

विभिन्न मामले में चार महिला समेत 8 गिरफ्तार

नरहट (नवादा)। थाना क्षेत्र के अलग अलग मामले में फरार चल रहे कांड के चार महिला समेत कुल 8 आरोपित को नरहट थानाध्यक्ष गौतम कुमार ने गिरफ्तार कर शुक्रवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि पुनौल गांव से दिनेश चौधरी पिता श्री चौधरी, हजरतपुर गांव से जग्गू चौहान पिता लाभ चौहान, मिथलेश चौहान पिता जग्गू चौहान, गोवासा गांव से सियाराम राजवंशी पिता छोटन राम, कैली देवी पति सियाराम राजवंशी, रीना कुमारी पिता सियाराम राजवंशी, बनती देवी पति नेपाली राजवंशी और सावो देवी उर्फ ललिता देवी पति चुन्नू राजवंशी सभी प्राथमिकी नामजद आरोपी को गिरफ्तार कर शुक्रवार को माननीय न्यायालय में उपस्थापन हेतु भेज दिया गया है।

16 जनवरी को एसपी नरहट थाना में लगाएंगे जनता दरबार

नरहट (नवादा)। पुलिसिंग सम्बंधित जनता की समस्याओं का समाधान के लिए नवादा पुलिस कप्तान अभिनव धीमान 16 जनवरी को नरहट थाना परिसर में जनता दरबार आयोजित करेंगे। जानकारी देते हुए नरहट थानाध्यक्ष गौतम कुमार ने बताया कि इस जनता दरबार में पुलिसिंग से सम्बंधित जनता की समस्या का समाधान किया जाएगा। इस दौरान एसपी जनता से रु ब रु होकर स्थानीय पुलिस की कार्यशैली, आम जनता में पुलिस के प्रति विस्वास, अपराध नियंत्रण में पुलिस का सहयोग सहित अन्य पुलिसिंग पर्यवेक्षण करेंगे और आमजनों की बातों को सुन कर समाधान करेंगे।

धान अधिप्राप्ति में पैक्स अध्यक्ष की मनमानी से किसान परेशान

नवादा । जिले के विभिन्न प्रखंडो के पैक्स के माध्यम से धान की खरीदारी की जा रही है। जिलाधिकारी रवि प्रकाश के द्वारा लगातार अधिप्राप्ति की समीक्षा भी ली जा रही है। परन्तु देश के अन्नदाता किसान की परेशानी कम होती नही दिख रही है।धान अधिप्राप्ति में किसानों को हो रही असुविधा और पैक्स अध्यक्षों की मनमानी के कारण किसान व्यवसाई के यहाँ धान बेचने पर विवश हैं। जिले के वारिसलीगंज प्रखंड अंतर्गत अपसढ़ गांव के किसान शैलेन्द्र कुमार ने पैक्स अध्यक्ष कौशल किशोर सिँह के ऊपर गंभीर आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी सहित कई वरीय पदाधिकारियों को आवेदन दिया है। अपने दिए गए आवेदन में पैक्स अध्यक्ष के ऊपर एक किवंटल में 15किलो अतिरिक्त धान देने पर ही धान की खरीदारी करने की बात कही है। उन्होंने कहा की अध्यक्ष ने धान खरीदारी को लेकर इधर से उधर दौड़ाते रहे और अंत में चालीस किलो धान के जगह 46 किलो धान देने को कहा। किसान शैलेन्द्र कुमार ने कहा की किसान स्वंय कई परेशानियों से जूझते हैं उसके बाबजूद उनके उत्पाद को बेचने में भी इतनी परेशानी होती है। हालांकि धान अधिप्राप्ति में किसानों को ऐसी समस्याओं से सामना करना पड़ रहा है जिसके कारण कई किसान व्यवसाई के यहाँ अपना धान बेचने पर विवश हैं जिसके कारण उन्हें काफ़ी नुकसान भी उठाना पड़ रहा है।

20 सूत्री उपाध्यक्ष समेत दो पर सीडीपीओ ने दर्ज कराई प्राथमिकी

कौआकोल। कौआकोल सीडीपीओ अंजली कुमारी ने भाजपा पूर्वी मण्डल अध्यक्ष सह 20 सूत्री उपाध्यक्ष अंकित विश्वकर्मा एवं विनय कुशवाहा के विरुद्ध कौआकोल थाना में लिखित आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज कराई है। दोनों नेताओं पर सीडीपीओ द्वारा आरोप लगाया गया है कि 09 जनवरी 2026 को उनके कार्यालय में 20 सूत्री उपाध्यक्ष अंकित विश्वकर्मा एवं विनय कुशवाहा अनाधिकृत रूप से प्रवेश कर काम नहीं करने की धमकी दी गई। विनय कुशवाहा द्वारा कहा गया कि उनके दो मामा कलक्टर हैं,और आपको काम नहीं करने दिया जाएगा। वहीं उन दोनों पर सीडीपीओ ने रंगदारी मांगने का भी आरोप लगाया है। दर्ज प्राथमिकी में कहा गया है कि 20सूत्री उपाध्यक्ष द्वारा पूर्व में भी उनके कार्य में हस्तक्षेप,फंसाने तथा निरीक्षण के दौरान घेर कर मारने की धमकी दी गई। सीडीपीओ के अनुसार घटना की सीसीटीवी फुटेज एवं मोबाइल में धमकी देने का रिकॉर्डिंग भी साक्ष्य के रूप में रहने की बात कही है। सीडीपीओ का कहना है कि इस तरह की घटना के बाद उनके कार्यालय के कर्मियों में दहशत का माहौल कायम हो गया है। तथा वे खुद कार्य करने में असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

सीओ ने पिता-पुत्र के खिलाफ दर्ज कराई प्राथमिकी

कौआकोल। कौआकोल सीओ मनीष कुमार ने कोल्हुआर गांव निवासी राणा रामाधार सिंह एवं उनके पुत्र मनोज कुमार के विरुद्ध गाली गलौज करने,जान मारने की धमकी देने तथा सरकारी काम में बाधा डालने के आरोप में कौआकोल थाना में लिखित आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज कराई है। घटना 8 जनवरी की बताई जा रही है। कौआकोल थाना में दर्ज प्राथमिकी में सीओ मनीष कुमार ने कहा कि जब वे फार्मर रजिस्ट्री शिविर का निरीक्षण करने जैसे ही ब्लॉक गेट के पास पहुँचा, तो वहां पूर्व से उपस्थित मनोज कुमार एवं उनके पिता राणा रामाधार सिंह अपने काम को लेकर अनावश्यक दवाब बनाने लगे। मना करने पर मनोज कुमार द्वारा गाली गलौज कर मारपीट करने पर उतारू हो गए। और जान मारने की धमकी भी दिया। सीओ ने आवेदन में लिखा है कि कार्यालय के अन्य कर्मी द्वारा बाद में घटनास्थल पर आने के बाद वे दोनों चले गए। दर्ज प्राथमिकी के अनुसार घटना के बाद सीओ काफी आहत हैं।

सोखोदेवरा जेपी फील्ड से गायत्री मंदिर तक होगा मैराथन दौड़

कौआकोल। 12 जनवरी को राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के संयुक्त तत्वाधान में मैराथन दौड़ का आयोजन किया जाएगा। इसकी जानकारी देते हुए विहिप के प्रखण्ड मंत्री प्रवेश कुमार ने बताया कि 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद की जयंती राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले मैराथन दौड़ जेपी फील्ड सोखोदेवरा से शुरू होगी,जो बिझो रोड से ब्लॉक गेट होते हुए थाना रोड से कौआकोल जेपी चौक होते हुए गायत्री मंदिर पर जाकर सम्पन्न होगी। विहिप के प्रखण्ड अध्यक्ष राजीव कुमार ने बताया कि अपरिहार्य कारणों से मैराथन दौड़ के रूट चार्ट में परिवर्तन किया गया है।

भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने किया केवीके का दौरा, कृषि वैज्ञानिकों को दिए निर्देश

कौआकोल। आईएएस अधिकारी व उपभोक्ता,खाद्य एवं आपूर्ति मंत्रालय भारत सरकार के संयुक्त सचिव एवं आकांक्षी जिला नवादा के केन्द्रीय प्रभारी पदाधिकारी रवि शंकर शुक्रवार की देर शाम कौआकोल के सोखोदेवरा आश्रम पहुँचे। जहां उन्होंने लोकनायक जयप्रकाश नारायण की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके बाद वे जेपी निवास एवं अन्य धरोहरों का अवलोकन किया। इसके बाद वे कृषि विज्ञान केंद्र का दौरा किया। जहां केवीके के वैज्ञानिक रौशन कुमार ने उन्हें केवीके द्वारा संचालित विभिन्न इकाईयों का भ्रमण करवाया। संयुक्त सचिव ने इस दौरान कृषि वैज्ञानिकों को कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मौके पर ग्राम निर्माण मंडल के डॉ० भारत भूषण शर्मा,बीडीओ डॉ० अखिलेश कुमार समेत अन्य लोग मौजूद थे।

गिट्टी लदे तीन हाइवा को पुलिस ने किया मुक्त

राजपुर। क्षेत्र अन्तर्गत सड़क निर्माण में सप्लाई प्रदान करने के लिए गिट्टी लादकर ले जा रहे तीन डंफर को विगत शुक्रवार को स्थानिय पुलिस द्वारा ओवर लोड एवं चलान गडबड़ की आशंका जताते हुए जब्त कर लिया गया.चौबीस घंटे से ज्यादा समय तक तीनों हाइवा राजपुर डिहरी रोड में थाना आने वाले सम्पर्क पथ पर पुलिस द्वारा जब्त करके रखा गया. थानाध्यक्ष उलुम सलमा ने बताया कि गिट्टी लदे जब्त सभी तीनों हाइवा को जांच पड़ताल के लिए खनन विभाग एवं डीटीओ कार्यालय को शुक्रवार को सूचित कर दिया गया था.शनिवार को दोनों विभाग के पदाधिकारियों ने मामले की जांच की.तीनों हाइवा का धर्मकाटा हुआ.जिसके बाद अधिकारियों ने सबकुछ ठीक-ठीक पाये जाने का क्लिन चिट डॉक्यूमेंट पुलिस को प्रदान कर दिया. उन्होंने बताया कि कागजात मिलने पर सभी गाड़ियों को मुक्त कर दिया गया.

झिरझो गांव में विशेष पशु स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

निज संवाददाता। रजौली

145 पशुओं का किया निःशुल्क उपचार

स्वास्थ्य शिविर में शामिल चिकित्सक व मुखिया

रजौली प्रखंड के पूर्वी पंचायत अंतर्गत झिरझो गांव में डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग के अंतर्गत पशु स्वास्थ्य एवं उत्पादन संस्थान पटना द्वारा एक विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में संस्थान के विशेषज्ञ पशुचिकित्सकों के द्वारा 52 पशुपालकों के 145 पशुओं का उपचार किया गया और निःशुल्क दवाइयों का वितरण किया गया। शिविर में रजौली पूर्वी पंचायत के मुखिया संजय यादव के साथ शोध पदाधिकारी डॉ. विजय कुमार, कनीय सहायक शोध पदाधिकारी डॉ. नितेश कुमार व डॉ. निर्मल कुमार के साथ डॉ. रंजीत कुमार और रेशु कुमार भी मौजूद रहे। पशु चिकित्सकों के द्वारा पशुपालकों को पशुओं के रख-रखाव के बारे में विस्तारपूर्वक बताया गया।

डॉ. विजय कुमार ने बताया कि पशुओं के स्वास्थ्य का ध्यान रखना बहुत जरूरी है, क्योंकि पशु ही पशुपालकों की आर्थिक उन्नति का मुख्य स्रोत हैं। उन्होंने पशुपालकों को पशुओं के लिए संतुलित आहार, स्वच्छ पानी और साफ-सफाई की व्यवस्था करने की सलाह दी। डॉ. नितेश कुमार ने बताया कि पशुओं के टीकाकरण और कृमिनाशक दवाओं का समय पर उपयोग करना बहुत जरूरी है, ताकि पशुओं को होने वाली बीमारियों से बचा जा सके। उन्होंने पशुपालकों को पशुओं के लिए हरा चारा और सूखा चारा की व्यवस्था करने की भी सलाह दी।

शिविर में मौजूद पशुपालकों ने बताया कि उन्हें पशुओं के स्वास्थ्य के बारे में बहुत कुछ सीखने को मिला और उन्हें निःशुल्क दवाइयां भी मिलीं। उन्होंने पशु स्वास्थ्य एवं उत्पादन संस्थान पटना के विशेषज्ञ पशुचिकित्सकों को धन्यवाद दिया। इस मौके पर भ्रमणशील पशु चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. विपिन बिहारी प्रसाद, मोबाइल पशु चिकित्सा इकाई से पप्पू कुमार व चालक विद्यासागर की सक्रिय भूमिका रही। इस शिविर का उद्देश्य पशुपालकों की आर्थिक उन्नति और पशुधन की प्रजनन क्षमता को बढ़ावा देना था।

इंटरमीडिएट वार्षिक प्रयोगिक परीक्षा 2026 प्रारम्भ

निज संवाददाता। नारदीगंज(नवादा)

इंटरमीडिएट वार्षिक प्रयोगिक परीक्षा 2026 इंटर विद्यालय नारदीगंज में शनिवार से शुरु हुई। प्रभारी प्राचार्य कृष्णकांत इंचा गुट्टू ने कहा कि आयोजित प्रायोगिक परीक्षा शांतिपूर्ण तरीके व कदाचार मुक्त हो रही है। दो पाली में परीक्षा ली जा रही है। प्रथम पाली नौ बजकर 30 मिनट से 12 बजकर 30 मिनट तक, द्वितीय पाली एक बजकर 30 मिनट से चार बजकर 15 मिनट तक चलेगी। यह परीक्षा 10 जनवरी से 20 जनवरी तक होगी। 10 जनवरी को प्रथम पाली में जीव विज्ञान, और द्वितीय पाली में भी जीव विज्ञान विषय की प्रयोगिक परीक्षा हुई। वही 12 जनवरी को प्रथम पाली में भौतिकी विषय, द्वितीय पाली में रसायन शास्त्र की,13 जनवरी को प्रथम पाली में भौतिकी, द्वितीय पाली में रसायन शास्त्र,14 जनवरी को प्रथम पाली में मनोविज्ञान, ईपीएस विज्ञान, मल्टी मीडिया द्वितीय पाली में कृषि,15 जनवरी को प्रथम पाली में भूगोल, द्वितीय पाली में भूगोल,16 जनवरी को प्रथम पाली में गृहविज्ञान की प्रयोगिक परीक्षा होगी। उन्होंने कहा आंतरिक परीक्षक सुधा कुमारी,बाह्य परीक्षक योगेंद्र प्रसाद के निभा रहे हैं। इसके अलावा शिक्षक नीरज कुमार, धनंजय कुमार,रुपेश कुमार, विनोद कुमार रविदास, राजन कुमार समेत अन्य शिक्षकों के देखरेख में प्रयोगिक परीक्षा चल रही है।

किसान सभा एवं खेत मजदूर अंचल कमिटी नरहट ने प्रखण्ड मुख्यालय पर दिया धरना

प्रखण्ड मुख्यालय पर धरना देते नेता एवं कार्यकर्ता

निज संवाददाता। नरहट (नवादा)

शुक्रवार को बिहार राज्य किसान सभा अंचल कमिटी नरहट एवं बिहार राज्य खेत मजदूर यूनियन अंचल कमिटी नरहट के तत्वधान में अपनी पन्द्रह सूत्री मांगों को लेकर एक दिवसीय धरना दिया। धरना कार्यक्रम की अध्यक्षता खेत मजदूर संघ के प्रखण्ड अध्यक्ष अम्बिका राम एवं किसान सभा के प्रखण्ड अध्यक्ष बह्मदेव प्रसाद ने संयुक्त रूप से किया। वक्ताओं ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विवि जी राम जी कानून को रद्द करने तथा पुराने मनरेगा कानून के सभी प्रवधानों को लागू करने समेत 15 सूत्री अपने मांगों को पुरजोर तरीके से रखा। सभा के अंत में अपनी पन्द्रह सूत्री मांगों को लेकर बीडीओ को ज्ञापन सौंपा। इस मौके पर गोविंद प्रसाद, राजेन्द्र प्रसाद वर्मा, पो जयनन्दन सिंह, सीता राम शर्मा, श्यामसुंदर चौहान, सुनील कुमार, पंकज कुमार आदि मौजूद थे।

अमावां के रुद्र प्रताप सिंह रजौली प्रखंड किसान सलाहकार समिति के सदस्य मनोनीत

सामाजिक व राजनीतिक क्षेत्र में हर्ष की लहर

निज संवाददाता। रजौली

रजौली प्रखंड अंतर्गत अमावां निवासी एवं बहुमुखी प्रतिभा के धनी रुद्र प्रताप सिंह को बिहार सरकार के कृषि विभाग द्वारा सब मिशन ऑन एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन (आत्मा योजना) के तहत प्रखंड किसान सलाहकार समिति, रजौली का सदस्य मनोनीत किया गया है, जिसकी अधिसूचना प्रदेश नेतृत्व एवं कृषि विभाग की अनुशंसा पर जारी की गई है।वर्तमान में भारतीय जनता पार्टी कला संस्कृति प्रकोष्ठ के प्रदेश सह संयोजक (उपाध्यक्ष) के रूप में सक्रिय रुद्र प्रताप सिंह इससे पूर्व भाजपा कला संस्कृति प्रकोष्ठ के बिहार प्रदेश प्रवक्ता और भाजपा किसान मोर्चा, नवादा के जिला महामंत्री जैसे महत्वपूर्ण दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन कर चुके हैं, साथ ही वर्ष 2021 के पंचायत चुनाव में वे अमावां पश्चिमी पंचायत से मुखिया पद के उपविजेता रहे थे। शैक्षणिक रूप से सुदृढ़ रुद्र प्रताप ने झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय से जनसंचार में स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की है और वर्तमान में नवादा विधि महाविद्यालय से एल.एल.बी. की शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं।वहीं सांगठनिक रूप से वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से प्रथम वर्ग प्रशिक्षित स्वयंसेवक हैं। सामाजिक सरोकारों से गहरा लगाव रखने वाले रुद्र प्रताप सिंह ने स्वच्छ भारत मिशन एवं राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन जैसे कार्यक्रमों में अपनी महती भूमिका निभाई है और

रूद्र प्रताप सिंह की फाइल फोटो

कोविड-19 महामारी के कठिन समय में लगभग 10,000 जरूरतमंदों तक राहत सामग्री पहुंचाकर मानवता की सेवा की, जबकि वर्ष 2018 में बिहार साइकिल यात्रा के माध्यम से किसानों को जल संकट के प्रति जागरूक करने के उनके प्रयासों और सामाजिक सक्रियता के लिए वर्ष 2021 में उन्हें झारखंड सरकार द्वारा यूथ लीडरशिप अवार्ड से भी नवाजा जा चुका है। अपने इस नए मनोनयन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि भारत युवाओं का देश है और राजनीति में युवाओं की भागीदारी ही सबसे बड़ी जागरूकता है, क्योंकि राष्ट्र निर्माण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता सर्वोपरि है और युवाओं की सक्रियता से ही भारत विकास की नई ऊंचाइयों को स्पर्श करेगा। उनके इस मनोनयन पर भाजपा किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष अल्हा बहादुर, भाजपा जिला अध्यक्ष अनिल मेहता, जदयू नेता दीपक कुमार मुन्ना, भाजपा नेता चंदन कुमार, देवांश राय, दीपक कुमार राय, बबलू राम, लोजपा राष्ट्रीय प्रवक्ता धीरेन्द्र कुमार मुन्ना, वाणिज्य क्षेत्रीय प्रभारी निशांत सिंह, रंजीत सिंह, मनीष सिंह, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष अभिषेक कुमार गुड्डू सहित क्षेत्र के सैकड़ों कार्यकर्ताओं, प्रबुद्ध नेताओं एवं समाजसेवियों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

प्लास्टिक से मछली का स्वरूप दे रहे शिक्षक श्रीकांत के शिष्य

निज संवाददाता। नवादा

♦ राजकीय पुरस्कार प्राप्त शिक्षक श्रीकांत कुमार की पहल बनी पर्यावरण शिक्षा की मिसाल

नवादा जहाँ दुनिया प्लास्टिक प्रदूषण की भयावह सच्चाई से जूझ रही है, वहीं बिहार के नवादा जिले के एक सरकारी विद्यालय के बच्चों ने कचरे को चेतावनी में बदलकर समाज को आईना दिखाया है। 'से नो प्लास्टिक' जन-जागरूकता कार्यक्रम के तहत राजकीय मध्य विद्यालय अपसढ़ नेपुरा के बच्चों ने प्लास्टिक बोतल, मोबाइल कवर और अनुपयोगी प्लास्टिक सामग्री से एक विशाल 'व्हेल मछली' बनाकर यह संदेश दिया कि अगर आज नहीं संभले तो कल प्रकृति का संतुलन टूट जाएगा। इस नवाचारी पहल के पीछे हैं राजकीय पुरस्कार प्राप्त शिक्षक श्रीकांत कुमार, जो विगत कई वर्षों से बच्चों और समाज के बीच पर्यावरण संरक्षण, कचरे से कंचन और प्लास्टिक मुक्त जीवन का संदेश दे रहे हैं।

सुरक्षित शनिवार बना पर्यावरण चेतना का मंचः विद्यालय में आयोजित 'सुरक्षित शनिवार' कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने यह कलाकृति तैयार की। इस प्रतीकात्मक मछली के माध्यम से यह दिखाने का प्रयास किया गया कि कैसे समुद्र, नदियाँ और जीव-जंतु प्लास्टिक कचरे के कारण सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। इस आर्ट को वर्ग 8 की अस्मिता रौशन सिंह के नेतृत्व में उनके दोस्तों अमृता कुमारी, सारिका कुमारी, राशि कुमारी, मोनिका कुमारी एवं विक्की कुमारी सहित विद्यालय के अन्य बच्चों ने मिलकर बनाया. बच्चों ने अपने मासूम अंदाज़ में यह भी

बताया कि यदि प्लास्टिक का उपयोग यूँ ही जारी रहा तो भविष्य में मानव जीवन भी संकट में पड़ जाएगा।

शिक्षा से समाज परिवर्तन की दिशाः शिक्षक श्रीकांत कुमार का मानना है कि "पर्यावरण संरक्षण की शुरुआत किताबों से नहीं, बल्कि व्यवहार और संवेदनशीलता से होती है। जब बच्चा कचरे से कुछ रचता है, तो वह केवल कला नहीं, जिम्मेदारी भी सीखता है।" उनके नेतृत्व में विद्यालय में लगातार वेस्ट टू वेल्थ, री-यूज़, री-सायकल, और प्लास्टिक के विकल्प जैसे विषयों पर गतिविधियाँ कराई जा रही हैं, जिनकी चर्चा राज्य से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक हो चुकी है।

अंतरराष्ट्रीय संकट, स्थानीय समाधानः गौरतलब है कि ओईसीडी (OECD) के अनुसार वर्ष 2024 में दुनिया भर में 40 करोड़ टन से अधिक प्लास्टिक कचरा उत्पन्न हुआ, जिसमें से बड़ी मात्रा प्रकृति में घुल रही है। ऐसे में नवादा के बच्चों का यह प्रयास बताता है कि समाधान की शुरुआत स्थानीय स्तर से ही होगी।

बच्चों का संदेश, बड़ों के नामः कार्यक्रम के अंत में बच्चों ने सामूहिक रूप से संकल्प लिया— "ना खुद प्लास्टिक फैलाएँगे, ना दूसरों को फैलाने देंगे।" यह पहल सिर्फ एक स्कूल गतिविधि नहीं, बल्कि पर्यावरण शिक्षा का जीवंत मॉडल है, जो बताता है कि अगर शिक्षक दूरदर्शी हों तो सरकारी विद्यालय भी बदलाव की प्रयोगशाला बन सकते हैं।

विश्व पुस्तक मेला दिल्ली में गौरैया संरक्षण पर आधारित पुस्तक 'आई लव स्पैरो' का विमोचन

निज संवाददाता। पटना

विश्व पुस्तक मेला, दिल्ली के पहले दिन पर्यावरण संरक्षण को समर्पित एक महत्वपूर्ण पहल सामने आई। गौरैया संरक्षण पर केंद्रित लेखक संजय कुमार की सद्य प्रकाशित पुस्तक 'आई लव स्पैरो' का विमोचन शुक्रवार को न्यू वर्ल्ड पब्लिकेशन के स्टॉल पर किया गया। इस अवसर पर कवि-लेखक कुमार मुकुल, राजेंद्र बयाला और लेखक जय सिंह ने संयुक्त रूप से पुस्तक का लोकार्पण किया। पुस्तक विमोचन के दौरान साहित्य और पर्यावरण से जुड़े कई चर्चित नामों की उपस्थिति ने आयोजन को विशेष बना दिया। वक्ताओं ने गौरैया के लगातार घटते अस्तित्व पर चिंता जताते हुए इस पुस्तक को समय की आवश्यकता बताया।

साहित्य में प्रतीक से आगे बढ़कर संरक्षण की पहल जरूरीः कवि राजेंद्र बयाला ने कहा कि अब तक साहित्य में चिड़िया और तितली को केवल प्रतीकों के रूप में देखा गया है, लेकिन आज स्थिति बदल चुकी है। गौरैया तेजी से विलुप्त हो रही है और ऐसे समय में इस विषय पर केंद्रित पुस्तक का आना बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक केवल साहित्यिक कृति नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में

एक मजबूत दस्तावेज है। चर्चित कवि कुमार मुकुल ने कहा कि संजय कुमार लंबे समय से गौरैया संरक्षण को लेकर गंभीरता से काम कर रहे हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि 'आई लव स्पैरो' आम लोगों को जागरूक करने में अहम भूमिका निभाएगी और बच्चों से लेकर बड़ों तक को इस छोटी सी चिड़िया के महत्व से जोड़ेगी।

गौरैया हमारे जीवन से जुड़ी थी, आज उसे ढूंढना पड़ रहा हैः लेखक जय सिंह ने कहा कि आज के समय में गौरैया जैसे विषयों पर चर्चा बहुत कम हो गई है। एक समय था जब यह चिड़िया हमारे घर-आंगन और रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा थी, लेकिन आज हम उसे खोजने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि संजय कुमार पहले भी गौरैया संरक्षण पर तीन पुस्तकें लिख चुके हैं और यह पुस्तक उस श्रृंखला की एक महत्वपूर्ण कड़ी है।

संरक्षण का संदेश फैलाना ही पुस्तक का उद्देश्यः लेखक संजय कुमार ने कहा कि गौरैया संरक्षण पर पुस्तक लिखने का मुख्य उद्देश्य संदेश का व्यापक प्रसार है। उन्होंने बताया कि इस पुस्तक में गौरैया से जुड़ी छोटी-छोटी जानकारियों के साथ उसके संरक्षण के विभिन्न पहलुओं को सरल भाषा में प्रस्तुत किया गया है, ताकि आम पाठक भी इससे जुड़ सकें। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते इस चिड़िया को बचाने के प्रयास नहीं किए गए, तो आने वाली पीढ़ियां इसे केवल किताबों में ही देख पाएंगी।

शोधपरक पांडुलिपि ने प्रकाशन को किया प्रेरितः प्रकाशक मुकेश ने बताया कि जब पुस्तक की पांडुलिपि उनके पास आई और संपादकीय टीम ने इसे पढ़ा, तो सभी इस बात से प्रभावित हुए कि इतनी छोटी सी चिड़िया पर इतना गहन और शोधपरक कार्य किया गया है। उन्होंने कहा कि सामग्री की गुणवत्ता और विषय की गंभीरता को देखते हुए तुरंत पुस्तक के प्रकाशन का निर्णय लिया गया।

वांछित शराब धंधेबाज को पुलिस ने किया गिरफ्तार, भेजे गए जेल

रजौली। थाना क्षेत्र के सोहदा गांव से पुलिस बलों ने बीते शुक्रवार की देर रात्रि एक वांछित शराब धंधेबाज को गिरफ्तार किया।थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर रंजीत कुमार ने बताया कि बीते 12 सितंबर 2025 को पुलिस बलों ने गुप्त सूचना के आलोक में सोहदा गांव के आहर के बगल में रहे झोपडी से 15 लीटर देशी महुआ शराब बरामद किया था।जबकि शराब बेचने वाला पुलिस बलों को दूर से आता देख भाग गया था।जब्त शराब को लेकर रजौली थाना कांड संख्या 516/25 में प्राथमिकी दर्ज की गई थी।प्राथमिकी दर्ज होने के बाद वांछित शराब धंधेबाज की गिरफ्तारी को लेकर पुलिस बलों द्वारा छापेमारी की जा रही थी। इसी बीच गुप्त सूचना के आलोक में पुलिस बलों ने सोहदा गांव निवासी स्व. बासो राजवंशी के पुत्र राजेंद्र राजवंशी को गिरफ्तार किया गया है। थानाध्यक्ष ने कहा कि गिरफ्तार शराब धंधेबाज को शनिवार को अस्पताल में स्वास्थ्य जांच के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

हरनौत के छतियाना में बनेगा पावर सब स्टेशन, 20 एमवीए होगी क्षमता

10 करोड़ की लागत से दो ट्रांसफॉर्मर लगाए जाएंगे

नालंदा। लंबे इंतजार के बाद आखिरकार नालंदा के हरनौत प्रखंड के ग्रामीणों के लिए राहत भरी खबर आई है। छतियाना गांव के पास नया पावर सब स्टेशन बनाने की औपचारिक स्वीकृति मिल गई है। जमीन के सीमांकन की प्रक्रिया अंतिम चरण में पहुंच गई है और निर्माण एजेंसी का चयन भी हो चुका है। यह हरनौत प्रखंड का छठा पावर सब स्टेशन होगा, जिससे प्रखंड के पूर्वी भाग के ग्रामीण इलाकों में बिजली की आपूर्ति में आने वाली दिक्कतें दूर होंगी।

20 एमवीए क्षमता का होगा नया पीएसएस: छतियाना में बनने वाले इस पावर सब स्टेशन की कुल क्षमता 20 एमवीए होगी। इसमें 10-10 एमवीए के दो पावर ट्रांसफॉर्मर लगाए जाएंगे। इस परियोजना पर करीब 10 करोड़ रुपए की लागत आने का अनुमान है। चिह्नित जमीन का सीमांकन कराने के बाद निर्माण कार्य तेजी से शुरू कराया जाएगा।

चेरन पीएसएस पर बोझ होगा कम: फिलहाल हरनौत प्रखंड के पूर्वी भाग के गांवों को चेरन स्थित पावर सब स्टेशन से बिजली की आपूर्ति की जाती है। गर्मी के मौसम में जब बिजली की मांग बढ़ जाती है, तो निर्बाध आपूर्ति बनाए रखने में काफी समस्या आती है। छतियाना में नया पीएसएस बनने से न केवल पूर्वी भाग के गांवों को सीधे बिजली मिलेगी, बल्कि चेरन पीएसएस पर पड़ने वाला अतिरिक्त लोड भी कम हो जाएगा। इससे दोनों क्षेत्रों में बिजली की गुणवत्ता में सुधार आएगा। वर्तमान में हरनौत प्रखंड क्षेत्र में हरनौत, कल्याण बिगहा, चैनपुर, तेलमर और चेरन में पावर सब स्टेशन मौजूद हैं। इसके अलावा चेरन में एक पावर ग्रिड सब स्टेशन भी संचालित है।

देकपुरा, सोसंदी और रतनपुरा में भी काम जारी: ग्रामीण इलाकों में बिजली की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने की दिशा में और भी सकारात्मक पहल हो रही हैं। रहुई प्रखंड के देकपुरा, सोसंदी और नूरसराय प्रखंड के रतनपुरा में नए पावर सब स्टेशनों का निर्माण कार्य पहले ही शुरू हो चुका है। अधिकारियों के अनुसार, अगर सबकुछ ठीक-ठाक रहा तो मई-जून तक इन तीनों पीएसएस से बिजली की आपूर्ति शुरू हो जाएगी। इससे नूरसराय और रहुई इलाके में बिजली संकट काफी हद तक दूर हो जाएगा।

भीषण शीतलहर के बीच आज का दिन राहत भरा रहा

पुरैनी (मधेपुरा)। प्रखंड क्षेत्र में पिछले कई दिनों से जारी घने कोहरे और भीषण शीतलहर के बीच शनिवार का दिन राहत भरा रहा। लंबे इंतजार के बाद सुबह करीब साढ़े आठ बजे बादलों की ओट से सूर्य देव के दर्शन हुए। जैसे-जैसे दिन चढ़ा, धूप की तेजी ने वातावरण में घुली कनकनी को कम कर दिया, जिससे आम जनजीवन सहित पशु-पक्षियों को बड़ी राहत मिली।

छतों और आंगन में धूप का आनंद : दोपहर 11 बजे तक आसमान पूरी तरह साफ हो गया और पछुआ हवा की गति भी धीमी पड़ गई। कड़ाके की ठंड से घरों में दुबके लोग छतों और खुले मैदानों में धूप का आनंद लेते नजर आए। धूप निकलने से न केवल लोगों को शारीरिक राहत मिली, बल्कि पिछले कई दिनों से ठप पड़े कामकाज में भी तेजी देखी गई। बाजारों में भी ग्राहकों की चहल-पहल बढ़ने से रौनक लौट आई।

शाम होते ही फिर बढ़ी कनकनी : हालांकि, दिन भर की राहत के बाद शाम ढलते ही पारा एक बार फिर लुढ़क गया और कनकनी बरकरार रही। स्थानीय लोगों ने उम्मीद जताई कि यदि मौसम इसी तरह साफ रहा तो जल्द ही भीषण ठंड से पूरी तरह निजात मिल सकेगी।

ओवैसी के बयान पर विधानसभा स्पीकर का पलटवार

बोले– पीएम पद की कोई वैकेंसी नहीं बंगाल में भी जंगलराज, सरकार बदलेगी

निज संवाददाता। गयाजी

गयाजी के नागमतिया रोड स्थित एक निजी होटल में एजुकेशन फेयर का उद्घाटन हुआ। इसमें बिहार विधानसभा के स्पीकर डॉ. प्रेम कुमार शामिल हुए। इन्होंने एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के उस बयान पर, जिसमें अगला प्रधानमंत्री हिजाब वाली होने की बात कही थी, इस पर पर जवाब दिया। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि ऐसे बयान मुंगेरीलाल के हसीन सपनों जैसे होते हैं। हकीकत से इनका कोई लेना-देना नहीं है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं और आगे भी वही रहेंगे। प्रधानमंत्री पद की कोई वैकेंसी नहीं है। उन्होंने साफ कहा कि पीएम मोदी आज सिर्फ भारत नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में मजबूत नेतृत्व के रूप में स्थापित हैं। ऐसे गैर-जिम्मेदार बयान समाज को बांटने वाले हैं और इन्हें वापस लिया जाना चाहिए।

पश्चिम बंगाल में इस बार परिवर्तन तय: बंगाल चुनाव को लेकर भी स्पीकर ने आक्रामक रुख अपनाया। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में इस बार परिवर्तन तय है। जिस तरह कभी बिहार में जंगलराज था, आज वही हाल बंगाल का है। आम लोग परेशान हैं। भय का माहौल है। पलायन बढ़ रहा है। कानून-व्यवस्था नाम की चीज नहीं बची है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर सीधा हमला करते हुए स्पीकर ने कहा कि वहां लोकतंत्र का गला घोंटा जा रहा है। चुनाव में बंगाल की जनता सबक सिखाएगी और कमल खिलेगा। नरेंद्र मोदी और अमित शाह के नेतृत्व में वहां भाजपा की सरकार बनेगी।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को भारत रत्न दिए जाने की मांग पर डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि यह केंद्र सरकार का विषय है। लेकिन अगर नीतीश कुमार को भारत रत्न मिलता है, तो यह पूरे बिहार के लिए गर्व की बात होगी। नीतीश कुमार वास्तव में इसके लिए काबिल हैं। वे व्यक्तिगत रूप से इसकी कामना करते हैं। एजुकेशन फेयर पर बोलते हुए स्पीकर ने कहा कि ऐसे आयोजन छात्रों को दिशा देते हैं। करियर के नए रास्ते खोलते हैं। शिक्षा ही मजबूत भारत की नींव है।

मनरेगा का नाम बदलने से कांग्रेस नाराज, गयाजी में आंदोलन की दी चेतावनी

निज संवाददाता। गयाजी

गयाजी. मनरेगा योजना के नाम में बदलाव को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। इसे लेकर कांग्रेस की ओर से देशव्यापी धरना-प्रदर्शन का ऐलान किया गया है। इसी कड़ी में शहर के राजेंद्र आश्रम मोहल्ला स्थित कांग्रेस कार्यालय में प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया। प्रेसवार्ता में कांग्रेस के जिला प्रभारी वैद्यनाथ शर्मा, जिलाध्यक्ष संतोष कुशवाहा, बबलू कुमार समेत कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। जिला प्रभारी वैद्यनाथ शर्मा ने कहा कि केंद्र सरकार ने साजिश के तहत मनरेगा का नाम बदल दिया है। यह सिर्फ नाम बदलने का मामला नहीं है, बल्कि महात्मा गांधी के विचार और उनके सपनों पर सीधा हमला है। उन्होंने साफ कहा कि जब तक यह फैसला वापस नहीं लिया जाता, कांग्रेस चैन से नहीं बैठेगी। सड़क से संसद तक आंदोलन होगा। देशभर में कांग्रेस कार्यकर्ता धरना-प्रदर्शन करेंगे। वैद्यनाथ शर्मा ने कहा कि मनरेगा महात्मा गांधी की सोच से जुड़ी योजना है। इसका मकसद ग्रामीण गरीबों को सम्मान के साथ रोजगार देना था। साल में 100 दिन का काम देना था। इससे गांव के लोगों को रोजी-रोटी मिली और पलायन भी रुका। लेकिन मौजूदा सरकार ने इस योजना के नाम से गांधी को हटाकर उनके सपनों को तोड़ा है। जिलाध्यक्ष संतोष कुशवाहा ने कहा कि यह फैसला गरीब विरोधी है। कांग्रेस इसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं करेगी। पार्टी कार्यकर्ताओं को आंदोलन के लिए तैयार रहने का निर्देश दिया गया है। आने वाले दिनों में जिले से लेकर देश स्तर तक विरोध तेज किया जाएगा। कांग्रेस नेताओं ने साफ संकेत दिए कि मनरेगा के नाम से छेड़छाड़ को लेकर यह लड़ाई लंबी चलेगी। सड़कें भी जाम होगी और जेल भरो आंदोलन भी किया जाएगा।

गुरुआ थाना क्षेत्र में गांजा तस्करी पर पुलिस का शिकंजा

नरियाही गांव से 350 ग्राम गांजा बरामद, एक गिरफ्तार

निज संवाददाता। गुरुआ, गयाजी

जिले में अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत गुरुआ थाना पुलिस को शनिवार को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए नरियाही गांव से 350 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया है। इस दौरान एक व्यक्ति को मौके से गिरफ्तार किए जाने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, गुरुआ थाना को नरियाही गांव में अवैध रूप से गांजा रखने और उसके कारोबार से जुड़ी गतिविधियों की सूचना मिली थी। सूचना की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी मनेश कुमार ने तुरंत एक विशेष टीम का गठन किया और पूरी तैयारी के साथ छापेमारी की योजना बनाई। निर्धारित समय पर पुलिस टीम ने नरियाही गांव में छापा मारा, जहां मुन्ना यादव के घर की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान पुलिस को घर से 350 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। बरामदगी के बाद पुलिस ने नरियाही गांव निवासी मुन्ना यादव, पिता स्वर्गीय विशंभर यादव, को मौके से हिरासत में ले लिया। पुलिस ने गांजे को जब्त कर लिया और आरोपी को थाने लाकर पूछताछ शुरू कर दी। थाना प्रभारी मनेश कुमार ने बताया कि जिले में अवैध नशे के कारोबार को लेकर पुलिस लगातार निगरानी कर रही है और किसी भी कीमत पर नशा तस्करों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि यह छापेमारी पूरी तरह कानूनी प्रक्रिया के तहत की गई है और मामले में संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि गिरफ्तार आरोपी किसी संगठित गिरोह या बड़े नशा तस्करी नेटवर्क से जुड़ा हुआ है या नहीं।

गयाजी में कांग्रेस ने सरकार पर साधा निशाना

प्रवक्ता बोले- अपराध बढ़ा, डॉक्टर से एक करोड़ की रंगदारी मांगी गई

निज संवाददाता। गयाजी

गयाजी में एएनएमएमसीएच के न्यूरो विभाग के प्रोफेसर डॉ. सत्येंद्र कुमार की पत्नी को जान से मारने की धमकी देकर एक करोड़ रुपए की रंगदारी मांगी गई है। इस घटना के बाद बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश प्रतिनिधि और प्रवक्ता विजय कुमार मिट्ठू ने नीतीश सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि जब डॉक्टर जैसे सम्मानित पेशे से जुड़े लोग ही सुरक्षित नहीं हैं, तो आम नागरिकों की सुरक्षा की कल्पना करना कठिन है।

हत्या, लूट, अपहरण-बलात्कार की घटनाओं में वृद्धि का आरोप: मिट्ठू ने आरोप लगाया कि नीतीश कुमार की सरकार में अपराध बेलगाम हो गया है। उन्होंने दावा किया कि राज्य में हत्या, लूट, अपहरण और बलात्कार की घटनाओं में वृद्धि हुई है। उन्होंने गया में हाल ही में शक्यमुनि कॉलेज, बोधगया के एक कर्मचारी की गोली मारकर हत्या और एक कारोबारी की पीट-पीटकर हत्या जैसी घटनाओं का भी जिक्र किया। कांग्रेस नेता ने 8 जनवरी को पटना और गया सहित बिहार के छह व्यवहार न्यायालयों को आरडीएक्स से उड़ाने की धमकी के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि इस धमकी से राज्य में भय का माहौल बन गया था।

मिट्ठू ने राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन से मांग की है कि प्रोफेसर की पत्नी को धमकी देने और रंगदारी मांगने वाले अपराधियों को तुरंत गिरफ्तार किया जाए। उन्होंने पिछले दो दिनों में हुई युवाओं की हत्याओं के दोषियों को भी जल्द पकड़कर कड़ी सजा देने की अपील की, ताकि कानून-व्यवस्था पर जनता का विश्वास बहाल हो सके।

वित्तीय सहायता बनी आधार
उच्च शिक्षा में युवाओं का सपना हो रहा साकार

दिशोम गुरु श्री शिबू सोरेन जी
की 82 वीं जयंती के अवसर पर राज्य के विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य हेतु संचालित
गुरुजी स्टूडेन्ट क्रेडिट कार्ड योजना (GSCC)
के सक्रिय क्रियान्वयन पर संवाद कार्यक्रम

मुख्य अतिथि
श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

विशिष्ट अतिथि
श्री संजय सेठ
माननीय रक्षा राज्य मंत्री, भारत सरकार सह-सांसद, राँची लोकसभा क्षेत्र
श्री सुदिव्य कुमार
माननीय मंत्री, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, नगर विकास एवं आवास विभाग, पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग
श्री सुरेश कुमार बैठा
माननीय विधायक, कांके विधान सभा, रांची

11 जनवरी, 2026 | 01:00 बजे अपराह्न | हरिवंश टाना भगत इनडोर स्टेडियम, खेलगांव, रांची

PR. No.370581/IPRD/2025-26
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

संक्षिप्त समाचार

सूर्यपुरा पुलिस ने दो एनबीडब्ल्यू वारंटी को किया गिरफ्तार

सूर्यपुरा/रोहतास। सूर्यपुरा थाना की पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो एनबीडब्ल्यू (गैर-जमानती वारंट) वारंटी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है । गिरफ्तार पहला वारंटी थाना क्षेत्र अंतर्गत सूर्यपुरा निवासी विक्रमा सिंह का पुत्र बिल्ला कुमार उर्फ संतोष राज है,जिसके विरुद्ध सासाराम न्यायालय से गैर-जमानती वारंट निर्गत था । वहीं दूसरा वारंटी बलिहार निवासी स्वर्गीय मोतीचंद डोम का पुत्र सुरेंद्र डोम है,जिसके खिलाफ बिक्रमगंज व्यवहार न्यायालय से एनबीडब्ल्यू जारी किया गया था । पुलिस ने दोनों वारंटी को गिरफ्तार करने के बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया । इस संबंध में जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष चंदन कुमार भगत ने बताया कि फरार वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है और आगे भी यह कार्रवाई जारी रहेगी ।

शराब के साथ एक गिरफ्तार

दिनारा /रोहतास । दिनारा थाना क्षेत्र के ग्राम गंगाढ़ी निवासी अशोक सिंह को पुलिस ने 200 एमएल का एक पीस देसी मशालेदार शराब के साथ गिरफ्तार किया है । इस संबंध में स्थानीय थाना में कांड संख्या 07/26 के तहत मामला दर्ज किया गया है । आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद आरोपी को जेल भेज दिया गया । इस मामले की जानकारी प्रशिक्षु डीएसपी सह थानाध्यक्ष समीर कुमार सिंह ने दी । उन्होंने बताया कि अवैध शराब के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई है और आगे भी ऐसे मामलों में सख्ती से कार्रवाई जारी रहेगी ।

सूर्य के मकर राशि में प्रवेश के साथ मनाया जाने वाला मकर संक्रांति का पावन पर्व 15 जनवरी को

बिक्रमगंज (रोहतास)। सूर्य के मकर राशि में प्रवेश के साथ मनाया जाने वाला मकर संक्रांति का पावन पर्व 15 जनवरी को बिक्रमगंज अनुमंडल मुख्यालय सहित सभी प्रखंडों के शहरी एवं ग्रामीण कस्बों में श्रद्धा, आस्था और पारंपरिक उल्लास के साथ मनाया जाएगा । पर्व को लेकर पूरे क्षेत्र में उत्सवी माहौल बना हुआ है और लोग तैयारियों में जुटे हैं । मकर संक्रांति के दिन प्रातःकाल श्रद्धालु पवित्र नदियों,तालाबों एवं जलाशयों में स्नान कर भगवान भास्कर की पूजा-अर्चना करेंगे । सूर्य देव को अर्घ्य अर्पित कर सुख-समृद्धि,स्वास्थ्य एवं परिवार की खुशहाली की कामना की जाएगी । शास्त्रों के अनुसार इस दिन किए गए दान-पुण्य का विशेष महत्व है,जिसके कारण लोग तिल,गुड़,दही, चूड़ा,वस्त्र एवं अन्न का दान जरूरतमंदों को करेंगे । पर्व के अवसर पर घर-घर में पारंपरिक व्यंजन तैयार किए जाएंगे । विशेष रूप से दही- चूड़ा,तिलकुट,लाई,गुड़,पीठा तथा मौसमी सब्जियों से बने व्यंजन प्रमुख रूप से बनाए जाएंगे । ग्रामीण क्षेत्रों में सगे-संबंधियों और पड़ोसियों को आमंत्रित कर सामूहिक भोज का आयोजन किया जाएगा,जिससे सामाजिक समरसता और भाईचारे को मजबूती मिलेगी । मकर संक्रांति को लेकर अनुमंडल क्षेत्र के बाजारों में विशेष रौनक देखी जा रही है ।तिलकुट,गुड़,चूड़ा,दही,फल और पूजा सामग्री की दुकानों पर खरीदारों की भारी भीड़ उमड़ रही है । कारीगरों और स्थानीय विक्रेताओं की आमदनी में भी बढ़ोतरी हुई है । बाजारों में पारंपरिक मिठाइयों की सुगंध से पर्व का माहौल और भी जीवंत हो उठा है । ग्रामीण अंचलों में मकर संक्रांति के दिन पतंगबाजी,पारंपरिक खेलों और मेलों का आयोजन भी किया जाएगा । बच्चे और युवा वर्ग पूरे उत्साह के साथ इन गतिविधियों में हिस्सा लेंगे,जबकि बुजुर्ग परंपराओं को जीवंत बनाए रखने में अहम भूमिका निभाएंगे । मकर संक्रांति का पर्व केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं है,बल्कि यह सामाजिक एकता,सद्भाव और आपसी प्रेम का संदेश भी देता है ।लोग एक-दूसरे के घर जाकर तिलकुट व प्रसाद का आदान-प्रदान करेंगे और शुभकामनाएं देंगे ।

चिकित्सा शिविर सह वृद्ध विधवा एवं दिव्यांग सम्मान समारोह का किया गया आयोजन

दिनारा / रोहतास। गजेंद्र प्रसाद प्रधानाध्यापक मध्य विद्यालय तर।ढ नोखा, ग्राम समहुती प्रखंड दिनारा, अपने गांव में चिकित्सा शिविर सह वृद्ध विधवा एवं दिव्यांग सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसमें सैकड़ो माता ,गार्जियन, को जांच कर मुफ्त में दवाइयां दी गई तथा एक कंबल देकर सभी वृद्धि विधवा एवं दिव्यांग महाननुभवों को सम्मानित किया गया। सभा की अध्यक्षता श्री लक्ष्मण चौबे जी सेवानिवृत शिक्षक मंच संचालन राधा मोहन चौधरी ने किया ज्वाला प्रसाद सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा की बड़े सौभाग्यशाली हैं इस गांव के लोग यहां एक शिक्षक के बेटा एमबीबीएस डॉक्टर बना और अपने जन्मभूमि पर बुजुर्गों की सेवा करने के लिए जॉच सिविर लगाया और फ्री में दवाइयां वितरित की तथा कंबल से भी सम्मानित किया इस गांव के लोग भी बड़े सौभाग्यशाली हैं कहीं भी बात होगी तो कम से कम यह तो कहेंगे कि हमारे गांव का भी लड़का एक डॉक्टर है। इससे शिक्षा मिलती है कि हम अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दें संस्कार दें ,बच्चों को संस्कारी बनाएं तो हमारा समाज जरूर विकास करेगा और आगे बढ़ेगा मौके पर उपस्थित बृजेश जी दिलीप जी प्रमोद कुमार सत्येंद्र जी डॉक्टर की पूरी टीम पीएससीदिनारा डॉक्टर अभय कुमार के नेतृत्व में पूरी टीम ने तन मन से रोगी देखकर के उन्हें इलाज किया वह भी धन्यवाद के पात्र हैं।

दहेज हत्या या रहस्यमयी मौत? विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, पति-सास-ससुर गिरफ्तार

निज संवाददाता। करगहर (रोहतास)

रोहतास जिले के करगहर थाना क्षेत्र अंतर्गत लडुई गांव में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आने से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। मृतका की पहचान लडुई गांव निवासी छोटेलाल खरवार की 35 वर्षीय पत्नी पूजा कुमारी के रूप में हुई है। घटना के बाद गांव में तनावपूर्ण माहौल बना हुआ है।

मायके पक्ष का आरोप—दहेज के लिए ली गई जानः मृतका के पिता हिर्दया खरवार ने ससुराल पक्ष पर दहेज हत्या का गंभीर आरोप लगाया है। कोचस थाना क्षेत्र के बलथरी गांव निवासी हिर्दया खरवार ने बताया कि करीब दो वर्ष पूर्व उन्होंने अपनी पुत्री पूजा कुमारी की शादी लडुई गांव निवासी बिगन खरवार के पुत्र छोटेलाल खरवार से सामाजिक रीति-रिवाज के अनुसार की थी। उन्होंने आरोप लगाया कि शादी के कुछ समय बाद से ही पूजा कुमारी को मोटरसाइकिल और ढाई लाख रुपये दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ित किया जाने लगा। कई बार पंचायत और समझौते के प्रयास भी किए गए, लेकिन ससुराल पक्ष का रवैया नहीं बदला।

शुक्रवार रात मौत, हत्या की जताई आशंकाः मायके पक्ष का कहना है कि शुक्रवार की रात ससुराल वालों ने पूजा कुमारी की हत्या कर दी। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। मृतका का एक छोटा पुत्र भी है, जिसकी हालत देखकर गांव के लोग भी भावुक हो उठे।

थानाध्यक्ष का बयान—तीन आरोपी गिरफ्तारः करगहर थानाध्यक्ष कमल नयन पांडेय ने बताया कि मृतका के परिजनों के लिखित आवेदन के आधार पर दहेज हत्या की प्राथमिकी दर्ज की गई है। थानाध्यक्ष ने कहा कि "मामले को गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्रवाई की गई है। इस मामले में मृतका के पति छोटेलाल खरवार, ससुर बिगन खरवार और सास लालझारो देवी को गिरफ्तार कर लिया गया है। सभी आरोपियों से पूछताछ की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।"

पोस्टमार्टम के बाद शव सौंपा गयाः पुलिस के अनुसार शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया गया है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों की स्थिति और स्पष्ट हो सकेगी।

गांव में चर्चा और प्रशासन की नजरः घटना के बाद लडुई गांव में तरह-तरह की चर्चाएं हैं। पुलिस हर पहलू से मामले की जांच कर रही है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि दोषियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा।

रोहतास के काराकाट में बालू घाट पर बड़ा हादसा टला

अनियंत्रित टिप ट्रेलर ट्रैक्टर पर पलटा, चालक फिरोज अंसारी की बची जान

निज संवाददाता। काराकाट / रोहतास

रोहतास जिले के काराकाट नगर पंचायत के गोडारी क्षेत्र में शनिवार को एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। गोडारी-बहुआरा के बीच एनएच 120 (ए) पर स्थित पेट्रोल पंप के बगल वाले बालू स्टॉक घाट पर एक टिप ट्रेलर अनियंत्रित होकर ट्रैक्टर पर पलट गया। ट्रैक्टर न्यू हॉलैंड पर सवार चालक फिरोज अंसारी की जान जाते-जाते बची। ट्रैक्टर चालक फिरोज अंसारी, जो काराकाट प्रखंड के बरडीह पंचायत के नयारी बाल के निवासी हैं, ने बताया कि वे बालू लोड करने के लिए ट्रैक्टर लेकर घाट पर पहुंचे थे। इसी दौरान टिप ट्रेलर से बालू खाली की जा रही थी, जिसमें हाइड्रोलिक सिस्टम में खराबी आ गई। अनियंत्रित ट्रेलर ट्रैक्टर पर आ पलटा, लेकिन गनीमत रही कि चालक बाल-बाल बच गए। उन्होंने कहा, "हमारी जान उस वक्त बच गई, वरना आज हाथ धो बैठते।" इस हादसे में ट्रैक्टर और टिप ट्रेलर दोनों ही क्षतिग्रस्त हो गए, लेकिन जानमाल का कोई नुकसान नहीं हुआ। मौके पर पहुंचे ट्रैक्टर मालिक ने बताया कि उन्हें सूचना मिलते ही वे चालक की चिंता में तुरंत पहुंचे और स्थिति को काबू में किया। चालक पूरी तरह घबरा गया था, लेकिन सबसे राहत की बात यह रही कि वह सुरक्षित है। ट्रॉली को भारी नुकसान हुआ है। स्थानीय लोगों ने इस घटना के बाद सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी दुर्घटनाएं न हों।

अभिनव कला संगम ने अखिलेश को दिया सोन गौरव सम्मान

- शाहाबाद महोत्सव संयोजक ने किया वनभोज का आयोजन
- पर्यटन विकास को धरातल पर उतारने का लिए गया संकल्प

निज संवाददाता। सासाराम। रोहतास

जिले के महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल ताराचण्डी धाम स्थित बुढ़वा महादेव परिसर में शनिवार को शाहाबाद महोत्सव आयोजन समिति द्वारा नव वर्ष के उपलक्ष्य में वन भोज का आयोजन किया गया। आयोजन समिति के अध्यक्ष अखिलेश कुमार की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में भूमिका निभा रहे बड़ी संख्या में लोगों ने शिरकत की और शाहाबाद महोत्सव आयोजन समिति द्वारा अपने गौरवशाली ऐतिहासिक सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत को सहेजते हुए पर्यटन को बढ़ावा देने के प्रयास की सराहना करते हुए उसे मुकाम तक पहुंचने में हर संभव सहयोग करने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि राजा हरिश्चंद्र काल से लेकर त्रेता, मध्यकालीन तथा वर्तमान काल तक का गौरवशाली इतिहास शाहाबाद प्रक्षेत्र का रहा है तथा यहां पर्यटन की अपार संभावनाएं है। लेकिन दुर्भाग्य है कि अभी तक इस क्षेत्र को पर्यटकीय दृष्टिकोण से विकसित नहीं किया गया। इसके लिए अपने अपने स्तर से सामुहिक प्रयास करने की जरूरत है, ताकि सरकार प्राथमिकता के आधार पर यह विकास किया जाए। वक्ताओं ने भोजपुरी भाषा को संविधान के आठवें अनुसूचि में शामिल करने की मांग पुरजोर तरीके से उठाई।

इस दौरान सांस्कृतिक संचेतना के प्रतीक डेहरी शहर की प्रमुख संस्थान अभिनव कला संगम द्वारा अंग वस्त्र तथा प्रतीक चिन्ह देकर "सोन गौरव सम्मान" से सम्मानित किया गया। यह सम्मान संस्थान अध्यक्ष कमलेश कुमार, रणधीर सिन्हा, सिमल सिंह ने संयुक्त रूप प्रदान की।

बैठक में समाजवादी नेता बलिराम मिश्र, नप के पूर्व उपाध्यक्ष चन्द्रशेखर कुशवाहा, कैमूर जिला परिषद सदस्य छोटन सिंह, लोक अभियोजक उपेंद्र कुमार, भीम आर्मी के प्रभारी अमित पासवान, पूर्व प्रमुख केके सिंह, पैक्स अध्यक्ष मिन्टू सिंह, धर्मेंद्र सिंह, अरबिन्द चौधरी, मुखिया अशोक भारद्वाज, बैंक अधिकारी ब्रजमोहन सिंह, रामनाथ सिंह, बिरेंद्र पासवान, संजय सिंह बाला सहित कई अधिवक्ता, पत्रकार, साहित्यकार, चिकित्सक व विभिन्न राजनीतिक दलों के लोगों ने अपना विचार व्यक्त किया।

नववर्ष में वन भोज का हुआ आयोजन

- अखिलेश को अकस ने "सोन गौरव सम्मान" से नवाजा
- पर्यटन विकास को धरातल पर उतारने का लिया गया संकल्प

निज संवाददाता। सासाराम /रोहतास

ताराचण्डी धाम स्थित बुढ़वा महादेव परिसर में शनिवार को शाहाबाद महोत्सव आयोजन समिति द्वारा नव वर्ष के उपलक्ष्य में वन भोज का आयोजन किया गया। आयोजन समिति के अध्यक्ष अखिलेश कुमार की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में भूमिका निभा रहे बड़ी संख्या में लोगों ने शिरकत की और शाहाबाद महोत्सव आयोजन समिति द्वारा अपने गौरवशाली ऐतिहासिक सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत को सहेजते हुए पर्यटन को बढ़ावा देने के प्रयास की सराहना करते हुए उसे मुकाम तक पहुंचने में हर संभव सहयोग करने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि राजा हरिश्चंद्र काल से लेकर त्रेता, मध्यकालीन तथा वर्तमान काल तक का गौरवशाली इतिहास शाहाबाद प्रक्षेत्र का रहा है तथा यहां पर्यटन की अपार संभावनाएं है। लेकिन दुर्भाग्य है कि अभी तक इस क्षेत्र को पर्यटकीय दृष्टिकोण से विकसित नहीं किया गया। इसके लिए अपने अपने स्तर से सामुहिक प्रयास करने की जरूरत है, ताकि सरकार प्राथमिकता के आधार पर यह विकास किया जाए। वक्ताओं ने भोजपुरी भाषा को संविधान के आठवें अनुसूचि में शामिल करने की मांग पुरजोर तरीके से उठाई।

इस दौरान सांस्कृतिक संचेतना के प्रतीक डेहरी शहर की प्रमुख संस्थान अभिनव कला संगम द्वारा अंग वस्त्र तथा प्रतीक चिन्ह देकर "सोन गौरव सम्मान" से सम्मानित किया गया। यह सम्मान संस्थान अध्यक्ष कमलेश कुमार, रणधीर सिन्हा, सिमल सिंह ने संयुक्त रूप प्रदान की।

बैठक में समाजवादी नेता बलिराम मिश्र, नप के पूर्व उपाध्यक्ष चन्द्रशेखर कुशवाहा, कैमूर जिला परिषद सदस्य छोटन सिंह, लोक अभियोजक उपेंद्र कुमार, भीम आर्मी के प्रभारी अमित पासवान, पूर्व प्रमुख केके सिंह, पैक्स अध्यक्ष मिन्टू सिंह, धर्मेंद्र सिंह, अरबिन्द चौधरी, मुखिया अशोक भारद्वाज, जीएम अंसारी, बैंक अधिकारी ब्रजमोहन सिंह, रामनाथ सिंह, बिरेंद्र पासवान, संजय सिंह बाला सहित कई अधिवक्ता, पत्रकार, साहित्यकार, चिकित्सक व विभिन्न राजनीतिक दलों के लोगों ने अपना विचार व्यक्त किया।

रोहतास में POSH अधिनियम पर जिला स्तरीय कार्यशाला, महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान पर जोर

निज संवाददाता। सासाराम /रोहतास

महिला एवं बाल विकास निगम, रोहतास के तत्वावधान में कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम को लेकर POSH अधिनियम, 2013 के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन DRDA सभागार, समाहरणालय सासाराम में किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन अनुमंडल पदाधिकारी सुश्री नेहा कुमारी एवं उप विकास आयुक्त श्री विजय कुमार पांडे द्वारा किया गया। मुख्य वक्ता राज्य नोडल पदाधिकारी (POSH) श्रीमती अंकिता कश्यप ने अधिनियम के प्रावधानों, आंतरिक शिकायत समिति (ICC) की भूमिका तथा महिलाओं के लिए सुरक्षित और सम्मानजनक कार्यस्थल सुनिश्चित करने पर विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में She-Box पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया भी बताई गई। अधिकारियों ने महिलाओं को निडर होकर शिकायत करने के लिए प्रेरित किया। कार्यशाला में विभिन्न विभागों के पदाधिकारी व कर्मी उपस्थित रहे।

काम्प्लेक्स रिसोर्स सेंटर नरवर भगीरथा में शिक्षकों के सप्ताहिक प्रशिक्षण

निज संवाददाता। कोचस(रोहतास)

काम्प्लेक्स रिसोर्स सेंटर (CRC) श्री शिवपूजन शास्त्री +2 उच्च माध्यमिक विद्यालय, नरवर भगीरथा के प्रांगण में आज साप्ताहिक बैठक (दूसरा शनिवार) का आयोजन किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता समन्वयक श्री घुरफेकन चौधरी ने की। बैठक विद्यालय के संरक्षक एवं प्राचार्य श्री/श्रीमती मीना जी के मार्गदर्शन एवं देखरेख में सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

बैठक में पठन-पाठन से संबंधित विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा की गई।

इन गतिविधियों का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों के कौशल विकास, शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार तथा छात्रों के सीखने के स्तर को बढ़ाना रहा। इसके अंतर्गत शिक्षण सामग्री का आदान-प्रदान, कक्षा से जुड़ी समस्याओं पर चर्चा तथा शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाने हेतु विचार-विमर्श किया गया।बैठक में कक्षा तीन के गणित विषय पर शैक्षिक चर्चा का प्रस्ताव रखा गया।

इसके लिए सदन द्वारा विषयगत चर्चा करने हेतु शिक्षक के चयन, शिक्षकों को आने वाली कठिनाइयों की समीक्षा तथा अगली बैठक के विषय के चयन पर बिंदुवार विचार किया गया।इस बैठक में विजय कुमार,अमित कुमार त्रिपाठी,उपेंद्र कुमार, विनोद कुमार, जहांगीर अंसारी, पूनम कुमारी, रितु कुमारी, मनोज कुमार, कृष्ण देव मिश्रा, कंचन कुमार यादव, शारदा कुमारी, किरण कुमारी, गीता कुमारी, साहिल कुमारी, किशोरी लाल शाह, राहुल वाजपेई, अरुण कुमार, सविता कुमारी,अंजली कुमारी सहित अनेक शिक्षकों ने सक्रिय सहभागिता की।

जीएनएसयू और एएसजीआई हॉस्पिटल के बीचएमओयू

निज संवाददाता। सासाराम (रोहतास)

- ऑप्टोमेट्री छात्रों को मिलेगा क्लिनिकल प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट का अवसर

गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय तथा ए एस जी आई हॉस्पिटल के बीच ऑप्टोमेट्री छात्रों के क्लिनिकल प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट को लेकर एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। यह एमओ यू विश्वविद्यालय के नारायण इंस्टीट्यूट ऑफ एलाइड एंड हेल्थकेयर साइंसेज के ऑप्टोमेट्री विभाग के छात्रों के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण, उद्योग-अनुभव एवं रोजगार के नए अवसर प्रदान करेगा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के नारायण इंस्टिट्यूट ऑफ एलाइड एंड हेल्थकेयर साइंसेज के ऑप्टोमेट्री विभाग के छात्रों के लिए प्लेसमेंट ड्राइव का भी आयोजन किया गया।

इस अवसर पर गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय के प्रो-चांसलर गोविंद नारायण सिंह, माननीय कुलपति प्रो. (डॉ.) जगदीश सिंह, कुलसचिव प्रो. (डॉ.) कुमार आलोक प्रताप , नारायण इंस्टीट्यूट ऑफ एलाइड एंड हेल्थकेयर साइंसेज के निदेशक प्रो. (डॉ.) नीरज कुमार, ऑप्टोमेट्री विभाग के विभागाध्यक्ष विवेक कुमार सिन्हा सहित ए. एस. जी. आई हॉस्पिटल की ओर से रौशन सिन्हा (रीजनल मैनेजर – ह्यूमन रिसोर्स एवं ऑपरेशंस) तथा विश्ववेन्द्र सिंह (ऑप्टोमेट्री मैनेजर, ए. एस. जी. बिहार विजन सेंटर) ने सहभागिता की।

माननीय प्रो-चांसलर गोविंद नारायण सिंह ने कहा कि यह समझौता छात्रों को गुणवत्तापूर्ण क्लिनिकल प्रशिक्षण प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे वे वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बन सकेंगे। माननीय कुलपति प्रो. (डॉ.) जगदीश सिंह ने विश्वविद्यालय की उद्योग-शैक्षणिक साझेदारी को मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई और कहा कि ऐसे एमओयू छात्रों के करियर निर्माण में सहायक सिद्ध होते हैं।

ए एस जी आई हॉस्पिटल के प्रतिनिधियों ने भी विश्वविद्यालय के साथ इस सहयोग पर प्रसन्नता व्यक्त की और छात्रों को अत्याधुनिक नेत्र-चिकित्सा सुविधाओं के साथ प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट के अवसर उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। इस समझौते के अंतर्गत ऑप्टोमेट्री विद्यार्थियों को ए. एस. जी. आई हॉस्पिटल के अत्याधुनिक नेत्र चिकित्सा केंद्रों में इंटर्नशिप, हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग तथा प्लेसमेंट के अवसर प्राप्त होंगे। यह सहयोग स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में कुशल मानव संसाधन तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। यह एमओयू शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में अकादमिक-औद्योगिक सहयोग को नई दिशा देगा तथा ऑप्टोमेट्री के छात्रों के लिए उज्ज्वल भविष्य का मार्ग प्रशस्त करेगा।

संक्षिप्त समाचार

बरौनी डेयरी के एमडी रविंद्र प्रसाद हटाए गए

बेगूसराय। बिहार राज्य दुग्ध सहकारी संघ लिमिटेड (कॉम्फेड) ने अनियमितताओं के आरोपों को लेकर बड़ा प्रशासनिक कदम उठाया है। कॉम्फेड ने बरौनी दुग्ध संघ के प्रबंध निदेशक (एमडी) रविंद्र प्रसाद को तत्काल प्रभाव से पद से हटा दिया गया है। जारी आदेश के अनुसार रविंद्र प्रसाद के खिलाफ मार्केटिंग, वित्त, संचालन एवं खरीद, मानव संसाधन और प्रशासनिक मामलों में गंभीर अनियमितताओं की कई शिकायतें मिली थी। इन शिकायतों में प्रणालीगत चूक और अधिकारों के संभावित दुरुपयोग सहित कई अन्य आरोप लगाए गए थे। आरोपों की गंभीरता को देखते हुए 10 नवंबर को कॉम्फेड पटना की ओर से एक कमेटी गठित कर प्रारंभिक जांच कराई गई थी। जांच में कई ऐसे मुद्दे चिह्नित किए जिनके लिए विस्तृत और गहन जांच की आवश्यकता कमेटी की ओर से बताई गई। इनमें वित्तीय नुकसान, खरीद प्रक्रिया में गड़बड़ी की बात सामने आई। इसके साथ ही कमेटी की जांच में वितरकों और ट्रांसपोर्टरों की नियुक्ति में अनियमितता, बोर्ड मीटिंग रेजोल्यूशन बुक में छेड़छाड़, हस्ताक्षर जालसाजी, बीएमसी आवंटन में अनियमितता, ठेकेदारों की अवैध नियुक्ति, चालू डीसीएस के स्थान पर दूध डालने के स्थान खोलने में गड़बड़ी की बात सामने आई।

तत्काल प्रभाव से पद से हटाया गयाः दूध टैंकरों को किराए पर लेने में अनियमितता, कॉम्फेड मुख्यालय द्वारा दिए गए उत्पाद के एसओपी का उल्लंघन, दूध टैंकरों को रखने में गड़बड़ी सहित अन्य संबंधित प्रशासनिक और वित्तीय खामियों का खुलासा हुआ था। इसके बाद कमेटी की सिफारिश पर निष्पक्ष जांच सुनिश्चित के लिए रवींद्र प्रसाद को तत्काल प्रभाव से प्रबंध निदेशक के पद से मुक्त किया गया। कॉम्फेड का कहना है कि निष्पक्ष, पारदर्शी और बिना किसी प्रभाव के जांच सुनिश्चित करने के लिए रविंद्र प्रसाद को पद से हटाया गया है। इसके साथ ही इस मामले की जांच के लिए स्वतंत्र चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) फर्म की नियुक्ति की जाएगी। सीए फर्म को जांच सौंपे जाने की तिथि से 10 दिनों के भीतर विस्तृत रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया गया है।

100 करोड़ रुपए की हेराफेरीः इधर, एमडी पर हुई कार्रवाई को लेकर दूध उत्पादक संघ ने इसे अपने संघर्ष की जीत बताया है। आज बेगूसराय में आयोजित प्रेसवार्ता में संघ के राज्य अध्यक्ष अशोक कुमार सिंह, बरौनी डेयरी बोर्ड के मेंबर दीपक कुमार ने बताया कि बरौनी डेयरी में करीब 100 करोड़ रुपए के हेराफेरी के संबंध में जांच की लगातार मांग उठा रहे थे। अभी 4 दिनों तक समाहरणालय लेकर समक्ष धरना भी दिया था। कॉम्फेड के पूर्व के सचिव द्वारा जांच कमेटी गठन किए जाने के बाद भी जांच नहीं कराई गई। पटना कॉम्फेड के प्रबंधन में बदलाव होते ही जांच कराई गई तो बड़े गड़बड़ी का खुलासा हुआ। एमडी रविंद्र प्रसाद लूट मचाए हुए थे, जिसका खुलासा हो गया है। बेगूसराय, खगड़िया, लखीसराय और पटना जिला के बाढ़ अनुमंडल के लाखों दूध उत्पादक का दूध यहां आता है और डेयरी बंद हो जाता तो पशुपालक तबाह हो जाते। बरौनी डेयरी के बंद होने से प्राइवेट डेयरी री भी दूध का सही दाम नहीं देता।

राबड़ी देवी पार्ट-2 का निर्माण राजद में होगा

बेगूसराय। लैंड फॉर जॉब मामले में लालू यादव, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव सहित 41 लोगों पर कोर्ट ने आरोप तय किए। इसके बाद बीजेपी ने लालू यादव के परिवार पर तंज कसा है। बीजेपी के प्रदेश प्रवक्ता नीरज कुमार और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने आज कहा है कि कोर्ट की टिप्पणी से स्पष्ट है कि लालू यादव का पूरा परिवार जेल जाने वाला है। बीजेपी के प्रदेश प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा है कि लालू यादव और तेजस्वी यादव को बताना चाहिए कि क्या राबड़ी देवी पार्ट-2 का निर्माण राजद में होने जा रहा है। राजश्री को कब तेजस्वी यादव पार्टी की कमान सौंपने जा रहे हैं। क्योंकि कोर्ट की टिप्पणी से स्पष्ट है कि लालू यादव, तेज प्रताप, तेजस्वी यादव, राबड़ी देवी और मीसा भारती समेत सबके सब जेल जाने वाले हैं।

कार्यकर्ताओं को पार्टी संभालने का मौका नहीं मिलेगाः नीरज कुमार ने कहा कि आरजेडी में तो ऐसी परंपरा है ही नहीं कि कार्यकर्ताओं को पार्टी संभालने का मौका मिलेगा। वह भाजपा नहीं है, कि कार्यकर्ता को नेतृत्व मिलेगा। कोई कार्यकर्ता प्रदेश अध्यक्ष और राष्ट्रीय अध्यक्ष बन सकता है। वहां तो परिवार से ही बनेगा। राजश्री की ताजपोशी कर राबड़ी देवी पार्ट-2 कब बनाने जा रहे हैं- यह उन्हें बताना चाहिए। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा है कि नौकरी के नाम पर जमीन लेकर जैसा किए हैं वैसा फल भुगतना होगा। लालू यादव चारा घोटाला से सीख नहीं ले पाए और रेल मंत्री बनने के बाद अपने परिवार को भ्रष्टाचार के दलदल में भी घसीट कर ले गए। अब केंद्रीय नेतृत्व को गाली दे रहे हैं। इसमें न केंद्र सरकार का कोई लेना देना है, न बिहार सरकार का कोई लेना देना है। केंद्र सरकार पर बोलकर किसको गलतफहमी में डाल रहे हैं। इतनी संपत्ति बना लिए, आखिर कहां से बनाए। आज तक वह लोग परिवार से बाहर नहीं निकल पाए। लालू यादव मुख्यमंत्री से हटकर जेल गए, तो पत्नी को मुख्यमंत्री बनाए। विपक्ष का नेता बनाना था तो अपने बेटा को बना दिए। परिवार में सिमटे हुए हैं, इसे लोगों को सीख लेनी चाहिए कि परिवारवाद और भ्रष्टाचार से निकलना चाहिए।

कांग्रेस चलाएगी 45 दिनों का मनरेगा बचाओ अभियान

अररिया। कांग्रेस पूरे देश में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम अर्थात मनरेगा को बचाने को लेकर 45 दिनों का अभियान चलाएगी।जिसके तहत प्रेस कांफ्रेंस,धरना प्रदर्शन से लेकर संवाद और रैली तक आयोजित होगी।8 जनवरी से पीसीसी सत्र की तैयारी को लेकर बैठक कर इसका आगाज किया जाएगा।जबकि हर राज्य में 7 से 15 फरवरी तक विधानसभा घेराव के साथ 16 से 25 फरवरी तक एआईसीसी जोनल मेगा रैलियां आयोजित की जाएगी।जानकारी अररिया जिला कांग्रेस अध्यक्ष शाद अहमद ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी।प्रेस कांफ्रेंस में जिलाध्यक्ष के साथ पूर्व जिलाध्यक्ष अनिल सिन्हा,प्रखंड अध्यक्ष गुलाबचंद ऋषिदेव,नगर अध्यक्ष अमितेश आनंद,एनएसयूआई जिलाध्यक्ष इरशाद सिद्दीकी, करण कुमार पप्पू,कांग्रेस नेत्री सह पार्षद काजल गुप्ता,प्रदीप कर्ण, टनटन गुप्ता,कंचन विश्वास,दिलीप पासवान आदि मौजूद थे। अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के संगठन के महासचिव के.सी.वेणुगोपाल के हवाले से जिलाध्यक्ष श्री अहमद ने बताया कि मनरेगा भारतीय ग्रामीण अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा है।जो गरीब और वंचित लोगों को रोजगार का कानूनी अधिकार दिया।लेकिन केंद्र की नरेंद्र मोदी की सरकार ने वी-बी-जी रामजी कानून के जरिए इस अधिकार को सरकारी मेहरबानी में बदल दिया। उन्होंने कहा कि इस जन विरोधी फैसले का देश के हर गांव में विरोध करने और 45 दोनों का देशव्यापी मनरेगा बचाओ अभियान चलाने का कांग्रेस ने निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का मामले में स्पष्ट मांग है कि केंद्र सरकार इस फैसिलिटी को पूरी तरह से वापस ले।कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने बताया कि 8 जनवरी को पीसीसी स्तर की तैयारी की बैठक होगी।उन्होंने कहा कि 11 जनवरी को जिले में एक दिन का उपवास कार्यक्रम,12 से 29 जनवरी तक पंचायत प्रतिनिधियों और मनरेगा मजदूरों के साथ संवाद कार्यक्रम,30 जनवरी शहीद दिवस को वार्ड स्तर पर शांतिपूर्ण धरना किया जाएगा।वहीं 31 जनवरी से 6 फरवरी तक जिला स्तर पर मनरेगा बचाओ प्रदर्शन,7 से 15 फरवरी तक राज्य में विधानसभा का घेराव और 16 से 25 फरवरी तक एआईसीसी मेगा रैलियां आयोजित किए जाने के कार्यक्रम तय किया गया है।

तबादले के बाद एसपी ने एक साल के आपराधिक आंकड़े और उपलब्धियां गिनाई

अररिया। अररिया के एसपी अंजनी कुमार का जिले में एक साल का कार्यकाल रहा और इस एक साल के दौरान कुल 6860 मामले जिले के विभिन्न थानों में दर्ज हुए,वहीं अधिकांश जटिल मामलों को तकनीकी और वैज्ञानिक अनुसंधान से सुलझाने में एसपी अंजनी कुमार काफी कामयाब रहे।एक जनवरी 2025 को अंजनी कुमार अररिया में एसपी के रूप में तैनात हुए थे और इस एक साल के दौरान जिले में कुल 6755 गिरफ्तारी,देशी कट्टा या पिस्टल की बरामदगी 44,गोला बारूद 94 बरामद किए गए।वहीं 354 मोटरसाइकिल,36 कार,17 ट्रक,37 पिकअप वैन,8 टेंपू,4 ई रिक्शा,एक बस और एक ट्रैक्टर को जब्त किया गया।एक साल के दौरान शराब कांड में 231 वाहन बरामद किए गए।वहीं मादक पदार्थों की बरामदगी में स्मैक और ब्राउन शुगर 2.615 किलोग्राम,गांजा 4915.86किलोग्राम,विदेशी शराब 23043 लीटर, देशी शराब 17506 लीटर और प्रतिबंधित कोडीनयुक्त कफ सिरप 2197.7 लीटर बरामद किए गए।इस बात की जानकारी एसपी अंजनी कुमार ने दी।

शहर की दीवारों पर उभरी मंजूषा कला

- लोक विरासत को मिला नया मंच, महिला कलाकार जीवंत कर रही अंग क्षेत्र की पहचान

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर. अंग क्षेत्र की गौरवशाली लोक कला मंजूषा एक बार फिर अपनी जड़ों से निकलकर शहर की दीवारों पर जीवंत हो उठी है। परंपरा, आस्था और संस्कृति का यह अनूठा संगम अब सरकारी भवनों की दीवारों पर रंगों के माध्यम से अपनी कहानी खुद बयां कर रहा है। जिला प्रशासन की पहल का उद्देश्य स्पष्ट है कि मंजूषा कला को नया मंच दिया जाए और युवा पीढ़ी को अपनी लोक विरासत से जोड़ा जाए। जिला प्रशासन के सहयोग से मंजूषा गुरु मनोज पंडित के नेतृत्व में महिला कलाकारों की टीम शहर के विभिन्न सरकारी भवनों की दीवारों पर आकृतियां उकेर रही हैं। तीन रंगों से बनाई जा रही इन कलाकृतियों में हर स्ट्रोक इतिहास की झलक देता है और हर रंग अंग क्षेत्र की पहचान को मजबूत करता है। दीवारों पर बिक्रमशिला विश्वविद्यालय के भग्नावशेष, अजगैबीनाथ धाम, तिलकामांझी, लोक आस्था का महापर्व छठ और मनसा विषहरी पूजा को बेहद सजीव रूप में दर्शाया गया है, जो राहगीरों को ठहरकर देखने पर मजबूर करता है।

लोक कला को बढ़ावा मिल रहाः मंजूषा गुरु मनोज पंडित ने बताया कि प्रशासन की पहल से इस लोक कला को बढ़ावा मिल रहा है। इससे न सिर्फ सांस्कृतिक विरासत को पहचान मिल रही है, बल्कि महिलाओं को रोजगार के अवसर भी मिले हैं। ये कला मनसा विषहरी गाथा से जुड़ी बेहद पुरानी और पौराणिक कला है। इसमें गुलाबी, हरा और पीला, तीन रंगों का विशेष महत्व है। गुलाबी प्रेम, हरा समृद्धि और पीला विकास का प्रतीक माना जाता है। फिलहाल करीब 30 महिला कलाकार कई महीनों से अलग-अलग टोलियों में सरकारी भवनों की दीवारों पर मंजूषा कला को साकार कर रही हैं। कलाकार पूनम कुमारी ने बताया कि सात साल पहले मंजूषा कला सीखा था और आज विभिन्न शैलियों में कलाकृतियां बना रही हैं। मंजूषा कला की खास पहचान ये है कि इसमें बनाए गए स्त्री-पुरुष चित्रों के कान और भौंहें नहीं होतीं, जो इसे विशिष्ट बनाता है। बिहुला-विषहरी की अमर लोकगाथा से जुड़ी यह कला अब सिर्फ दीवारों तक सीमित नहीं रही। अतिथियों के सम्मान में मंजूषा चित्र भेंट किए जा रहे हैं और वस्त्रों पर उकेरी गई मंजूषा कला देश-विदेश तक अंग क्षेत्र की सांस्कृतिक खुशबू फैला रही है। कुल मिलाकर, यह पहल लोककला को वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में एक सशक्त कदम साबित हो रही है। DM नवल किशोर चौधरी ने बताया कि मंजूषा भागलपुर की धरोहर है, जिसे बढ़ावा देने के लिए सभी सरकारी भवनों में मंजूषा पेंटिंग उकेरी जा रही है।

सर्दी का सितम जारी, न्यूनतम तापमान 4.2°C

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर में सर्दी का सितम जारी है। भीषण ठंड ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। जिले में न्यूनतम तापमान 4.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। शिमला-मनाली जैसी ठंड का एहसास हो रहा है। घने कोहरे और सर्द पछिया हवा के कारण सुबह-शाम ठिठुरन बढ़ गई है। सड़कों पर आवाजाही कम रही। लोग अलाव और गर्म कपड़ों का सहारा लेने को मजबूर हैं। ठंड और कुहासे के बीच शहर के सैंडिस मैदान में एक अलग ही नजारा देखने को मिल रहा है। जहां आम लोग ठंड से राहत पाने के लिए घरों में दुबके हुए हैं, वहीं सैकड़ों युवा कंपकंपी भरी ठंड में पसीना बहाते नजर आ रहे हैं। सुबह छह बजे से दोपहर 12 बजे तक मैदान में बिहार पुलिस भर्ती की तैयारियों में जुटे युवाओं की भीड़ देखने को मिलती है।

ठंड की परवाह नहींः खास बात यह है कि इस तैयारी में आधी आबादी की भागीदारी भी लगातार बढ़ रही है। युवकों के साथ युवतियां कंधे से कंधा मिलाकर दौड़ लगाती और अभ्यास करती नजर आती हैं। ठंड की परवाह किए बिना महिलाएं भी पूरी लगन के साथ अपने लक्ष्य की ओर कदम बढ़ा रही हैं। मैदान में मौजूद ट्रेनर युवाओं को दौड़ के साथ-साथ अलग-अलग योग और शारीरिक अभ्यास की ट्रेनिंग देते हैं।

कड़ाके की ठंड से आलू की फसल खराब

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर में कड़ाके की ठंड और ओस ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। लगातार गिरते तापमान और घने कोहरे के कारण खेतों में लगी फसलों पर गंभीर असर देखा जा रहा है। विशेषकर आलू की फसल पाला बीमारी की चपेट में आ गई है। भागलपुर के नाथनगर प्रखंड क्षेत्र में बड़ी संख्या में किसानों ने आलू की खेती की है। पिछले कुछ दिनों से पड़ रही कड़ाके की ठंड के कारण आलू के पौधों पर पाले का प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। पाले की वजह से पौधों की पत्तियां झुलस रही हैं, उनका रंग बदल रहा है और विकास रुक गया है। इससे फसल की गुणवत्ता और पैदावार दोनों पर प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका है।

अच्छी पैदावार की उम्मीद के साथ आलू की खेतीः नाथनगर के किसान नीतीश यादव ने बताया कि उन्होंने इस बार अच्छी पैदावार की उम्मीद के साथ आलू की खेती की थी। हालांकि, अचानक बढ़ी ठंड ने उनकी मेहनत पर पानी फेर दिया है। नीतीश यादव के अनुसार, पाला बीमारी के कारण आलू के पौधे ठीक से विकसित नहीं हो पा रहे हैं, जिससे पैदावार में भारी गिरावट आ सकती है और किसानों को बड़ा आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। किसान पाले से बचाव के लिए सिंचाई, धुआं करने और अन्य पारंपरिक उपाय अपना रहे हैं, लेकिन कड़ाके की ठंड के आगे ये तरीके नाकाफी साबित हो रहे हैं। कई किसान अपनी फसल बचाने के लिए अतिरिक्त खर्च करने को मजबूर हैं, जिससे उनकी लागत लगातार बढ़ रही है। कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि यदि ठंड और पाले की स्थिति बनी रहती है, तो आलू के साथ-साथ अन्य सब्जी फसलों पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

गिरिराज सिंह ने ममता बनर्जी को डकैत बताया

निज संवाददाता। बेगूसराय

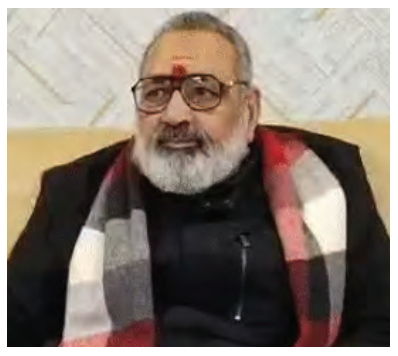

बेगूसराय में केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी को डकैत बताया है। बंगाल में चल रहे घटनाक्रम और कांग्रेस सांसद के इस पर सवाल उठाए जाने को लेकर कहा कि महागठबंधन तो कहीं है नहीं। जब चुनाव होता है तो राहुल गांधी इसमें सट जाते हैं, उसमें कोई नहीं है। महागठबंधन संतरा की तरह है। बंगाल में तो महागठबंधन बिल्कुल नहीं है। बंगाल का एक-एक आदमी कह रहा है कि ममता बनर्जी संविधान विरोधी हैं। आज तक कभी ऐसा नहीं हुआ है कि कोई मुख्यमंत्री जब ईडी के नजदीक से सभी कागजात चुरा ले और बाहर बोले की यह हमारा गुप्त था। क्या वह उनका पार्टी दफ्तर था। ममता बनर्जी को डर था कि गुप्त कागज मिलेगा तो अभिषेक बनर्जी इसमें फंस जाएगा। इसलिए ममता बनर्जी वहां डीजीपी को साथ में लेकर गईं और सभी कागजात चुरा कर ले आई। इतनी बड़ी डकैत हैं कि डीजीपी के साथ जाकर कागज चुरा ली। आखिर कागज चुराने की जरूरत क्या पड़ी। आखिर वहां कौन ऐसा गुप्त कागज था।

बंगाल में हिंदू डरे हुए हैंः गिरिराज सिंह ने आगे कहा कि यह पूरी दुनिया देख रही है। उल्टा चोर कोतवाल को डांटे। उल्टे वह अमित शाह को गाली दे रही हैं। ममता बनर्जी बंगाल को बांग्लादेश बनाना चाहती हैं। ममता बनर्जी बंगाल को घुसपैठियों के हवाले कर देना चाहती हैं। बंगाल में कोई ऐसा जिला नहीं है, जहां हिंदू डरे हुए नहीं हैं, सहमे हुए नहीं हैं। हिंदुओं को डर निकाल कर बंगाल को बचाने के लिए ममता बनर्जी को हटाना ही पड़ेगा। ममता बनर्जी ने जो चोरी की है, उसको छिपाने के लिए गृह मंत्री के आवास पर प्रदर्शन किया जा रहा है। भ्रष्टाचारियों को बचाने गई थी। आज तक देश का कोई मुख्यमंत्री भ्रष्टाचारियों को बचाने के लिए ऐसा नहीं किया। ममता बनर्जी खुद भ्रष्टाचार में डूबी हुई हैं और उसी से बचने के लिए कागजात को चुरा कर ले आईं।

सरिया कानून लागू नहीं होगाः गिरिराज सिंह ने AIMIM चीफ पर भी निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि असदुद्दीन ओवैसी जैसे लोग और उनकी पार्टी कहते हैं कि मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की मेयर बुर्का वाली होगी, तो कभी कहते हैं कि प्राइम मिनिस्टर बुर्का वाली होंगी। आखिर यह क्या फैलाना चाहते हैं। यहां तो राष्ट्रपति भी भारतीय जनता पार्टी ने बनाया है। अगर ओवैसी साहब के मन में गजवा ए हिंद है तो आप कान खोलकर सुन लीजिए। कांग्रेस की गलती और कांग्रेस के तुष्टीकरण के कारण देश में पहले जो कुछ हुआ है, वह अब नहीं होने वाला है। यहां फिर से कोई दूसरा पाकिस्तान नहीं बनने वाला है, न गजवा ए हिंद होने वाला है। यहां सरिया कानून लागू होने वाला नहीं है। यहां कलाम साहब जैसे को लोग पूजते हैं, हम पूजते हैं और पूरा देश पूजते हैं। लेकिन घृणा फैलाने वालों को यहां कभी लोग नेतृत्व नहीं मानेंगे। ओवैसी जैसे लोगों दूसरे के मन में घृणा फैलाते हैं, विद्वेष फैलाते हैं, हिंदू-मुसलमान करते हैं, उनके मन से नहीं होगा। गिरिराज सिंह ने आज लैंड फॉर जॉब मामले में भी लालू परिवार को घेरा है और कहा है कि अब राजश्री को आगे किया जाएगा।

एनएसयूआई ने जलाया कुलपति का पुतला

- जीडी कॉलेज में प्रदर्शन, कहा- दलालों के कारण छात्र-छात्राएं परेशान

निज संवाददाता। बेगूसराय

भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) के कार्यकर्ताओं ने आज बेगूसराय जीडी कॉलेज परिसर में ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय के कुलपति संजय कुमार चौधरी का पुतला जलाया। विरोध प्रदर्शन एनएसयूआई के जीडी कॉलेज इकाई अध्यक्ष श्याम सुंदर कुमार के नेतृत्व में किया गया। श्याम सुंदर कुमार ने कहा कि बीते कई महीनों से जीडी कॉलेज की विधि-व्यवस्था और मूलभूत सुविधाओं में व्याप्त अव्यवस्थाओं को लेकर प्राचार्य सहित विश्वविद्यालय के कुलपति को आवेदन के माध्यम से लगातार अवगत कराया गया है। लेकिन आज तक किसी भी प्रकार की ठोस कार्रवाई नहीं की गई।

दलालों के कारण छात्र-छात्राएं परेशानः कॉलेज परिसर में दलाल किसके संरक्षण में फल-फूल रहे हैं, यह बड़ा सवाल है। दलालों के कारण छात्र-छात्राएं लगातार परेशान हैं। कॉलेज में शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाओं की स्थिति दयनीय बनी हुई है, जिसे सुधारने के लिए अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। संस्थान की गरिमा और प्रतिष्ठा को धूमिल किया जा रहा है। उन्होंने दशकों से कार्यरत कर्मचारियों को हटाए जाने पर भी सवाल उठाते हुए इसका कारण स्पष्ट करने की मांग की। कॉलेज उपाध्यक्ष रोहित कुमार ने कहा कि महाविद्यालय में साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। पूछताछ काउंटर पर जानकार और जिम्मेदार कर्मचारी को बैठाया जाए। जिससे छात्र-छात्राओं को जानकारी हासिल करने में किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो। एनएसयूआई ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। प्रदर्शन में अंकित कुमार, रुपेश कुमार, प्रिंस कुमार, अमन कुमार, रौनक कुमार, बबलू कुमार, सौरभ कुमार एवं दीपक कुमार सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल थे।

घने कोहरे के चलते युवक की कुचलकर मौत

- कई वाहनों की चपेट में आया, पहचान नहीं, शव 72 घंटे तक मॉर्चूरी में सुरक्षित

निज संवाददाता। बांका

पुलिस ने आसपास के ग्रामीणों से पूछताछ कर शव की पहचान कराने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद, पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर शुक्रवार शाम पोस्टमार्टम के लिए बांका सदर अस्पताल भेज दिया। बांका जिले के रजौन थाना क्षेत्र में गुरुवार देर रात घने कोहरे के कारण एक सड़क हादसा हुआ। भागलपुर-हंसडीहा मुख्य सड़क मार्ग पर धनसार मोड़ के पास कई अज्ञात वाहनों की चपेट में आने से एक अज्ञात युवक की मौत हो गई।

स्थानीय पुलिस द्वारा काफी पूछताछ के बाद भी अज्ञात शव की पहचान नहीं होने पर शुक्रवार की संध्या शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए बांका सदर अस्पताल भेज दिया। जानकारी के अनुसार, युवक पहले किसी अज्ञात वाहन की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गया और सड़क पर गिर पड़ा। अत्यधिक कोहरे के कारण अन्य वाहन चालक उसे देख नहीं पाए।

युवक की मौके पर ही मौत हो गईः इसके बाद, वहां से गुजरने वाले दर्जनों वाहन उसे कुचलते हुए आगे बढ़ते रहे, जिससे युवक की मौके पर ही मौत हो गई। शुक्रवार सुबह स्थानीय लोगों ने सड़क पर क्षत-विक्षत शव देखा और तुरंत रजौन पुलिस को सूचना दी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची, जहां शव बुरी तरह क्षतिग्रस्त अवस्था में मिला।

शव की पहचान कराने का प्रयास किया जा रहाः पुलिस ने आसपास के ग्रामीणों से पूछताछ कर शव की पहचान कराने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद, पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर शुक्रवार शाम पोस्टमार्टम के लिए बांका सदर अस्पताल भेज दिया। प्रभारी थाना अध्यक्ष मुकेश कुमार ने बताया कि फिलहाल अज्ञात शव की पहचान नहीं हो पाई है। शव को बांका शवगृह में 72 घंटे तक सुरक्षित रखा गया है, ताकि परिजन उसकी पहचान कर सकें। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

गोपालपुर खेल मैदान पर विवाद

- प्राइवेट व्यक्ति ने जोता जमीन, ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया, प्रशासन से कार्रवाई की मांग

निज संवाददाता। बांका

बांका जिले के अमरपुर प्रखंड के गोपालपुर गांव में विद्यालय परिसर के खेल मैदान को एक निजी व्यक्ति द्वारा जोतने का मामला सामने आया है। इस घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने एकजुट होकर प्रदर्शन किया और प्रशासन से स्थल की जांच कर दोषी व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। ग्रामीणों का कहना है कि यह मैदान वर्षों से गांव के युवाओं और खिलाड़ियों के लिए खेल गतिविधियों का प्रमुख केंद्र रहा है। मौके पर मौजूद पंचायत के पूर्व मुखिया सह निवर्तमान मुखिया प्रतिनिधि रामकिशोर ईश्वर और अन्य ग्रामीणों ने बताया कि यह जमीन बिहार सरकार की है। इसमें थाना नंबर 262 मोहदीपुर मौजा की 39 डिसमल और थाना नंबर 363 गोपालपुर मौजा की एक एकड़ 12 डिसमल जमीन शामिल है। ग्रामीणों के अनुसार, गांव के युवक इस मैदान पर वर्षों से क्रिकेट, फुटबॉल सहित अन्य खेलों का अभ्यास करते आ रहे हैं। यहां नियमित रूप से टूर्नामेंट आयोजित होते हैं, जिनमें बिहार और झारखंड समेत अन्य राज्यों के खिलाड़ी भी भाग लेते हैं। यह मैदान गांव की पहचान और खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करता रहा है।

सरकारी जमीन के एक हिस्से पर अतिक्रमण कर रखाः ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि गांव के ही रुद्रा चौधरी ने इस सरकारी जमीन के एक हिस्से पर पहले से अतिक्रमण कर रखा है, जिसके संबंध में वर्षों से न्यायालय में मामला चल रहा है। एक दिन पूर्व रुद्रा चौधरी ने इस जमीन को अपनी बताते हुए जबरन जोत दिया, जिससे सभी खेल गतिविधियां पूरी तरह बाधित हो गईं।

मोहदीपुर गांव के सैकड़ों ग्रामीणों के साथ बैठक हुईः पूर्व मुखिया ने बताया कि शुक्रवार को गोपालपुर और मोहदीपुर गांव के सैकड़ों ग्रामीणों के साथ एक बैठक हुई। इसमें सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि अमरपुर अंचल अधिकारी सहित जिले के उच्च पदाधिकारियों को लिखित आवेदन देकर निष्पक्ष जांच और दोषी के खिलाफ विधिसम्मत कार्रवाई की मांग की जाएगी। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन तेज किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

एग्रो स्टैक परियोजना की समीक्षा बैठक में डीएम सख्त

आरा| एग्रो स्टैक परियोजना के लिए शुक्रवार को जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक हुई। बैठक में डीएम ने फार्मर रजिस्ट्री कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए सभी अंचलाधिकारियों के लिए स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित किए। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि निर्धारित अंतिम तिथि तक फार्मर रजिस्ट्री का कार्य मिशन मोड में पूरा किया जाए और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। फार्मर रजिस्ट्री के माध्यम से किसानों को सरकारी योजनाओं का लाभ पारदर्शी, सरल और समय पर उपलब्ध कराया जा सकेगा, जिससे कृषि क्षेत्र में व्यवस्था और विश्वसनीयता बढ़ेगी।

आज से यूजी सेमेस्टर-वन की परीक्षा शुरू, विवि ने पूरी की तैयारी

आरा। स्नातक (यूजी) सेमेस्टर-वन सत्र, 2025–29 की परीक्षा शनिवार से शुरू होगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने परीक्षा को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। परीक्षा दो पालियों में आयोजित की जाएगी। प्रथम पाली की परीक्षा सुबह 9:30 बजे से 12:30 बजे तक तथा द्वितीय पाली की परीक्षा दोपहर 1:30 बजे से 4:30 बजे तक होगी। परीक्षा कार्यक्रम के अनुसार सभी विषयों की परीक्षाएं निर्धारित तिथियों पर ही संपन्न कराई जाएंगी। कला संकाय के सभी सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी विषयों के छात्रों के लिए मेजर कोर्स (एमजेसी) की परीक्षा 10 जनवरी को आयोजित की जाएगी। इसके बाद माइनर कोर्स (एमआईसी) की परीक्षा 12 जनवरी को तथा मल्टीडिसिप्लिनरी कोर्स (एमडीसी) की परीक्षा 13 जनवरी को होगी। वहीं 15 जनवरी को एबिलिटी एन्हांसमेंट कोर्स (एईसी), 16 जनवरी को स्किल एन्हांसमेंट कोर्स (एसईसी) और 17 जनवरी 2026 को वैल्यू एडेड कोर्स (वीएसी) की परीक्षा ली जाएगी। विश्वविद्यालय परीक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि आंतरिक मूल्यांकन (सीआईए) सहित अन्य सभी आंतरिक परीक्षाएं थ्योरी परीक्षा से पूर्व पूरी कर ली जाएंगी, ताकि छात्रों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। इसके अलावा प्रायोगिक परीक्षाएं 22 जनवरी 2026 से 30 जनवरी 2026 के बीच जिले के सभी अंगीभूत एवं संबद्ध महाविद्यालयों में कराई जाएंगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी महाविद्यालयों के प्रधानाचार्यों को निर्देश दिया है कि वे प्रायोगिक परीक्षा के अंक समय पर विश्वविद्यालय के पोर्टल पर अपलोड करें और निर्धारित तिथि तक उसकी हार्ड कॉपी विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराएं। साथ ही सभी केंद्राधीक्षकों को 19 जनवरी 2026 तक परीक्षा से संबंधित उपस्थिति पत्रक अनिवार्य रूप से विश्वविद्यालय कार्यालय में जमा करने का निर्देश दिया गया है।

डॉ अरविंद बने जैन कॉलेज शिक्षक संघ के अध्यक्ष

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय की अंगीभूत इकाई एचडी जैन कॉलेज में शुक्रवार को शिक्षक संघ का चुनाव हुआ। यह चुनाव अध्यक्ष, सचिव, दो उपाध्यक्ष, एक संयुक्त सचिव तथा पांच कार्यकारिणी सदस्य पदों के लिए आयोजित किया गया। चुनाव प्रक्रिया पूरी होने के बाद परिणामों की घोषणा की गई, जिसमें विभिन्न विभागों के शिक्षकों ने जीत दर्ज की। अध्यक्ष पद पर पीजी इतिहास विभाग के डॉ अरविंद कुमार तथा सचिव पद पर संस्कृत विभाग के डॉ संजय कुमार चौबे विजयी घोषित किए गए। उपाध्यक्ष पद पर भूगोल विभाग के डॉ कुमार निर्भय एवं इतिहास विभाग की डॉ प्रीति रंजन का चयन हुआ। संयुक्त सचिव पद पर डॉ कृष्ण कुमार सिंह निर्वाचित हुए। वहीं कार्यकारिणी सदस्य के रूप में डॉ सुनील कुमार सिंह, डॉ मालविका तिवारी, डॉ सुमन कुमारी, डॉ गुलनवाज उस्मानी एवं डॉ आफताब अहमद ने जीत हासिल की। चुनाव में कोषाध्यक्ष पद के लिए डॉ अनुपमा कुमारी निर्विरोध निर्वाचित घोषित की गईं।

वंचित वर्गों को राहत पहुंचाना समाज का कर्तव्य

बक्सर। इटाढ़ी प्रखंड के बालादेबा गांव स्थित महादलित बस्ती में राहत शिविर चलाया गया। कड़ाके की ठंड से जूझ रहे जरूरतमंद परिवारों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से रेड क्रॉस सोसाइटी की बक्सर जिला शाखा द्वारा राहत सामग्री का वितरण किया गया। इस मानवीय पहल का नेतृत्व सदर एसडीएम अविनाश कुमार ने किया। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे और राहत सामग्री पाकर उन्होंने संतोष और खुशी व्यक्त की। राहत वितरण के क्रम में महादलित बस्ती के जरूरतमंद परिवारों के दर्जनों की संख्या में लोग शामिल हुए। इस अवसर पर अनुमंडल पदाधिकारी अविनाश कुमार ने कहा कि ठंड के मौसम में कमजोर और वंचित वर्गों को राहत पहुंचाना केवल प्रशासन ही नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने रेड क्रॉस सोसाइटी द्वारा किए जा रहे इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम समाज में मानवीय संवेदना और सहयोग की भावना को मजबूत करते हैं। बर्तन सेट समेत जरूरत की वस्तुओं का हुआ वितरण इस दौरान बर्तन सेट, कंबल, बिस्किट, तिरपाल सहित दैनिक उपयोग की अन्य आवश्यक सामग्रियां वितरित की गईं। ठंड के इस मौसम में ये सामग्री गरीब और असहाय परिवारों के लिए काफी सहायक साबित होगी। खासकर बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को ठंड से बचाव में कंबल और तिरपाल से राहत मिलेगी। राहत सामग्री पाकर ग्रामीणों ने खुशी जाहिर की और रेड क्रॉस सोसाइटी तथा प्रशासन का आभार व्यक्त किया। ग्रामीणों ने कहा कि ठंड के इस कठिन समय में मिली सहायता उनके लिए बहुत बड़ी राहत है।

बड़ी मठिया को मिला नया महंत, श्यामा दास महाराज को सौंपा गया उत्तराधिकार

बक्सर। नगर के श्री रामरेखा घाट स्थित बड़ी मठिया में एक महत्वपूर्ण धार्मिक परंपरा का निर्वहन करते हुए दिवंगत महंत चंद्रमा दास महाराज की इच्छा के अनुरूप उनके शिष्य श्यामा दास महाराज को मठिया का नया महंत मनोनीत किया गया। यह कार्यक्रम संत समाज, प्रबुद्धजनों और श्रद्धालुओं की उपस्थिति में विधि-विधान से संपन्न हुआ। पूरे दिन चले इस आयोजन ने बड़ी मठिया को संत समागम और धार्मिक गतिविधियों का केंद्र बना दिया। बड़ी मठिया के प्रबंधक केदारनाथ सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि दिवंगत महंत चंद्रमा दास महाराज ने अपने जीवनकाल में ही श्यामा दास महाराज को उत्तराधिकारी के रूप में चयनित किया था। उसी परंपरा और इच्छा के अनुरूप संतों की सहमति और वैदिक विधानों के बीच उन्हें महंत पद की जिम्मेदारी सौंपी गई। उन्होंने कहा कि बड़ी मठिया की परंपरा रही है कि उत्तराधिकार पूरी पारदर्शिता और संत समाज की उपस्थिति में ही संपन्न कराया जाता है।

काशी हत्याकांड में दूसरी गिरफ्तारी

आरा। भोजपुर के चरपोखरी थाना क्षेत्र में हुए आंख फोड़कर हत्या किए जाने के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। चरपोखरी थाना पुलिस ने हत्या के मामले में फरार चल रहे एक नामजद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने यह गिरफ्तारी चरपोखरी थाना क्षेत्र के नगरांव गांव से की। गिरफ्तार आरोपी की पहचान चरपोखरी थाना क्षेत्र के मलौर गांव निवासी अजय कुमार के रूप में हुई है।

आंख फोड़कर किया था मर्डर: जानकारी के मुताबिक, बीते साल 8 दिसंबर 2025 की शाम चरपोखरी थाना क्षेत्र के मलौर गांव निवासी स्वर्गीय डिग्री पासवान के 35 वर्षीय बेटे काशी पासवान की धारदार हथियार से आंख फोड़कर निर्मम हत्या कर दी गई थी। घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई थी। इस मामले को लेकर मृतक की पत्नी कांति देवी ने चरपोखरी थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। अपने बयान में उन्होंने आरोप लगाया था कि उनके पति की चाकू से हमला कर तथा गला दबाकर हत्या की गई। प्राथमिकी में बक्सर के सोनवर्षा थाना क्षेत्र के सलसला गांव निवासी धर्मेंद्र पासवान, मलौर गांव निवासी बृज बिहारी पासवान, उनके दो बेटे प्रदीप कुमार और अंकित पासवान समेत कुल 7 लोगों को नामजद किया गया था।

दूसरा आरोपी गिरफ्तार, बाकी फरार: पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच तेज कर दी थी, लेकिन घटना के बाद से कुछ आरोपित फरार चल रहे थे। चरपोखरी थाना पुलिस ने लगातार छापेमारी और तकनीकी इनवेस्टिगेशन के आधार पर नगरांव गांव से फरार आरोपी अजय कुमार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस का कहना है कि आरोपी लंबे समय से गिरफ्तारी से बचने के लिए छिपकर रह रहा था।

13 जनवरी तक बंद रहेंगे स्कूल

निज संवाददाता। आरा

♦ ठंड को लेकर डीएम ने जारी किया निर्देश, ,बच्चे–बूढ़े से घरों में रहने की अपील की

भोजपुर में लगातार कम तापमान और ठंड बढ़ने से बच्चों के स्वास्थ्य और जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका को देखते हुए जिला प्रशासन ने फैसला लिया है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार अगले कुछ दिनों तक ठंड का प्रकोप जारी रहने की संभावना है। इसी को ध्यान में रखते हुए जिला दंडाधिकारी तनय सुल्तानिया ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत आदेश जारी किया है। आदेश के अनुसार, भोजपुर के सभी निजी और सरकारी विद्यालयों, जिनमें नर्सरी, प्री-स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्र भी शामिल हैं। इसमें कक्षा 1 से 8 तक की सभी शैक्षणिक गतिविधियों पर 12 जनवरी 2026 से 13 जनवरी 2026 तक पूरी तरह से प्रतिबंध लगाया गया है। इस अवधि में इन कक्षाओं का संचालन पूरी तरह से बंद रहेगा।

कक्षा 9 से 12 तक के कक्षाओं के लिए समय-सीमा: कक्षा 9 से 12 तक के कक्षाओं के लिए भी समय-सीमा निर्धारित की गई है। इन कक्षाओं में सुबह 10 बजे से पहले और दोपहर 3:30 बजे के बाद शैक्षणिक गतिविधियों के संचालन पर रोक रहेगी। यानी उच्च कक्षाओं का संचालन केवल निर्धारित समय के भीतर ही किया जा सकेगा। जिला दंडाधिकारी ने स्कूल प्रबंधन को निर्देश दिया है कि वे इस आदेश के अनुरूप अपनी शैक्षणिक गतिविधियों का पुनर्निर्धारण करें। हालांकि, प्री-बोर्ड और बोर्ड परीक्षा के लिए संचालित की जाने वाली विशेष कक्षाओं और परीक्षाओं को इस आदेश से मुक्त रखा गया है। इसके साथ ही निजी और सरकारी सभी विद्यालयों से संबंधित प्राधिकारियों को आदेश दिया गया है कि वे इस निर्देश का बिल्कुल अनुपालन सुनिश्चित कराएं। आदेश का उल्लंघन करने वालों पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। यह आदेश 10 जनवरी 2026 को जिला दंडाधिकारी तनय सुल्तानिया के हस्ताक्षर और न्यायालय की मुहर से जारी किया गया। जिला प्रशासन ने अभिभावकों से भी अपील की है कि वे बच्चों को ठंड से बचाने के लिए आवश्यक सावधानी बरतें।

एक करोड़ की विदेशी शराब बरामद

निज संवाददाता। आरा

भोजपुर में मद्य निषेध एवं उत्पाद विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। 12 चक्का ट्रक से करीब एक करोड़ रुपए की भारी मात्रा में अवैध विदेशी शराब बरामद की गई है। मौके से ड्राइवर की गिरफ्तारी हुई है। जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया के निर्देश पर जिले में चलाए जा रहे विशेष अभियान के दौरान मद्य निषेध इकाई भोजपुर और पटना की टीम ने कार्रवाई की है। सहायक आयुक्त मद्य निषेध रजनीश को गुप्त सूचना मिली थी। पंजाब की ओर से एक ट्रक के माध्यम से भारी मात्रा में विदेशी शराब बिहार के मुजफ्फरपुर की ओर ले जाई जा रही है। सूचना के सत्यापन के बाद सहायक आयुक्त के निर्देश पर निरीक्षक अनिल कुमार के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। वाहन चेकिंग के दौरान बिहिया चौराहा के पास एक संदिग्ध टाटा कंपनी के 12 चक्का ट्रक(BR05GB-4421) को रोका गया।

राजस्थान का रहने वाला है ड्राइवर: जांच के दौरान ट्रक में ऊपर सड़े-गले आलू के बोरे लदे मिले। जब बोरों को हटाकर तलाशी ली गई तो नीचे बड़ी मात्रा में छिपाकर रखी गई कुल 3336 बोतल(8244 लीटर) शराब बरामद की गई। जिसकी बाजार कीमत करीब एक करोड़ रुपए आंकी गई है। गिरफ्तार ड्राइवर विजय कुमार राजस्थान के बाड़मेर जिला का रहने वाला है। आगे की कार्रवाई के लिए न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया की जा रही है। छापेमारी दल में निरीक्षक अनिल कुमार के अलावा सहायक अवर निरीक्षक मदन लाल यादव, सहायक अवर निरीक्षक धीरज कुमार, मद्य निषेध सिपाही, सैप एवं होमगार्ड के जवान शामिल थे। विभाग ने स्पष्ट किया है कि अवैध शराब के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

तस्कर गिरफ्तार, 17.23 ग्राम हेरोइन बरामद

♦ 7 हजार कैश और 3 मोबाइल भी मिला, चार महीने से कारोबार कर रहा था

निज संवाददाता। आरा

भोजपुर पुलिस मादक पदार्थों के खिलाफ जिले में विशेष अभियान के तहत लगातार कार्रवाई कर रही है। शुक्रवार को गुप्त सूचना के आधार पर सिकरहटा पुलिस ने स्थित पुरवारी पट्टी में हेरोइन के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। तलाशी के दौरान कुल 17.23 ग्राम हेरोइन, 7 हजार 250 रुपए कैश और तीन मोबाइल बरामद हुआ है। गिरफ्तार तस्कर की पहचान चंदा गांव पुरवारी पट्टी निवासी पवन कुमार उर्फ बबुआ के तौर पर हुई है।

छापेमारी कर पुलिस ने पकड़ा: एसपी राज ने बताया कि सिकरहटा पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि चंदा गांव में टावर के पास एक व्यक्ति मादक पदार्थों की खरीद-बिक्री में संलिप्त है। मामले की गंभीरता को देखते हुए थानाध्यक्ष सनोज कुमार के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बताए गए स्थान पर छापेमारी की, जहां से आरोपी को रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया गया। एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पूछताछ के दौरान आरोपी ने स्वीकार किया कि वह पिछले करीब चार महीनों से हेरोइन की तस्करी कर रहा था। उसने यह भी बताया कि बाहर से हेरोइन लाकर गांव में टावर के पास छिपाकर रखता था और वहीं से सप्लाई करता था। फिलहाल पुलिस आरोपी से गहन पूछताछ कर रही है और उसके नेटवर्क की जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि हेरोइन कहां से लाई जा रही थी और किन-किन लोगों को इसकी सप्लाई की जा रही थी

157 माध्यमिक व उच्च माध्यमिक स्कूलों में खुलेंगे सखी सहायता डेस्क

निज संवाददाता। बक्सर

जिले के छात्राओं के लिए अच्छी खबर है। किशोरावस्था में होने वाले बदलावों और स्वास्थ्य समस्याओं के समाधान के लिए अब छात्राओं को भटकना नहीं पड़ेगा। किशोरावस्था में होने वाले बदलाव व स्वास्थ्य समस्याओं का विद्यालय स्तर पर समाधान की पहल तेज कर दी गई है। इसको लेकर सखी सहायता डेस्क बनाया जाएगा। राज्य परियोजना निदेशक ने सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों को पत्र भेजकर 15 जनवरी तक हर हाल में डेस्क संचालित करने का निर्देश दिया है। वहीं दिए गए पत्र के आलोक में जिले के चयनित विद्यालयों में तैयारी शुरू कर दी गई है। शिक्षा विभाग ने इसके लिए जिले को इसके लिए राशि भी आवंटित की है। इस डेस्क के माध्यम से छात्राओं की स्वास्थ्य समस्याओं की सुनवाई विद्यालय स्तर पर होगी और छात्राओं में खून की कमी का इलाज भी विद्यालय स्तर पर किया जाएगा। चयनित विद्यालयों में तैयारी शुरू कर दी गई है। योजना के तहत विद्यालयों में एक विशेष कोना या कमरा तैयार किया जाएगा, जिसे प्रेरक पेंटिंग से सजाया जाएगा। वहां छात्राओं के बैठने और परामर्श के लिए टेबल, कुर्सी, अलमारी और फाइल कैबिनेट की व्यवस्था होगी। इसके लिए प्रति स्कूल 5 हजार रुपये खर्च करने का प्रावधान किया गया है। जिले के 157 विद्यालयों का हुआ चयन सभी 11 प्रखंडों के 157 उच्च माध्यमिक विद्यालयों का चयन किया गया है। बक्सर जिले के 157 चयनित माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालयों में सखी सहायता डेस्क की स्थापना की जाएगी। इस डेस्क के माध्यम से न केवल छात्राओं की समस्याओं की सुनवाई होगी, बल्कि एनीमिया (खून की कमी) जैसी स्वास्थ्य समस्याओं का इलाज भी स्कूल स्तर पर सुनिश्चित किया जाएगा।

डीएम ने जनता दरबार में 42 की समस्याएं सुनीं, त्वरित निष्पादन का दिया निर्देश

निज संवाददाता। आरा

जिलाधिकारी कार्यालय में शुक्रवार को जिला जनता दरबार लगाया गया, जिसमें आम लोगों की समस्याओं को प्राथमिकता के साथ सुना गया। जनता दरबार की अध्यक्षता जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया ने की। इस दौरान कुल 42 आवेदकों ने अपनी-अपनी समस्याएं जिलाधिकारी के समक्ष रखीं। जनता दरबार में भूमि विवाद, राजस्व, पेंशन, आवास, सामाजिक सुरक्षा समेत विभिन्न विभागों से जुड़े मामलों पर लोगों ने आवेदन दिया। जिलाधिकारी ने सभी मामलों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि प्राप्त आवेदनों का शीघ्र, पारदर्शी एवं समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि जनता दरबार का उद्देश्य आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान करना है। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आवेदकों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें और उनकी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाए।

भोजपुर में कन्या आवासीय +2 विद्यालय में नामांकन का सुनहरा मौका

निज संवाददाता। भोजपुर

♦ शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए 78 सीटों पर होगा दाखिला, पिछड़ा व अति पिछड़ा वर्ग की छात्राओं को निःशुल्क शिक्षा, आवास व भोजन

पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, बिहार सरकार ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए राज्यभर में संचालित 39 अन्य पिछड़ा वर्ग कन्या आवासीय +2 उच्च विद्यालयों में नामांकन प्रक्रिया शुरू करने की घोषणा कर दी है। इन विद्यालयों का उद्देश्य पिछड़ा और अति पिछड़ा वर्ग की छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ सुरक्षित आवासीय सुविधा उपलब्ध कराना है, ताकि वे बिना किसी आर्थिक बाधा के आगे बढ़ सकें। इसी कड़ी में भोजपुर जिले के मोकर (सासाराम) में संचालित अन्य पिछड़ा वर्ग कन्या आवासीय +2 उच्च विद्यालय में कक्षा 6 से 9 तक कुल 78 रिक्त सीटों पर नामांकन किया जाएगा। सीटों का वर्गवार विवरण इस प्रकार है—कक्षा 6 में 40 सीटें, कक्षा 7 में 24 सीटें, कक्षा 8 में 5 सीटें तथा कक्षा 9 में 9 सीटें निर्धारित की गई हैं। इच्छुक एवं पात्र छात्राएं समय रहते आवेदन कर इस अवसर का लाभ उठा सकती हैं।

नामांकन से जुड़ी प्रमुख तिथियां: शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 10 जनवरी 2026 से 9 फरवरी 2026 तक चलेगी। आवेदन करने वाली छात्राएं 15 फरवरी से 22 फरवरी 2026 के बीच अपना प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकेंगी। प्रवेश परीक्षा 1 मार्च 2026 (रविवार) को आयोजित की जाएगी, जबकि परीक्षा का परिणाम 13 मार्च 2026 को प्रकाशित किया जाएगा। चयनित छात्राओं का नामांकन 16 मार्च से 23 मार्च 2026 तक कराया जाएगा और नई कक्षाओं की विधिवत शुरुआत 1 अप्रैल 2026 से होगी। नामांकन प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन रखी गई है। अभ्यर्थी bcebc.online.bihar.gov.in पोर्टल पर जाकर आवेदन कर सकती हैं। आवेदन के दौरान अंचल कार्यालय द्वारा निर्गत जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, आवासीय प्रमाण पत्र, पासपोर्ट साइज फोटो तथा हस्ताक्षर अपलोड करना अनिवार्य होगा।

ऑनलाइन आवेदन में किसी प्रकार की परेशानी होने पर छात्राएं जिला पिछड़ा एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण कार्यालय से संपर्क कर आवश्यक सहायता प्राप्त कर सकती हैं। प्रवेश परीक्षा वस्तुनिष्ठ प्रश्नों पर आधारित होगी। परीक्षा कुल 100 अंकों की होगी और इसके लिए 2 घंटे का समय निर्धारित किया गया है। परीक्षा के आधार पर मेरिट सूची तैयार कर छात्राओं का चयन किया जाएगा।

नवोदय विद्यालय की तर्ज पर मिलेगी सुविधा: जिला पिछड़ा एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण पदाधिकारी ने बताया कि कन्या आवासीय विद्यालय में नवोदय विद्यालय की तर्ज पर शैक्षणिक व्यवस्था उपलब्ध कराई जाती है। यहां छात्राओं को निःशुल्क शिक्षा, आवास, भोजन, सुरक्षित हॉस्टल सुविधा के साथ अनुशासित और प्रेरक वातावरण दिया जाता है, जिससे उनका सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो सके। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपनी योग्य बेटियों का समय पर आवेदन कराएं, ताकि वे इस महत्वपूर्ण शैक्षणिक अवसर का लाभ उठा सकें।

प्रशासन की चेतावनी, 'अवैध आरटीओ ई चालान' एपीके से बचें

निज संवाददाता। बक्सर

♦ साइबर ठगी होने की आशंका, एपीके को ब्लॉक कराने की प्रक्रिया शुरू

बक्सर जिला प्रशासन ने आम नागरिकों को साइबर ठगी से बचाने के लिए एक महत्वपूर्ण चेतावनी जारी की है। प्रशासन के संज्ञान में आया है कि 'RTO e-Challan' नाम से एक अनधिकृत (unauthorised) APK फाइल सोशल मीडिया और अन्य डिजिटल माध्यमों से प्रसारित की जा रही है, जो लोगों को भ्रमित कर रही है। यह फर्जी APK नागरिकों को सरकारी चालान और परिवहन सेवाओं से जोड़ने का झांसा दे रहा है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि RTO e-Challan या किसी भी सरकारी सेवा के लिए कोई अधिकृत APK फाइल डाउनलोड या इंस्टॉल करने की व्यवस्था नहीं है।

APK पूरी तरह अवैध: परिवहन विभाग से संबंधित सभी वैधानिक चालान, सेवाएं और भुगतान केवल भारत सरकार और बिहार सरकार द्वारा अधिकृत आधिकारिक पोर्टल या मान्य मोबाइल ऐप के माध्यम से ही संचालित किए जाते हैं। किसी भी तीसरे पक्ष या अज्ञात स्रोत से प्राप्त APK पूरी तरह अवैध और जोखिमपूर्ण है। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि ऐसे फर्जी APK के जरिए मोबाइल फोन से निजी जानकारी, बैंकिंग डेटा चोरी होने के साथ-साथ साइबर ठगी और वित्तीय धोखाधड़ी की गंभीर आशंका है। ठग इन लिंक्स या ऐप्स के माध्यम से लोगों की व्यक्तिगत जानकारी हासिल कर उनके खातों से पैसे निकाल सकते हैं या मोबाइल को हैक कर सकते हैं।

APK को ब्लॉक कराने की प्रक्रिया शुरू: मामले की गंभीरता को देखते हुए, जिला प्रशासन ने साइबर थाना, बक्सर को विधिसम्मत कार्रवाई के लिए सूचित किया है। साथ ही, तकनीकी एजेंसियों की मदद से उक्त अनधिकृत APK के स्रोत की पहचान और उसे ब्लॉक कराने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। प्रशासन यह भी जांच कर रहा है कि यह फर्जी APK किन-किन माध्यमों से और कितने लोगों तक पहुंचा है। जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी अज्ञात लिंक, संदेश या अनधिकृत APK फाइल को डाउनलोड या इंस्टॉल न करें। सरकारी सेवाओं का लाभ उठाने के लिए केवल अधिकृत सरकारी वेबसाइट या प्रमाणित मोबाइल ऐप का ही उपयोग करें। किसी भी प्रकार का संदेह होने पर या संदिग्ध ऐप, लिंक अथवा संदेश मिलने की स्थिति में तुरंत नजदीकी थाना या साइबर सेल को इसकी सूचना दें। प्रशासन ने यह भी कहा है कि सतर्कता ही साइबर अपराध से बचाव का सबसे बड़ा उपाय है। नागरिक जागरूक रहेंगे तो इस तरह की ठगी पर प्रभावी रोक लगाई जा सकती है।

आईएमए की पूर्व सचिव डॉ. संगीता सिंह को मिला आईएमए राष्ट्रीय प्रशंसा पुरस्कार

निज संवाददाता। आरा

अहमदाबाद में 100वें अखिल भारतीय चिकित्सा सम्मेलन (आईएमए 100 नैटकोन) में बिहार गाइनेकोलॉजिस्ट डॉ. संगीता सिंह (पटना) को, वर्ष 2024–25 के दौरान उनके मेरिटोरियस प्रदर्शन के लिए आईएमए राष्ट्रीय प्रशंसा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। डॉ. संगीता सिंह भोजपुर आईएमए की पूर्व सचिव भी रह चुकी हैं, और लंबे समय से महिला स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में सक्रिय योगदान दे रही हैं। सम्मान समारोह में जय साह (आईसीसी अध्यक्ष) एवं शंकर चौधरी (विधानसभा अध्यक्ष) की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में आईएमए के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार नायक, पूर्व अध्यक्ष डॉ. दिलीप भाभुशाली, महासचिव डॉ. शर्बरी दत्ता, पूर्व आईएमए अध्यक्ष डॉ. अजय सहित देशभर के चिकित्सक उपस्थित थे। डॉ. संगीता सिंह ने कहा कि आईएमए राष्ट्रीय प्रशंसा पुरस्कार मिलना मेरे लिए अत्यंत सम्मान और गर्व की बात है। यह उपलब्धि मेरे गुरुजनों, सहयोगी चिकित्सकों और आईएमए परिवार के सहयोग का परिणाम है। इस उपलब्धि पर आईएमए बिहार के पूर्व नेशनल प्रेसिडेंट डॉ. सहजानंद, डॉ. हरिहर दीक्षित, बिहार सेक्रेटरी डॉ. संतोष कुमार सिंह, वाइस प्रेसिडेंट डॉ. सुनील कुमार, डॉ. रेखा झा, डॉ. राजीव रंजन सिंह (आईजीआईसी, पीएमसीएच) सहित कई गणमान्य चिकित्सकों ने हर्ष व्यक्त किया है।

संक्षिप्त समाचार

240 लीटर देसी शराब नष्ट, अवैध शराब कारोबारियों को सख्त संदेश

पटना। जिले के लहसुना थाना क्षेत्र में अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत को बड़ी कार्रवाई की गई। इस दौरान विभिन्न मामलों में जब्त की गई कुल 240 लीटर देसी शराब को विधिवत नष्ट किया गया। यह पूरी प्रक्रिया उत्पाद निरीक्षक की उपस्थिति में संपन्न कराई गई, ताकि नियमों का पालन और कार्रवाई की पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके। थाना स्तर पर मिली जानकारी के अनुसार नष्ट की गई शराब कांड संख्या 894/2025, 750/2025, 474/2025 और 693/2025 से संबंधित थी। इन सभी मामलों में शराब के अवैध निर्माण, भंडारण, परिवहन और बिक्री से जुड़े लोगों के खिलाफ पूर्व में कार्रवाई की जा चुकी है। अब न्यायालय एवं जिला प्रशासन के निर्देश के आलोक में जब्त शराब का विनष्टीकरण किया गया।

लगातार जारी है अभियानः लहसुना थाना प्रभारी खुशबु खातून ने बताया कि जिले में अवैध शराब के खिलाफ अभियान लगातार चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष भी इसी तरह बड़ी मात्रा में जब्त शराब को नष्ट किया गया था और आगे भी यह कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। थाना प्रभारी ने स्पष्ट किया कि शराबबंदी कानून के तहत किसी भी प्रकार की ढिलाई नहीं बरती जाएगी।

जिला मजिस्ट्रेट के आदेश का सख्ती से पालनः खुशबु खातून ने बताया कि जिला मजिस्ट्रेट के स्पष्ट आदेश हैं कि कहीं भी शराब बरामद होने की स्थिति में उसका विनष्टीकरण अनिवार्य रूप से किया जाए। इसी आदेश के तहत लहसुना थाना क्षेत्र में यह कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि पुलिस और उत्पाद विभाग आपसी समन्वय के साथ इस दिशा में काम कर रहे हैं।

पुनपुन के पिपरा थाना में सिटी एसपी ने लगाया जनता दरबार

मसौढ़ी। पुनपुन के पिपरा थाना में शुक्रवार को सिटी एसपी परिचय कुमार ने जनसंवाद कार्यक्रम के तहत जनता दरबार लगाया। एसपी ने आए लोगों की फरियादें सुनीं. इस दौरान आम लोगों,जनप्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने अपनी समस्याएं रखीं। मारपीट,धोखाधड़ी सहित फर्जी मुकदमे में फंसाने आदि के कई मामले आए.शहर में बढ़ते नशे और स्मैकिये के आतंक की शिकायत की गई। फरियादियों ने बताया कि कई इलाकों में नशेड़ियों का जमावड़ा लगातार बढ़ रहा है। इससे सामाजिक माहौल खराब हो रहा है। आम लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सिटी एसपी ने सभी शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए भरोसा दिलाया कि नशे के खिलाफ पुलिस के अभियान को और तेज किया जाएगा।वही सिटी एसपी परिचय कुमार ने बताया कि पिपरा थाना को अपना भवन नहीं है,बहुत जल्द ही नए भवन बनाए जाएंगे

मुरलीगंजः पंसस सदस्यों ने किया बैठक का बहिष्कार, भ्रष्टाचार के आरोप से गरमाया प्रखंड

मुरलीगंज (मधेपुरा)। प्रखंड मुख्यालय सभागार में शनिवार को आयोजित पंचायत समिति (पंसस) की बैठक हंगामे की भेंट चढ़ गई। प्रखंड प्रमुख और बीडीओ पर विकास योजनाओं में मनमानी और पारदर्शिता के अभाव का आरोप लगाते हुए अधिकांश सदस्यों ने बैठक का सामूहिक बहिष्कार कर दिया। कुल 17 सदस्यों द्वारा लिखित विरोध जताने के बाद प्रमुख अब्दुल जब्बार को बैठक स्थगित करने की घोषणा करनी पड़ी। सभागार के अंदर अधिकारी इंतजार करते रहे, जबकि नाराज सदस्य बाहर डटे रहे।

एक साल से नहीं हुई बैठक, योजनाओं में धांधली का आरोप : उपप्रमुख कुमारी गौरी यादव सहित अन्य सदस्यों ने बताया कि प्रखंड में करीब एक वर्ष से नियमित बैठक नहीं बुलाई गई। सदस्यों का आरोप है कि उनकी जानकारी के बिना 15वीं, 6वीं और 5वीं वित्त आयोग की योजनाओं को गुपचुप तरीके से क्रियान्वित किया जा रहा है। न तो योजनाओं की सूची साझा की जा रही है और न ही राशि के आवंटन का विवरण दिया जा रहा है। सदस्यों ने इसे सरकारी धन का दुरुपयोग और लोकतंत्र का मजाक बताया।

विशेष बैठक बुलाने पर अड़े सदस्य नाराज : पंचायत समिति सदस्यों ने बीडीओ को आवेदन देकर वर्ष 2021 से 2025 तक की सभी योजनाओं का व्यय विवरण सार्वजनिक करने की मांग की है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक पुरानी योजनाओं की पूरी जानकारी नहीं दी जाती और विशेष बैठक नहीं बुलाई जाती, तब तक वे किसी भी आधिकारिक चर्चा में शामिल नहीं होंगे।

77वें गणतंत्र दिवस को लेकर आज से 25 जनवरी तक गांधी मैदान आम लोगों के लिए रहेगा बंद

दर्शकों के लिए व्यापक सुविधा व्यवस्था

- प्रोटोकॉल के अनुसार बैठने की व्यवस्था
- पूरे क्षेत्र में विशेष सफाई अभियान
- वाटर टैंकर और वाटर एटीएम की व्यवस्था
- कई स्थानों पर मेडिकल कैंप, डॉक्टर, एंबुलेंस और स्ट्रेचर
- अग्निशमन की दो टीमें तैनात

निज संवाददाता। पटना

राजधानी पटना में 77वें गणतंत्र दिवस समारोह को भव्य, सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाने के लिए जिला प्रशासन ने कमर कस ली है। जिलाधिकारी डॉ. त्यागराजन एसएम ने वरीय प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के साथ गांधी मैदान का निरीक्षण कर तैयारियों की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्पष्ट कहा कि इस बार का गणतंत्र दिवस समारोह अनुशासन, सुरक्षा और उत्कृष्ट प्रबंधन का उदाहरण बनेगा। प्रशासन ने गांधी मैदान को चार जोन में विभाजित किया है। प्रत्येक जोन की जिम्मेदारी अपर जिला दंडाधिकारी और अपर पुलिस अधीक्षक स्तर के अधिकारियों को दी गई है। सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का निर्देश दिया गया है, ताकि किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो।

सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। पूरे गांधी मैदान और आसपास के क्षेत्रों में 128 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इसके साथ ही 18 वॉच टावर, अस्थायी थाना और कंट्रोल रूम भी स्थापित किए जाएंगे। निगरानी की पूरी व्यवस्था पटना स्मार्ट सिटी के इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से की जाएगी।

गणतंत्र दिवस परेड की रिहर्सल आज से शुरू होगी, जबकि 24 जनवरी को फाइनल रिहर्सल आयोजित की जाएगी। रिहर्सल के दौरान मेडिकल टीम, एंबुलेंस, पेयजल और शौचालय जैसी सभी आवश्यक सुविधाएं मौजूद रहेंगी। प्रशासन ने साफ कर दिया है कि आज से 25 जनवरी तक गांधी मैदान आम लोगों के लिए बंद रहेगा, जबकि 26 जनवरी को दर्शकों के लिए मैदान खोला जाएगा। गांधी मैदान और उसके आसपास 136 एलईडी मेटल लाइट, 229 पोल लाइट और 15 हाईमास्ट लाइट लगाई गई हैं। पूरे क्षेत्र को रात में भी पूरी तरह रोशन रखने के निर्देश दिए गए हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि कहीं भी अंधेरा या तकनीकी खामी नहीं होनी चाहिए।

झांकियां रहेंगी आकर्षण का केंद्रः इस बार भी विभिन्न विभागों की झांकियां गांधी मैदान में प्रदर्शित की जाएंगी। झांकियों की ऊंचाई 15 फीट से अधिक नहीं होगी। इसके साथ ही जिले के सभी महादलित टोलों में भी झंडोत्तोलन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जहां सबसे बुजुर्ग व्यक्ति द्वारा ध्वजारोहण किया जाएगा। जिलाधिकारी ने कहा कि उत्कृष्ट भीड़ प्रबंधन, सुदृढ़ कानून-व्यवस्था और सुचारू यातायात व्यवस्था प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी अधिकारी पूरी जिम्मेदारी और सतर्कता के साथ ड्यूटी निभाएं।गणतंत्र दिवस के दिन शहर में ट्रैफिक डायवर्जन और पार्किंग की अलग व्यवस्था लागू रहेगी। इसकी जानकारी प्रशासन द्वारा पहले ही सार्वजनिक की जाएगी।

अवैध कब्जों पर चला प्रशासन का बुलडोजर, स्टेशन रोड से हटाया गया वर्षों पुराना अतिक्रमण

निज संवाददाता। पटना

बिहार में नई सरकार के गठन के बाद राज्य भर में अवैध कब्जों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया गया है। इसी कड़ी में शनिवार को पटना जिले के खुसरूपुर नगर क्षेत्र में अतिक्रमण के खिलाफ बड़ा अभियान चलाया गया। स्टेशन रोड के पास वर्षों से जमे अवैध कब्जों को प्रशासन ने बुलडोजर चलाकर हटवा दिया। इस कार्रवाई से जहां कब्जाधारियों में हड़कंप मच गया, वहीं आम नागरिकों और यात्रियों ने राहत की सांस ली। शनिवार सुबह जैसे ही नगर प्रशासन की टीम बुलडोजर और भारी पुलिस बल के साथ स्टेशन रोड पहुंची, इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। देखते ही देखते सैकड़ों की संख्या में स्थानीय लोग मौके पर जमा हो गए। अभियान का नेतृत्व अंचल पदाधिकारी उत्तम राहुल, खुसरूपुर थाना अध्यक्ष संजीव कुमार सिंह और नगर कार्यपालक पदाधिकारी प्रमोद कुमार रजक संयुक्त रूप से कर रहे थे। किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था। प्रशासन की मौजूदगी के कारण पूरे अभियान के दौरान कानून-व्यवस्था बनी रही। बुलडोजर कार्रवाई के दौरान स्टेशन रोड पर किए गए कई पक्के और कच्चे अवैध निर्माणों को ध्वस्त कर दिया गया। वर्षों से अतिक्रमण के कारण संकरा हो चुका यह मार्ग अब पहले की तुलना में काफी चौड़ा और सुगम नजर आने लगा। प्रशासन का कहना है कि यह कार्रवाई केवल अस्थायी नहीं, बल्कि स्थायी समाधान के उद्देश्य से की गई है। नगर कार्यपालक पदाधिकारी प्रमोद कुमार रजक ने सख्त लहजे में कहा कि सार्वजनिक रास्तों और सरकारी भूमि पर किसी भी तरह का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि भविष्य में दोबारा कब्जा करने की कोशिश की गई, तो दोषियों पर भारी जुर्माना लगाया जाएगा और कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। खुसरूपुर रेलवे स्टेशन को जोड़ने वाला यह मुख्य मार्ग लंबे समय से अतिक्रमण की गिरफ्त में था। दुकानदारों और कुछ प्रभावशाली लोगों ने सड़क के बड़े हिस्से पर कब्जा कर रखा था, जिससे आए दिन जाम की स्थिति बनी रहती थी। स्टेशन आने-जाने वाले यात्रियों को भारी परेशानी झेलनी पड़ती थी।

रामजानकी मंदिर में भगवान भोलेनाथ का विशेष रुद्राभिषेक

निज संवाददाता। मसौढ़ी

नगर मुख्यालय के रामजानकी मंदिर में स्थित शिव मंदिर में शनिवार को भगवान शिव के रुद्राभिषेक का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्वान आचार्यों ने रुद्र पाठ और मंत्रोच्चारण के साथ पूजा-अर्चना की और भक्तों ने श्रद्धा भाव से भाग लिया। यजमान और अन्य श्रद्धालु रुद्र पाठ के मंत्रों का उच्चारण करते हुए फूल, बेलपत्र, दूध और विभिन्न पूजन सामग्री से भगवान भोलेनाथ का अभिषेक किया।

पुजारी ने बताया कि रुद्राभिषेक का प्रभाव केवल व्यक्ति की चेतना पर ही नहीं बल्कि वातावरण पर भी पड़ता है। यह पूजा न केवल व्यक्तिगत लाभ, बल्कि परिवार, समाज और राष्ट्र के लिए भी लाभकारी मानी जाती है। भाजपा के मसौढ़ी विधानसभा संयोजक एवं शिव भक्त संजय केशरी ने कहा कि भगवान शिव के रुद्र अवतार की आराधना से घर में दुख, दरिद्रता और गृह क्लेश दूर होते हैं तथा जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

कार्यक्रम के समाप्ति के पश्चात श्रद्धालुओं के लिए भंडारा का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों लोग शामिल हुए। भंडारे का आयोजन देर रात तक चला और उपस्थित लोगों ने इसे अत्यंत पुण्यकारी अनुभव बताया। इस मौके पर पटना जिला ग्रामीण अनुसूचित जाति उपाध्यक्ष राजेश कुमार उर्फ पिंटू रजक, आलोक कुमार, शंकर चंद्रवंशी, रंजन चंद्रवंशी, अजय शर्मा, नीरज शर्मा, राकेश कुमार, विजय यादव, संतोष ठाकुर, मदनपाल कुंदन, संतोष केसरी सहित कई स्थानीय गणमान्य लोग एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। भव्य आयोजन और रुद्राभिषेक के दौरान मंदिर परिसर में भक्तों का उत्साह देखते ही बन रहा था। सभी ने मिलकर भगवान शिव की आराधना की और पूजा-अर्चना के माध्यम से शांति, समृद्धि और सुख-समृद्धि की कामना की।

एलुमनी मीट का भव्य आयोजन, पूर्व छात्रों ने ताजा कीं मधुर स्मृतियाँ

निज संवाददाता। पटना

संत डोमिनिक सेवियोज हाई स्कूल में बुधवार को एलुमनी मीट का आयोजन हर्षोल्लास के वातावरण में किया गया। इस अवसर पर विभिन्न वर्षों के पूर्व छात्र-छात्राएं विद्यालय परिसर में एकत्रित हुए और अपने सुनहरे छात्र जीवन की यादों को साझा किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जिससे समारोह को औपचारिक रूप से प्रारंभ किया गया। विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती ग्लेंडा गॉल्स्टन ने अपने संबोधन में कहा कि पूर्व छात्र किसी भी शिक्षण संस्थान की सबसे बड़ी उपलब्धि होते हैं और उनकी सफलता ही विद्यालय की सच्ची पहचान है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों द्वारा प्राप्त की गई उपलब्धियां संस्था के संस्कारों और गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा का प्रमाण हैं। पूर्व छात्रों ने अपने अनुभव साझा करते हुए शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि विद्यालय से मिले संस्कार, अनुशासन और शिक्षा ही उनके जीवन की मजबूत नींव बने हैं। अपने पुराने दिनों को याद करते हुए कई पूर्व छात्र भावुक भी नजर आए और उन्होंने कक्षा जीवन से जुड़ी स्मृतियों को साझा किया। कार्यक्रम के दौरान पूर्व छात्रों ने विद्यालय के सभागार में अपने व्यावसायिक अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि शिक्षकों द्वारा दिए गए मार्गदर्शन और संस्कारों की बदौलत ही वे आज सफलता की ऊंचाइयों तक पहुंच पाए हैं। वहीं, ग्यारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने समारोह को और भी रंगारंग बना दिया। एलुमनी मीट ने पूर्व और वर्तमान छात्रों के बीच संवाद, सहयोग और प्रेरणा के सेतु को और अधिक मजबूत किया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। यह आयोजन सभी उपस्थित लोगों के लिए यादगार और प्रेरणादायक रहा।

सहरसा पब्लिक स्कूल के 46 गौरवशाली वर्षः चटाई से शुरू हुआ सफर बना मिसाल

निज संवाददाता। सहरसा

सफरः 1980 से अब तक

शुरुआतः 10 जनवरी 1980 को महज एक चटाई से।

लक्ष्यः सिर्फ किताबी ज्ञान नहीं, बच्चों का चारित्रिक विकास।

सफलताः 46 वर्षों में हजारों छात्र आज देश के उच्च पदों पर कार्यरत।

स्थानीय हटिया गाछी स्थित सहरसा पब्लिक स्कूल ने शनिवार को अपना 46वां स्थापना दिवस वार्षिक महोत्सव के रूप में मनाया। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए संस्थापक लक्ष्मेश्वर लाल दास भावुक नजर आए। उन्होंने 1980 के उन दिनों को याद किया जब बच्चों को चटाई पर बैठाकर पढ़ाने की व्यवस्था की गई थी। उन्होंने कहा कि आज यह संस्थान आधुनिक शिक्षा का केंद्र है, जिसका मुख्य उद्देश्य बच्चों का चारित्रिक विकास करना है। प्राचार्य अवनीश कुमार वर्मा ने कहा कि बच्चों के भविष्य के लिए शिक्षकों के साथ-साथ अभिभावकों को भी समय देना जरूरी है। समारोह में स्कूल के पुराने छात्रों की उपलब्धियों पर गर्व जताया गया और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया गया।

भारतीय रेल के 100 उत्कृष्ट अधिकारियों-कर्मचारियों को अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार, पूर्व मध्य रेलवे को सुरक्षा शील्ड

निज संवाददाता। हाजीपुर, पटना

भारतीय रेल के 100 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए 70वां अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार-2025 नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित भव्य समारोह में प्रदान किया गया। यह सम्मान माननीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव द्वारा प्रदान किया गया। इस समारोह में पूर्व मध्य रेलवे के 02 अधिकारियों एवं 06 कर्मचारियों को भी पुरस्कृत किया गया। इसके अतिरिक्त यात्रियों की सुरक्षा एवं अपराध रोकथाम में विशेष उपलब्धियों के लिए पूर्व मध्य रेलवे को इस वर्ष सुरक्षा शील्ड से सम्मानित किया गया। यह शील्ड रेल मंत्री से पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह एवं प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त श्री अमरेश कुमार ने ग्रहण की।

पूर्व मध्य रेलवे से सम्मानित अधिकारी एवं कर्मचारी मो. तौसिफ उल्लाह (मंडल ट्रैफिक मैनेजर/चोपन, धनबाद मंडल) मालगाड़ी लोडिंग बढ़ाकर राजस्व वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वर्ष 2023-24 में 188 मिलियन टन माल लदान के रिकॉर्ड में अहम भूमिका। मयंक प्रियदर्शी (सहायक सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर/निर्माण) रमना-सिंगरौली एवं कैरला रोड-शक्तिनगर दोहरीकरण परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा कराया। कई स्टेशनों में नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य कर परिचालन क्षमता में वृद्धि की। रवि रंजन (लोको पायलट, धनबाद मंडल) 06 अगस्त 2024 को सजगता दिखाते हुए संभावित हेड-ऑन कोलिजन टाल दिया और यात्रियों की जान बचाई। सुभाष कुमार पाठक (टेक्नीसियन ग्रेड-I, सिग्नल एवं दूरसंचार, धनबाद मंडल) सिग्नल विफलताओं में कमी लाते हुए करैला जंक्शन में 40 पॉइंट मशीन और 53 ट्रैक सर्किट का सफल रखरखाव किया। बैजू जैसवारा (ट्रेन मैनेजर, सोनपुर मंडल) 15 अगस्त 2024 को चलते ट्रेन से गिरते यात्री को तुरंत बचाते हुए चिकित्सा दिलाई और बड़ा हादसा टाला। मनीष कुमार (निरीक्षक, रेलवे सुरक्षा बल, मुजफ्फरपुर) मानव तस्करी व बाल सुरक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य। ऑपरेशन आहट के तहत 144 बच्चों को मुक्त कराया तथा ऑपरेशन नन्हें फरिश्ते में 302 बच्चों की सहायता की। प्रभांश कुमार प्रभाकर (ट्रैक मेंटेनर-II, समस्तीपुर मंडल) ब्रेक बाइडिंग के कारण धुआँ निकलती गुड्स ट्रेन को समय रहते रोककर संभावित दुर्घटना रोकने में सफलता। इकरामुल अंसारी (सीनियर सेक्शन इंजीनियर/सी एंड डब्ल्यू, गया मेमू शेड) गया मेमू शेड का निर्माण व कमीशनिंग कराया। कम संसाधनों में श्री-फेज मेमू रेक का मेंटेनेंस शुरू किया और शेड को आत्मनिर्भर बनाया। पूर्व मध्य रेलवे को सुरक्षा शील्ड

पूर्व मध्य रेलवे को यात्रियों की सुरक्षा, अपराध नियंत्रण, ट्रेनों में पेट्रोलिंग, तकनीकी सुधार तथा मानवीय सहायता अभियानों में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए सुरक्षा शील्ड से सम्मानित किया गया। यह उपलब्धि रेलवे के सुरक्षा तंत्र की मजबूती तथा कार्य संस्कृति का प्रमाण है। इस सम्मान से न केवल पूर्व मध्य रेलवे का मनोबल बढ़ा है, बल्कि रेल सेवाओं को और अधिक सुरक्षित, कुशल और आधुनिक बनाने की दिशा में प्रेरणा भी मिली है।

संक्षिप्त समाचार

रांची में 11 जनवरी को मनाई जाएगी दिशोम गुरु शिबू सोरेन की जयंती, कैलेंडर का होगा विमोचन

रांची। झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा, रांची जिला के तत्वावधान में दिशोम गुरु शिबू सोरेन की जयंती 11 जनवरी को पूरे सम्मान और श्रद्धा के साथ मनाई जाएगी। यह कार्यक्रम पूर्वाह्न 11:00 बजे से मोरहाबादी मैदान स्थित बापू वाटिका के समक्ष आयोजित किया जाएगा। इसकी जानकारी मोर्चा के रांची जिला अध्यक्ष सुबोध कुमार लकड़ा ने शनिवार को दी। सुबोध कुमार लकड़ा ने बताया कि जयंती समारोह के दौरान दिशोम गुरु शिबू सोरेन के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी। इसके साथ ही उन्हें समर्पित एक विशेष कैलेंडर का विमोचन भी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के दौरान राज्य सरकार से यह मांग की जाएगी कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन की जयंती को 'साहूकार महाजनी प्रथा विरोधी दिवस' के रूप में घोषित कर मनाया जाए, ताकि उनके सामाजिक संघर्ष और आदिवासी हितों के लिए किए गए योगदान को नई पीढ़ी तक पहुंचाया जा सके। सुबोध कुमार लकड़ा ने बताया कि इस अवसर पर मोर्चा के संस्थापक प्रधान सचिव पुष्कर महतो मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। वहीं, दक्षिणी छोटा नागपुर प्रमंडल की अध्यक्ष रोजलीन तिर्की और प्रभारी अनथन लकड़ा विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल होंगे। झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा ने सभी आंदोलनकारियों, समर्थकों और आम नागरिकों से कार्यक्रम में शामिल होकर दिशोम गुरु शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित करने की अपील की है।

69वीं राष्ट्रीय स्कूली तीरंदाजी प्रतियोगिता का समापन रविवार को, शिल्पी नेहा तिर्की होंगी मुख्य अतिथि

रांची। झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद, रांची की ओर से आयोजित 69वीं राष्ट्रीय स्कूली तीरंदाजी प्रतियोगिता (अंडर–17 बालक एवं बालिका वर्ग) का समापन समारोह रविवार को आयोजित किया जाएगा। यह जानकारी शनिवार को परिषद द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी गई। विज्ञप्ति में बताया गया है कि प्रतियोगिता के समापन समारोह की मुख्य अतिथि झारखंड सरकार की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की होंगी। उल्लेखनीय है कि 69वीं राष्ट्रीय स्कूली तीरंदाजी प्रतियोगिता (अंडर–17 बालक एवं बालिका वर्ग) का आयोजन 06 जनवरी से खेल गांव स्थित टिकैत उमराव शूटिंग स्टेडियम, रेंज–3 में किया जा रहा है। प्रतियोगिता में देशभर से आए खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिसमें झारखंड के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कई पदक अपने नाम किए हैं। समापन समारोह में विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया जाएगा।

जदयू ने दी डॉक्टर तमल देव को श्रद्धांजलि

पूर्वी सिंहभूम। जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय ने मर्सी अस्पताल से जुड़े वरीय फिजिशियन डॉ तमल देव के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उनके निर्देश पर शनिवार को जनता दल (यूनाइटेड) से जुड़े लोग मर्सी अस्पताल पहुंचे और स्वर्गीय देव के पार्थिव शरीर पर माल्यार्पण पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। सरयू राय ने अपने शोक संदेश में कहा कि डॉक्टर देव का निधन चिकित्सा जगत की अपूरणीय क्षति है। वह विनम्र स्वभाव के थे और उन्हें एक समर्पित चिकित्सक के रूप में हमेशा याद किया जाएगा। मर्सी अस्पताल में श्रद्धांजलि देने वालों में हरे राम सिंह,अशोक कुमार,मंजू सिंह,काकुली मुखर्जी,विजय राव, अभय सिंह,गौतम धर,रंजिता राय सहित अन्य मौजूद रहे।

आनन्द कुमार बने भाजपा के खूंटी जिलाध्यक्ष

खूंटी। आनन्द कुमार भाजपा खूंटी के नए जिलाध्यक्ष बनाए गए हैं। भाजपा के प्रदेश ये नीलकंठ सिंह मुंडा, पूर्व विधायक कोचे मुंडा, भाजपा नेता जेबी तुबिद, पूर्व विधायक नारायण दास सहित कई नेताओं और कार्यकर्ताओं ने माला पहना कर और अंगवस्त्र देकर उनका स्वागत किया। मौके पर भारी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

गीता बालमुचू बनीं भाजपा पश्चिमी सिंहभूम की जिला अध्यक्ष

पश्चिमी सिंहभूम। भारतीय जनता पार्टी पश्चिमी सिंहभूम जिला इकाई ने संगठनात्मक प्रक्रिया के तहत शनिवार को गीता बालमुचू को सर्वसम्मति से जिला अध्यक्ष नियुक्त किया है। उनके चयन को पार्टी संगठन ने महिला सशक्तिकरण, आदिवासी नेतृत्व को आगे बढ़ाने और जमीनी स्तर पर सक्रिय कार्यकर्ताओं को अवसर देने के रूप में देखा है। मानव–हाथी संघर्ष के कारण क्षेत्र में बने संवेदनशील हालात को देखते हुए जिला अध्यक्ष बनाए जाने के बाद आयोजित कार्यक्रम को पूरी तरह सादगीपूर्ण रखा गया। जिला अध्यक्ष बनने के बाद गीता बालमुचू ने कहा कि संगठन ने जो बड़ी जिम्मेदारी उन्हें सौंपी है, वह उसे पूरी निष्ठा, ईमानदारी और संवेदनशीलता के साथ निभाएंगी। उन्होंने कहा कि पश्चिमी सिंहभूम जैसे आदिवासी बहुल और चुनौतियों से भरे जिले में संगठन को मजबूत करना, कार्यकर्ताओं को साथ लेकर चलना और जनता के मुद्दों को प्राथमिकता देना उनकी पहली जिम्मेदारी होगी। उन्होंने भरोसा जताया कि पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के मार्गदर्शन और कार्यकर्ताओं के सहयोग से भाजपा जिले में और अधिक सशक्त रूप में आगे बढ़ेगी। गीता बालमुचू पूर्व में चाईबासा नगर परिषद की अध्यक्ष रह चुकी हैं और उनके कार्यकाल को विकास, पारदर्शिता और जनहित से जोड़कर देखा जाता है। संगठनात्मक कार्यों में उनके अनुभव और सक्रियता को ध्यान में रखते हुए पार्टी ने उन्हें यह अहम दायित्व सौंपा है। उनके जिला अध्यक्ष बनने पर पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा, पूर्व सांसद गीता कोड़ा, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष बड़कुंवर गागराई, पूर्व विधायक शशी सामड, पूर्व विधायक गुरुचरण नायक सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने बधाई और शुभकामनाएं दीं। पूर्व जिला अध्यक्ष संजय पांडे ने उन्हें फूल माला पहनाकर स्वागत किया और सफल कार्यकाल की कामना की। इस अवसर पर जिले भर से आए मंडल अध्यक्ष, नगर अध्यक्ष, जिला एवं नगर कमेटी के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे। महिलाओं की भागीदारी भी उल्लेखनीय रही। जिला अध्यक्ष बनने के बाद कार्यकर्ताओं ने भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया, हालांकि मानव–हाथी संघर्ष में हुई जनहानि को देखते हुए किसी भी तरह के उत्सवधर्मी आयोजन से परहेज किया गया।

सोमनाथ ज्योतिर्लिंग की पुनर्स्थापना के 1000 वर्ष पूर्ण, भाजपा ने देशभर में मनाया 'स्वाभिमान पर्व'

एजेंसी। रांची

देश के आध्यात्मिक स्वरूप के केंद्रबिंदु और धार्मिक ऊर्जा के प्रतीक विश्वविख्यात ज्योतिर्लिंग सोमनाथ की पुनर्स्थापना के 1000 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' पूरे देश में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस ऐतिहासिक अवसर पर झारखंड सहित विभिन्न राज्यों में भाजपा के जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं ने भगवान शिव की आराधना कर सनातन संस्कृति के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व के आह्वान पर झारखंड प्रदेश के सभी मंडलों और जिलों में विशेष धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। मंडल अध्यक्षों, जिला पदाधिकारियों, प्रदेश कार्यसमिति सदस्यों, प्रदेश एवं राष्ट्रीय पदाधिकारियों, सांसदों, पूर्व सांसदों, विधायकों, पूर्व विधायकों तथा अन्य जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं ने अपने-अपने नजदीकी शिवालयों में पहुंचकर भगवान शिव की आरती की, जलाभिषेक किया और मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि विदेशी आक्रांताओं ने भारत पर आक्रमण कर न केवल देश की अपार धन-संपदा को लूटा, बल्कि भारत के सांस्कृतिक, धार्मिक और सभ्यतागत मानबिंदुओं को नष्ट करने का भी प्रयास किया। उन्होंने कहा कि सनातन संस्कृति की जड़ें अत्यंत गहरी हैं, इसलिए इसे समाप्त करने का प्रयास करने वाले आक्रांता स्वयं इतिहास के गर्त में समा गए। मरांडी ने कहा कि आक्रांता मोहम्मद गजनी ने सोमनाथ मंदिर पर आक्रमण कर वहां से हीरे-जवाहरात, सोना-चांदी लूटी और अद्वितीय शिवलिंग पर भी आघात किया। यह हमला केवल एक मंदिर पर नहीं, बल्कि भारत की आत्मा और सांस्कृतिक चेतना पर था। इसके बावजूद भारत की सांस्कृतिक चेतना फिर से खड़ी हुई और आज सोमनाथ मंदिर की पुनर्स्थापना के 1000 वर्ष पूर्ण होना इस बात का प्रमाण है कि भारत अपनी सांस्कृतिक पहचान के साथ अडिग और अक्षुण्ण खड़ा है। प्रदेश भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष एवं सांसद आदित्य साहू ने इस अवसर पर अपने पैतृक गांव स्थित शिवालय में भगवान शिव का विधिवत जलाभिषेक किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि भगवान शिव सत्य हैं, सुंदर हैं, अटल हैं और अविनाशी हैं। साहू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत के सांस्कृतिक गौरव की पुनर्स्थापना हो रही है। अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण, काशी विश्वनाथ धाम का पुनर्विकास और महाकाल उज्जैन कॉरिडोर जैसे कार्य भारत की सनातन परंपरा और सांस्कृतिक चेतना को वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित कर रहे हैं। भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने रांची पहाड़ी स्थित प्रसिद्ध पहाड़ी बाबा मंदिर में भगवान शिव का जलाभिषेक, पूजन और आरती की। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि यह दिन ऐतिहासिक महत्व का है और इसे स्मरण रखना विशेष रूप से युवा पीढ़ी के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि युवाओं को अपनी सांस्कृतिक विरासत, परंपराओं और सनातन मूल्यों से परिचित कराना समय की आवश्यकता है, क्योंकि सनातन मानबिंदु ही भारत की पहचान और आत्मा हैं।

ट्रैक मेंटेनर यूनियन के प्रतिनिधिमंडल ने की डीआरएम से मुलाकात

एजेंसी। पश्चिमी सिंहभूम

पश्चिमी सिंहभूम जिले के चक्रधरपुर में शनिवार को दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर रेल मंडल कार्यालय में ऑल इंडिया रेलवे ट्रैक मेंटेनर यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष चांद मोहम्मद के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने मंडल रेल प्रबंधक तरुण और सहायक मंडल रेल प्रबंधक विनय कुजूर से शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल ने नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए अधिकारियों को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। मुलाकात के दौरान प्रतिनिधिमंडल और रेल प्रशासन के बीच सौहार्दपूर्ण वातावरण में रेल कर्मचारियों, विशेष रूप से ट्रैक मेंटेनरों से जुड़े महत्वपूर्ण एवं ज्वलंत मुद्दों पर सकारात्मक चर्चा हुई। प्रतिनिधिमंडल ने कर्मचारियों की कार्य परिस्थितियों, सुरक्षा, सुविधाओं तथा उनके अधिकारों से संबंधित विषयों को प्रमुखता से उठाया। यूनियन की ओर से यह भी बताया गया कि ऑल इंडिया रेलवे ट्रैक मेंटेनर यूनियन रेल कर्मियों के हितों की रक्षा, उनकी सुविधाओं के विस्तार और अधिकारों की मजबूती के लिए सदैव संघर्षरत और प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर मंडल समन्वयक धनंजय सिंह, चाईबासा शाखा के सचिव लालू कुजूर, दक्षिण पूर्व रेलवे जोन के महासचिव सियाराम कुमार, अर्बन बैंक के निदेशक निर्मल कुमार जाना, सागर कुंकल सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम आपसी सहयोग और सकारात्मक संवाद के साथ संपन्न हुआ।

झारखंड में रविवार से ठंड में राहत के आसार

एजेंसी। रांची

झारखंड के लोगों को कड़ाके की ठंड से जल्द राहत मिल सकती है। मौसम विभाग ने शनिवार को जानकारी दी कि रविवार से राज्य के अधिकांश जिलों में शीतलहर में कमी आने की संभावना है। इसके चलते न्यूनतम तापमान में 02 से 03 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी दर्ज की जा सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, ठंड में कमी के संकेत हैं, लेकिन राज्य के मध्यवर्ती जिलों रांची, खूंटी, रामगढ़, हजारीबाग, गुमला, बोकारो, लोहरदगा, कोडरमा और धनबाद के कुछ इलाकों में रविवार को शीतलहर चलने की संभावना बनी रहेगी। इसे देखते हुए इन जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। बीते 24 घंटों की बात करें, तो इस दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान 26.8 डिग्री सेल्सियस चाईबासा में दर्ज किया गया, जबकि सबसे कम तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस खूंटी में रिकॉर्ड किया गया। राजधानी रांची और आसपास के इलाकों में शनिवार को सुबह से ही शीतलहर चलने के कारण कनकनी बढ़ गई। हालांकि, दिन में शीतलहर के थमते ही धूप की तपिश महसूस की गई, जिससे लोगों को थोड़ी राहत मिली। आज रांची में अधिकतम तापमान 20.4 डिग्री और न्यूनतम तापमान 6.4 डिग्री, जमशेदपुर में 24 डिग्री और न्यूनतम 8 डिग्री, डाल्टनगंज में 24.2 और 3.5 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 21.1 डिग्री और न्यूनतम तापमान 6.1 डिग्री, जबकि चाईबासा में अधिकतम तापमान 26.8 और न्यूनतम तापमान 6.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

एटीएम में फेवीक्विक लगाकर ठगी करने वाले गिरोह का एक आरोपित गिरफ्तार

एजेंसी। पश्चिमी सिंहभूम

पुलिस ने एटीएम के जरिए की जा रही ठगी की एक संगठित वारदात का खुलासा करते हुए बिहार से एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। सदर थाना क्षेत्र के जैन मार्केट स्थित केनरा बैंक एटीएम से जुड़े इस मामले का खुलासा शनिवार को अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर बहामन टूटी ने अपने कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में किया। इस दौरान सदर थाना प्रभारी सह डीएसपी तरुण कुमार और सब इंस्पेक्टर सुनील चौधरी भी मौजूद थे। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बहामन टूटी ने बताया कि गत 14 दिसंबर को मुकु बारी जैन मार्केट स्थित केनरा बैंक के एटीएम से पैसे निकालने पहुंचे थे। इसी दौरान अज्ञात युवकों ने एटीएम मशीन में फेवीक्विक लगाकर उनका कार्ड मशीन में फंसा दिया। बाद में मदद का झांसा देकर कार्ड चोरी कर लिया गया और धोखाधड़ी करते हुए कुल 1 लाख 54 हजार 390 रुपये की अवैध निकासी कर ली गई।

पीड़ित की शिकायत पर सदर थाना में (कांड संख्या 107/25) विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर के नेतृत्व में विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। तकनीकी शाखा के सहयोग से सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण करने के बाद पुलिस ने इस कांड में संलिप्त एक आरोपित प्रिंस कुमार को बिहार से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपित की पहचान 26 वर्षीय प्रिंस कुमार के रूप में हुई। आरोपित की पहचान नवादा (बिहार) के रूप में हुई है, जो वर्तमान में शिक्षक कॉलोनी वजीरगंज का रह रहा था। पूछताछ के दौरान आरोपी ने स्वीकार किया कि वह अपने एक साथी के साथ मिलकर एटीएम मशीन में फेविक्विक लगाकर कार्ड फंसाता था और बाद में पेचकस की मदद से कार्ड निकाल लेता था। इसके बाद एटीएम हेल्पलाइन नंबर का झांसा देकर पीड़ित से आरोपित हासिल किया जाता और दूसरे एटीएम से पैसे निकाल लिए जाते थे। आरोपित ने यह भी कबूल किया कि वह बिहार से आकर झारखंड के विभिन्न इलाकों में इसी तरह की एटीएम ठगी की घटनाओं को अंजाम देता रहा है। पुलिस ने आरोपित के पास से एक आसमानी रंग का सैमसंग गैलेक्सी ए 16 मोबाइल फोन और सिल्वर स्लेटी रंग का किलर कंपनी का एक्सएल साइज जैकेट बरामद किया है, जिसे एटीएम से निकाले गए पैसों से खरीदे जाने की बात सामने आई है। पुलिस के अनुसार आरोपी का आपराधिक इतिहास भी रहा है और वह पूर्व में अवैध शराब के कारोबार के मामले में गोविंदपुर थाना, नवादा (बिहार) से जेल जा चुका है। गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है, जबकि इस घटना में शामिल दूसरे आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस द्वारा लगातार छापेमारी की जा रही है। इस कार्रवाई में पुअनि सुनील कुमार चौधरी, पुअनि चंद्रशेखर, पुअनि धनंजय सिंह, पुअनि अभय कुमार (तकनीकी शाखा) सहित सदर थाना के अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार युवक की मौत

एजेंसी। पूर्वी सिंहभूम

पूर्वी सिंहभूम जिले के बोड़ाम थाना क्षेत्र अंतर्गत पगदा गांव के समीप शुक्रवार देर रात टाटा–पटमदा मुख्य सड़क पर एक सड़क हादसे में पल्सर बाइक सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों के अनुसार यह दुर्घटना किसी अज्ञात भारी वाहन की टक्कर से हुई है। बताया जा रहा है कि मृतक बाइक चालक के सिर पर हेलमेट लगा हुआ था, इसके बावजूद उसके सिर में गंभीर चोट आई और घटनास्थल पर काफी मात्रा में खून फैल गया था। दुर्घटना के बाद बाइक और युवक सड़क किनारे एक नाले में जा गिरे। शनिवार सुबह स्थानीय लोगों की नजर सड़क किनारे क्षतिग्रस्त बाइक और युवक के शव पर पड़ी, जिसके बाद तुरंत इसकी सूचना बोड़ाम थाना को दी गई। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी मनोरंजन कुमार ने हलूदबनी ओपी के पुलिसकर्मियों को मौके पर भेजा। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए एमजीएम मेडिकल कॉलेज भेज दिया। पुलिस के अनुसार बाइक का नंबर (जेएच 05 बीबी-2198) है। वाहन के कागजात के आधार पर बाइक मालिक का नाम संजय कुमार महतो बताया जा रहा है, जिनका पता बालीगुमा, एमजीएम मानगो थाना क्षेत्र का है। हालांकि मृतक की पहचान समाचार लिखे जाने तक नहीं हो सकी थी। थाना प्रभारी ने बताया कि हेलमेट पहनने के बावजूद सिर में गंभीर चोट लगना और मौके पर ही मौत होना इस बात की ओर इशारा करता है कि बाइक को किसी भारी वाहन ने जोरदार टक्कर मारी होगी। फिलहाल पुलिस घटनास्थल पर मौजूद साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच कर रही है और मृतक की पहचान के प्रयास जारी हैं।

कार्यालय, जिला दण्डाधिकारी–सह–उपायुक्त, गढ़वा
(जिला पंचायत शाखा)
email –dprogarhwa@yahoo.com/dprogarhwa84@gmail.com

नगरपालिका (आम) निर्वाचन 2026 अल्पकालीननिविदा विज्ञप्ति

नगरपालिका (आम)निर्वाचन 2026 के अवसर पर आवश्यक सामग्रियों का क्रय एवं भाड़े पर आपूर्ति प्राप्त करने हेतु विभिन्न कोटि के सामग्रियों का दर निर्धारण हेतु निम्नवत् मुहरबन्द निविदा आमंत्रित की गई है:–

1. निविदा सं0 01 / 2026 : मतदान सामग्रियों का क्रय हेतु
2. निविदा सं0 02 / 2026 : प्रपत्र / पंजी / बुकलेट का मुद्रण एवं आपूर्ति
3. निविदा सं0 03 / 2026 : लेखन सामग्री / स्टेशनरी एवं कम्प्यूटर सामग्री तथा विविध सामग्री कय
4. निविदा सं0 04 / 2026 : टेन्ट / शामियाना आदि सामग्रियों की भाड़े पर आपूर्ति
5. निविदा सं0 05 / 2026 : नास्ता / भोजन आदि की आपूर्ति
6. निविदा सं0 06 / 2026 : विडियोग्राफी / सी0सी0टी0भी0 / वेबकास्टिंग कार्य हेतु
7. निविदा सं0 07 / 2026 : मतदाता सूची का डिजिटल जेरौक्सिंग

उपरोक्त विवरण के निविदाओं की प्राप्ति हेतु **दिनांक 28.01.2026 को 01:00 बजे**अपराहन तक इच्छुक आपूर्तिकर्त्ता जिला पंचायत राज कार्यालय में विहित शर्तों के अधीन अपना मुहरबन्द निविदा जमा कर सकते है।

निर्धारित समय तक प्राप्त सभी निविदाएँ **दिनांक 28.01.2026 को 03:00 बजे अपराहन में** निविदावार जिला स्तरीय क्रय समिति के समक्ष खोली जायेगी। निविदा से संबंधित शर्त एवं विस्तृत जानकारी, सामग्रियों की सूची का अवलोकन गढ़वा जिला के वेबसाईट http//garhwa.nic.in पर कर सकते हैं अथवा जिला पंचायत राज कार्यालय, गढ़वा से प्राप्त कर सकते हैं।

ह0 / –
जिला दण्डाधिकारी,
–सह– उपायुक्त, गढ़वा

PR 370580 Garhwa(25-26)#D

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
BUILDING CONSTRUCTION DEPARTMENT
BUILDING DIVISION, DALTONGANJ.

SHORT NOTICE INVITING TENDER

Tender Ref. No.-25/E.E.,BCD/Building Div. Daltonganj/2025-26

1. Name of Department :- Building Construction Department
2. Name of Advertiser :- Executive Engineer, B.C.D, Building Division, Daltonganj.
3. Date of time of Sale of BOQ :- 24.01.2026 from 10:00 am to 1:00 pm
4. Date and time of Receiving sealed tenders :- 27.01.2026 from 1:00 to 3:00 pm
5. Date and time of Opening of Sealed tenders :- 27.01.2026 From 3:30 pm
6. Place of Sale of BOQ :- 1. In the Office of Executive Engineer, B.C.D, Building Division, Daltonganj. 2. In the Office of Superintendent Engineer, B.C.D Circle - No.-02, Ranchi.
7. Place of Opening and Receiving Tender :- As per Place mention in serial No.- 6 (1)
8. Details of Work :-

Sl. No.	Name of Work	Estimated Cost	Amount of Earnest Money	Cost of Tender Paper	Time Completion of Work
1.	Renovation of Quarter F1 at Judge Colony, Daltonganj, Palamu.	939700.00	20000.00	1250.00	02 Months
2.	Renovation of Quarter F2 at Judge Colony, Daltonganj, Palamu.	698000.00	14000.00	1250.00	01 Months
3.	Renovation of Judge Colony E2 Quarter, Daltonganj, Palamu.	1910300.00	38500.00	5000.00	02 Months
4.	Renovation of Quarter A-03 and Construction of GCI Shed, Platform in Backyard, Septic Tank at Judicial Colony, Palamu at Daltonganj.	1372800.00	28000.00	2500.00	02 Months
5.	Renovation of Quarter A1 at Judge Colony, Daltonganj, Palamu.	1061900.00	22000.00	2500.00	02 Months
6.	Renovation of Quarter B2,B3,B4 at Judge Colony, Daltonganj, Palamu.	740400.00	16000.00	1250.00	01 Months
7.	Renovation of the Quarter E-01 (Family Judge Quarter) in Judicial Colony at Daltonganj, Palamu.	618720.00	13000.00	1250.00	01 Months
8.	Renovation of Hnourable Principle District Judge, Palamu Court Room, Civil Court, Palamu, Daltonganj.	2004555.00	41000.00	5000.00	03 Months
9.	Renovation of the E Type Quarter No.-IC/ET/04 at Irrigation Colony, Daltonganj, Palamu.	1219200.00	26000.00	2500.00	02 Months
10.	Renovation of Settlement Office, Daltonganj, Palamu.	2447700.00	50000.00	5000.00	03 Months

निविदा में परिमाण विपत्र कय हेतु निम्नांकित शर्तें का पालन करना अनिवार्य होगा।

- परिमाण विपत्र कय हेतु सत्यापित निबंधन पत्र, पैन कार्ड, विगत तीन साल का आयकर रिटर्न, GST में निबंधन प्रमाण पत्र एवं फार्म अधतन 3B एवं 1 R, अद्यतन चरित्र प्रमाण पत्र (उपायुक्त द्वारा निर्गत हो) की छायाप्रति इत्यादि स्वअभिप्रमाणित प्रति संलग्न करना आवश्यक होगा।
- परिमाण विपत्र के लिए जमा किया जाने वाला डिमान्ड ड्राफ्ट भारतीय स्टेट बैंक के शाखा जो कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमण्डल, डालटनगंज के नाम से भुगतेय होगा, जो निविदा सूचनापरांत तिथि से निर्गत ही मान्य होगा।
- यदि निबंधित संवेदक के प्राधिकृत व्यक्ति द्वारा परिमाण विपत्र क्रय की जाती है तो इस आशय का शपथ पत्र मूल में संलग्न करना आवश्यक होगा।
- किसी अपरिहार्य कारण से निविदा रद्द या स्थगित की जाती है तो परिमाण विपत्र की राशि (डिमान्ड ड्राफ्ट) के रूप में वापस नहीं की जायेगी।
- निविदा से संबंधित अन्य सूचनाओं एवं NIT के अन्य शर्तों के लिए भवन प्रमण्डल, डालटनगंज के सूचना पट्ट को देखा जा सकता है या कार्यालय अवधि में कार्यालय से सम्पर्क किया जा सकता है तथा परिमाण विपत्र में संलग्न नियम एवं शर्तों का अनुपालन करना अनिवार्य होगा।

Executive Engineer,
Building Division, Daltonganj.

PR 370511 District(25-26).D

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

पलवल में अवैध शराब पकड़ने गई पुलिस टीम पर चाकू और डंडों से हमला

पलवल, एजेंसी। पलवल के मुंडकटी थाना क्षेत्र में शुक्रवार शाम को अवैध शराब पकड़ने गई पुलिस टीम पर हमला किया गया। दुकानदार और उसके परिजनों ने पुलिसकर्मियों पर चाकू और डंडों से हमला कर एक सिपाही की वर्दी फाड़ दी। पुलिस ने इस मामले में तीन महिलाओं सहित पांच नामजद और 10 अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। मुंडकटी थाना प्रभारी तेजपाल ने बताया कि थाने के पीएसआई रोहित गश्त पर थे। उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि सौंध गांव में राजू अपनी परचून की दुकान पर अवैध रूप से शराब बेचता है। सूचना मिलते ही पुलिस ने एक टीम का गठन किया और तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस टीम के दुकान पर पहुंचते ही दुकानदार राजू ने पुलिसकर्मियों को गालियां देना शुरू कर दिया। उसने शोर मचाकर अपने परिवार के सदस्यों को भी बुला लिया। मौके पर राजू का भाई भगत, भगत की पत्नी कविता, राजू की पत्नी सविता और हेमन नामक महिला के साथ 10 अन्य व्यक्ति लाठी-डंडे लेकर आ गए। इन सभी ने मिलकर पुलिस टीम पर हमला कर दिया। इसी दौरान राजू ने अपनी जेब से बटनदार चाकू निकालकर सिपाही अमन पर हमला कर दिया। सिपाही अमन ने किसी तरह अपनी जान बचाई, लेकिन झगड़े के दौरान आरोपियों ने उसकी वर्दी फाड़ दी। हमले के बाद पुलिस टीम मौके से वापस लौट गई। टीम इंचार्ज पीएसआई रोहित की लिखित शिकायत पर मुंडकटी थाना पुलिस ने सौंध गांव निवासी राजू, भगत, कविता, सविता, हेमन और 10 अन्य के खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा डालने, लाठी-डंडों व चाकू से जानलेवा हमला करने सहित विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों की तलाश जारी है और उन्हें जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

गुरुग्राम में 3 सड़कें होंगी चौड़ी, इन रास्तों पर जाम से मिलेगी राहत

गुरुग्राम, एजेंसी। गुरुग्राम में लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की ओर से लोगों को

सड़कों पर गड्ढे और जाम से राहत दिलाने के लिए शहर की तीन सड़कों की मरम्मत करने के साथ ही इनकी चौड़ाई बढ़ाई जाएगी। साढ़े तीन करोड़ रुपये की लागत से 12 किलोमीटर लंबी तीन सड़कों की मरम्मत की जाएगी। इसका ठेका जारी कर काम शुरू कर दिया गया है, जो एक साल में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। सड़कों के गड्ढे भरने के साथ इन्हें चौड़ा किया जाएगा, जिससे कि लोगों को जाम से राहत मिल सके। पीडब्ल्यूडी के अनुसार 4.70 किलोमीटर गुरुग्राम-अलवर मार्ग से सोहना होते हुए दौला तक सड़क, 2.79 किलोमीटर सोहना से संपकी-नांगली तक नए सिरे सड़क सुधार होगा। इसके अलावा चार किलोमीटर तक गढ़ी बाजिदपुर से स्कूल तक जाने वाली सड़क निर्माण होगा। इस पर साढ़े तीन करोड़ रुपये खर्च किया जाएगा। मॉनसून से खराब हुई सड़कों की मरम्मत करना और गड्ढे भरना, यातायात की भीड़ को कम करना। सड़कों का चौड़ीकरण कर आवागमन को सुगम बनाना है। इन सड़कों का मरम्मत और निर्माण कार्य तेजी से शुरू होगा। इन सड़कों पर गड्ढे होने के साथ लोग परेशानी झेल रहे हैं। स्थानीय निवासियो ने कहा कि विभाग की ओर से अनदेखी के कारण सड़कों पर गड्ढे होने से हादसे हो रहे हैं। इस कारण वायु प्रदूषण भी बढ़ रहा है। प्रदूषण होने से भी लोगों को परेशानी रहती है।

ममता बनर्जी संविधान पर नियंत्रण चाहती हैं, उन्हें गिरफ्तार किया जाना चाहिए: उपमुख्यमंत्री

शर्मा ने कहा कि वह संविधान पर नियंत्रण चाहती हैं

रायपुर, एजेंसी।
छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को गिरफ्तार करने की मांग की है। शर्मा ने कहा कि वह संविधान पर नियंत्रण चाहती हैं। वह सभी संवैधानिक संस्थाओं से ऊपर होना चाहती हैं। उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया जाना चाहिए।

छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की निंदा की। कहा कि उन्होंने कथित तौर पर राजनीतिक परामर्श फर्म आई-पीएसी के कार्यालयों में ईडी के सर्च ऑपरेशन में बाधा डाली। उन्होंने ममता बनर्जी के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज करने और आधिकारिक जांच में बाधा डालने के आरोप में गिरफ्तार करने की मांग की।

मीडिया से बात करते हुए विजय शर्मा ने कहा कि ममता बनर्जी संविधान पर नियंत्रण चाहती हैं। वह सभी संवैधानिक संस्थाओं से ऊपर होना चाहती हैं। यह बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है। संविधान सर्वोपरि है। राष्ट्र की आस्था सर्वोपरि है। भले ही एक नहीं बल्कि सौ ममता बनर्जी हों, संस्थाओं का कामकाज नहीं रुकेगा। उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज होनी चाहिए और उन्हें गिरफ्तार किया जाना चाहिए।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने आगे कहा कि चल रही जांच को रोकने की एक प्रक्रिया होती है और आपत्तियां उठाने का एक विशिष्ट तरीका होता है। उन्होंने पश्चिम बंगाल के

मुख्यमंत्री द्वारा जांच में कथित रूप से बाधा डालने के तरीके पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि जांच को रोकने की एक प्रक्रिया है। आपत्तियां उठाने का एक तरीका है। लेकिन, क्या आप चल रही आधिकारिक जांच के दौरान इस तरह की बाधा उत्पन्न करेंगे।

गुरुवार को पश्चिम बंगाल में उस समय जबरदस्त राजनीतिक घटनाक्रम देखने को मिला जब मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राजनीतिक परामर्श फर्म आई-पीएसी के कार्यालयों का दौरा किया। यह सब तब हुआ जब ईडी कोयला तस्करी मामले के सिलसिले में सर्च ऑपरेशन चला रहा था।ईडी की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि केंद्रीय एजेंसी ने पार्टी से संबंधित सामग्री जब्त कर ली हैं। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। पत्रकारों से बात करते हुए ममता ने कहा कि क्या पार्टी की हार्ड डिस्क और उम्मीदवारों की सूची जब्त करना ईडी और अमित शाह का काम है? भाजपा और अमित शाह को सीधी चुनौती देते हुए मुख्यमंत्री ने उन्हें पश्चिम बंगाल आकर लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव लड़ने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि अगर अमित शाह को बंगाल चाहिए तो आइए लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव लड़िए और जीतिए। ममता बनर्जी ने दावा किया कि आई-पीएसी कोई निजी संगठन नहीं बल्कि अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस (एआईटीसी) के लिए काम करने वाली एक अधिकृत टीम है। उन्होंने आरोप लगाया कि ईडी ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) से संबंधित डेटा सहित संवेदनशील दस्तावेज जब्त किए हैं। उधर, ईडी ने मुख्यमंत्री के आरोपों का खंडन किया है। ईडी ने ममता बनर्जी पर चल रहे तलाशी अभियान के दौरान आई-पीएसी के निदेशक प्रतीक जैन के आवास में घुसकर महत्वपूर्ण सबूत ले जाने का आरोप लगाया। एक बयान में एजेंसी ने कहा कि मुख्यमंत्री और बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारियों के आने तक तलाशी शांतिपूर्ण और पेशेवर तरीके से की गई। अपना पक्ष स्पष्ट करते हुए ईडी ने कहा कि तलाशी सबूतों पर आधारित है। किसी भी राजनीतिक संगठन को लक्षित नहीं करती।

वाराणसी में दर्ज केस में मिली जमानत

पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर को बड़ी राहत

वाराणसी, एजेंसी।
उत्तर प्रदेश की राजनीति और प्रशासनिक हलकों में चर्चा का केंद्र रहने वाले पूर्व आईपीएस अधिकारी और आजाद अधिकार सेना के अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर को वाराणसी की जिला अदालत से बड़ी राहत मिली है। जिला जज संजीव शुक्ला की अदालत ने शुक्रवार को उन्हें जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया। यह मामला हिंदू युवा वाहिनी के नेता द्वारा दर्ज कराई गई एक एफआईआर से जुड़ा है। इसमें अमिताभ ठाकुर पर सोशल मीडिया के जरिए छवि धूमिल करने का आरोप लगाया गया था। जमानत के बाद भी हालांकि अमिताभ जेल से बाहर नहीं आ सकेंगे। देवरिया जमीन धोखाधड़ी के मामले में अभी उन्हें जेल में ही रहना होगा। वह इस समय देवरिया की जेल में ही बंद हैं।

क्या था पूरा विवाद?: मामले की जड़ें 30 नवंबर 2024 की एक सोशल मीडिया पोस्ट से जुड़ी हैं। अमिताभ ठाकुर ने अपने आधिकारिक एक्स (ट्विटर) हैंडल पर कफ सिरप से जुड़े मामले को उठाया था। इस पोस्ट को लेकर वाराणसी के हिंदू युवा वाहिनी के नेता अम्बरीष सिंह 'भोला' ने आपत्ति जताई थी। भोला का आरोप था कि अमिताभ ठाकुर ने बिना किसी प्रमाण के उन पर कफ सिरप मामले में झूठे आरोप लगाए हैं। इस शिकायत के आधार पर 9 दिसंबर को वाराणसी के चौक थाने में अमिताभ ठाकुर के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था।

अदालत में बचाव पक्ष के तर्क: सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष के अधिवक्ता

अनुज यादव ने तर्क दिया कि उनके मुवक्किल (अमिताभ ठाकुर) ने व्यक्तिगत रूप से किसी पर कोई आरोप नहीं लगाया था। न ही किसी की मानहानि की मंशा थी। अमिताभ ठाकुर एक राजनीतिक दल के अध्यक्ष और पूर्व पुलिस अधिकारी होने के नाते जनहित के मुद्दों को उठाते रहते हैं। उन्होंने केवल यह मांग की थी कि कफ सिरप के अवैध कारोबार की निष्पक्ष और उच्च स्तरीय जांच की जाए। अधिवक्ता ने कहा कि जांच की मांग करना किसी भी नागरिक का लोकतांत्रिक अधिकार है और इसे किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ मानहानि के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद, जिला जज संजीव शुक्ला की कोर्ट ने अमिताभ ठाकुर की जमानत याचिका को स्वीकार कर लिया। इस राहत के बाद भी देवरिया के मामले में जमानत अभी नहीं मिलने से अमिताभ ठाकुर जेल में ही रहेंगे।

इंदौर में स्वच्छ पानी के लिए आवंटित किए गए 2450 करोड़ रुपये, फिर भी दूषित पानी से हुई 20 मौतें

इंदौर। मध्य प्रदेश का इंदौर शहर, जो लगातार कई वर्षों से भारत का सबसे स्वच्छ शहर चुना जाता रहा है, अब एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट का सामना कर रहा है। भागीरथपुरा और आसपास के इलाकों में नगर निगम की पाइपलाइनों से मिले दूषित पेयजल के कारण कम से कम 20 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 3,200 से अधिक लोग बीमार पड़ गए हैं।

यह संकट दिसंबर 2025 के अंत से शुरू हुआ और जनवरी 2026 में चरम पर पहुंच गया, जहां उल्टी-दस्त, डायरिया और गंभीर डिहाइड्रेशन जैसी बीमारियां फैलीं। कई मरीज अभी भी आईसीयू में जीवन-मरण की स्थिति में हैं।

पिछले पांच वर्षों में इंदौर नगर निगम ने जल आपूर्ति और स्वच्छता पर भारी खर्च किया है। नगर निगम का वार्षिक बजट का 25-30त्र हिस्सा इसी क्षेत्र पर जाता है- इसके अलावा, कुल नगर निगम बजट 5,135 करोड़ से बढ़कर 8,200 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। अमृत योजना, स्मार्ट सिटी मिशन और एशियाई विकास बैंक जैसी परियोजनाओं के तहत भी हजारों करोड़ का निवेश हुआ, ताकि 24 घंटे सुरक्षित पानी उपलब्ध हो सके।

फिर भी, सीवेज लीकेज, पुरानी पाइपलाइनों में दरार और निगरानी की कमी के कारण दूषित पानी हजारों घरों तक पहुंच गया। विशेषज्ञों का कहना है कि पुलिस चौकी के पास बने टॉयलेट से निकलने वाला गंदा पानी मुख्य पाइपलाइन में मिल गया, जिससे बैक्टीरिया (जैसे श्व. ष्थ्द्यद्ब और हैजा वाले) फैले।

29 दिसंबर 2025 से ही भागीरथपुरा में अफरा-तफरी मची हुई है। नगर निगम के वाहन लगातार घोषणा कर रहे हैं कि पानी उबालकर और छानकर पिएं। टैंकरों से साफ पानी की आपूर्ति हो रही है, राशन किट बांटी जा रही हैं, और नालियों की मरम्मत का काम चल रहा है। लेकिन इससे सड़कें खोदने के कारण यातायात और छोटे व्यवसाय प्रभावित हैं। लोग अब बोरवेल और आरओ पानी को भी उबालने पर मजबूर हैं। जन स्वास्थ्य अभियान इंडिया ने इसे सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल करार दिया है और प्रधानमंत्री को ज्ञापन सौंपा है। मांग है कि स्रोत से वितरण तक पूरी व्यवस्था सुधारी जाए।

फिर से एक होगा परिवार: एनसीपी में टूट के बाद पहली बार साथ दिखे सुप्रिया सुले, अजीत

मुंबई, एजेंसी।
महाराष्ट्र की राजनीति में पिछले दो सालों से जारी कड़वाहट और खींचतान के बीच शनिवार को एक बेहद चौंकाने वाली और महत्वपूर्ण तस्वीर सामने आई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में फूट के बाद पहली बार उपमुख्यमंत्री अजीत पवार और उनकी चचेरी बहन सुप्रिया सुले ने एक साथ मंच साझा किया। अवसर था पुणे और पिंपरी-चिंचवड नगर निगम चुनावों के लिए 'साझा घोषणापत्र' जारी करने का।

आपको बता दें कि जुलाई 2023 में अजीत पवार द्वारा अपने चाचा शरद पवार से बगावत कर एकनाथ शिंदे सरकार में शामिल होने के बाद यह पहला मौका है जब दोनों गुटों के शीर्ष नेता इस तरह एक साथ नजर आए हैं। महाराष्ट्र की 29 स्थानीय निकायों में 15 जनवरी को मतदान होना है। हालांकि अजीत पवार की राकांपा सत्ताधारी 'महायुति' का हिस्सा है और सुप्रिया सुले की राकांपा (शरद चंद्र पवार) विपक्षी 'महाविकास अघाड़ी' (स्द्भ) में शामिल है, लेकिन पुणे और पिंपरी-चिंचवड के स्थानीय समीकरणों के मद्देनजर दोनों गुटों ने मिलकर चुनाव लड़ने का फैसला किया है। घोषणापत्र जारी करने के दौरान सुप्रिया सुले और राकांपा (एसपी) के कई अन्य वरिष्ठ नेता भी मौजूद रहे, जो अब तक चुनाव प्रचार से काफी हद तक दूर नजर आ रहे थे। इस संयुक्त उपस्थिति के बाद महाराष्ट्र के राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं तेज हो गई हैं कि क्या पवार परिवार और पार्टी फिर से एक होने वाली

है। अजीत पवार ने भी इन अटकलों को हवा देते हुए कहा, 'राजनीति में कोई भी स्थायी दुश्मन नहीं होता।' उन्होंने संकेत दिया कि निकाय चुनावों के बाद दोनों गुटों के स्थायी रूप से साथ आने पर विचार किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि फिलहाल कार्यकर्ता इस गठबंधन से बेहद खुश हैं, हालांकि गठबंधन और सीटों के बंटवारे की व्यस्तता के कारण अभी विस्तार से चर्चा का समय नहीं है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अजीत पवार ने पुणे के विकास के लिए कई लुभावने वादे किए। यातायात की भीड़ को कम करना, गड्ढा मुक्त सड़कें और बेहतर स्वच्छता व्यवस्था।

महाभारत में भी हुए थे समझौते, अजीत पवार लचीले नेता; बीएमसी चुनाव के बीच फडणवीस ने ऐसा क्यों कहा

मुंबई, एजेंसी।
नगर निकाय चुनावों, विशेष रूप से बीएमसी के लिए जारी धुआंधार प्रचार के बीच महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अपनी पार्टी के विजन, गठबंधन की राजनीति और मुफ्त उपहारों की संस्कृति पर खुलकर बात की। उन्होंने विपक्षी दलों पर कटाक्ष करने के साथ-साथ यह भी साफ किया कि सत्ता हासिल करने के लिए किए गए समझौते नीतियों को लागू करने के लिए जरूरी हैं। अजीत पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी के साथ गठबंधन पर उठ रहे सवालों का जवाब देते हुए फडणवीस ने कहा, 'हमने अजीत पवार के साथ गठबंधन बहुत सोच-समझकर किया है। वह राजनीति को समझते हैं और जानते हैं कि कब पीछे हटना है और कब आगे बढ़ना है। वे बहुत लचीले हैं।'

महाभारत का संदर्भ देते हुए देवेंद्र फडणवीस ने पहले एनसीपी का विरोध करने और अब हाथ मिलाने पर कहा, 'जब हम अपने सिद्धांतों पर अड़े रहे, तो हमें नुकसान हुआ। अपनी नीतियों को लागू करने के लिए सत्ता जरूरी है। महाभारत के युद्ध में भी समझौते हुए थे।' उन्होंने स्पष्ट किया कि स्थानीय निकायों में अलग लड़ने के बावजूद, 2029 और उसके बाद के लिए महायुति गठबंधन पूरी तरह मजबूत है।

फ्रीबीज पर क्या बोले?: शिवसेना (यूबीटी) और एमएनएस द्वारा घरेलू सहायिकाओं को 1,500 रुपए प्रति माह देने के वादे और नवी मुंबई में बीजेपी द्वारा 20 साल तक प्रॉपर्टी टैक्स न बढ़ाने के वादे पर फडणवीस ने कहा, 'यह वर्तमान का ट्रेंड है। कोई भी राजनीतिक दल इससे बच नहीं सकता। हो सकता है कि पांच साल बाद यह स्थिति बदल जाए।' फडणवीस ने मुंबई को जाम मुक्त बनाने और 'ईज ऑफ

लिविंग' के लिए कई बड़े प्रोजेक्ट्स की घोषणा की। उन्होंने वादा किया कि बांद्रा सी-लिंक से बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) तक टनल बनाई जाएगी। एक टनल कुर्ला की ओर और दूसरी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट की ओर जाएगी, जो बाद में कोस्टल रोड से जुड़ जाएगी। मेट्रो लाइनों का विस्तार और रेल बुनियादी ढांचे को अपग्रेड करना उनकी प्राथमिकता है। मुंबई में और अधिक सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) लगाए जाएंगे ताकि प्रदूषण कम हो। उन्होंने स्वीकार किया कि अंबरनाथ में शिवसेना के साथ गठबंधन न करना गलत था।

अयोध्या की कीमती जमीन पर डीएम के रवैये से हाईकोर्ट ने जताई नाराजगी

इलाहाबाद, एजेंसी।
इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने अयोध्या के जिला प्रशासन और नगर पंचायत गोसाईगंज की कार्यप्रणाली पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए उन पर आर्थिक दंड लगाया है। न्यायालय ने आदेशों की अवहेलना और 'चलताऊ' रवैया अपनाने के लिए जिलाधिकारी अयोध्या पर 7700 रुपये और नगर पंचायत गोसाईगंज पर 5500 रुपये का हर्जाना ठोंका है। यह आदेश न्यायमूर्ति राजन रॉय और न्यायमूर्ति एके चौधरी की खंडपीठ ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया।

यह मामला अयोध्या जनपद के गोसाईगंज नगर पंचायत के अंतर्गत आने वाली एक बेशकीमती जमीन से जुड़ा है। एक जनहित याचिका में आरोप लगाया गया था कि सरकारी रिकॉर्ड में 'तालाब' के रूप में दर्ज एक भूमि पर भू-माफियाओं द्वारा अवैध निर्माण कराया गया है। याचिकाकर्ता का तर्क था कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार, सार्वजनिक उपयोग की भूमि और तालाबों का स्वरूप नहीं बदला जा सकता और उन पर किसी भी प्रकार का निर्माण अवैध है। पिछली सुनवाई के दौरान, सरकारी पक्ष की ओर से याचिका का विरोध करते हुए दावा किया गया था कि उक्त भूमि 'नॉन जेडए' प्रकृति की है और राजस्व रिकॉर्ड में तालाब के रूप में दर्ज नहीं है। इस विरोधाभास को स्पष्ट करने के लिए न्यायालय ने जिलाधिकारी और संबंधित विभाग को विस्तृत जवाबी हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया था।

न्यायालय ने पाया कि जिलाधिकारी अयोध्या ने आदेश के बावजूद अपना जवाब दाखिल नहीं किया, जो न्यायिक प्रक्रिया में बाधा और प्रशासनिक ढिलाई को दर्शाता है। नगर पंचायत गोसाईगंज ने जवाब तो दाखिल किया, लेकिन वह बेहद सतही था। न्यायालय के अनुसार, बिना किसी सहायक दस्तावेज और पुख्ता सबूतों के 'चलताऊ' तरीके से शपथ पत्र दाखिल कर दिया गया, जो अदालत के समय की बर्बादी है।

सीएम योगी ने अपर्णा यादव को तलब किया, केजीएमयू में हुई घटना पर मुख्यमंत्री गंभीर

मुख्यमंत्री ने महिला आयोग की अध्यक्ष बबिता चौहान को भी बुलाया, मुख्यमंत्री ने बबिता चौहान से भी घटना के संबंध में जानकारी ली

लखनऊ, एजेंसी।
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने केजीएमयू में हुई घटना को गंभीरता से लिया है। हंगामा करने और अराजकता फैलाने के मामले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव को तलब किया। माना जा रहा है कि मुख्यमंत्री ने उनसे मेडिकल कॉलेज में हुई घटना के बारे में जानकारी ली। सूत्रों के मुताबिक इसके बाद मुख्यमंत्री ने महिला आयोग की अध्यक्ष बबिता चौहान को भी बुलाया। मुख्यमंत्री ने बबिता चौहान से भी घटना के संबंध में जानकारी ली। सूत्रों का दावा है कि इसके बाद विवि प्रशासन ने अपर्णा के खिलाफ तहरीर दी है। धर्मान्तरण के प्रयास और केजीएमयू ब्लड एंड ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग के मामले को लेकर हिन्दूवादी संगठनों और उपद्रवियों ने शुक्रवार को केजीएमयू में

तीन घंटे तक बवाल काटा था।

अपर्णा यादव के साथ पहुंचे लोगों ने कुलपति कार्यालय पर कब्जा कर लिया। प्रति कुलपति डॉ. अपजीत कौर और विशाखा कमेटी की चैयरमैन डॉ. मोनिका कोहली को बंधक बना लिया। हंगामा, तोड़फोड़ को देख कुलपति डॉ. सोनिया नित्यानंद पीछे के गेट से निकल गईं। उपद्रवियों ने कुलपति चैंबर के बाहर बैठे कर्मचारियों को खदेड़ दिया।

बड़ी संख्या में भगवाधारी व युवाओं ने उपद्रव शुरू कर दिया। अपर्णा यादव के साथ उपद्रवियों ने कुलपति कार्यालय में दाखिल होने की कोशिश की लेकिन सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें रोक दिया। इस पर भीड़ में शामिल लोग भड़क गए। भीड़ ने जबरन कार्यालय में दाखिल होने की कोशिश की सुरक्षाकर्मी व अधिकारियों ने रोकने का प्रयास किया। उपद्रवियों ने दरवाजे और खिड़कियों में पैर से जोर-जोर से धक्के मारे। जिससे उसकी सिटकनी टूट गई। इसके बाद कार्यालय के अंदर घुसे लोगों ने हंगामा शुरू कर दिया। हंगामे के दौरान गमला टूट गया।

सुरक्षाकर्मियों की कुर्सी और मेज फर्श पर पटक दी। धक्का-मुक्की करते हुए उपद्रवी कुलपति कार्यालय में दाखिल हो गए। चैम्बर के बाहर खड़े कर्मचारियों को धक्का देकर भगा दिया। इस दौरान कुलपति फैकल्टी के प्रोन्नति संबंधी इंटरव्यू पैनल में शामिल थीं। इसमें देश भर से विशेषज्ञ भी आए थे। कुलपति डॉ. सोनिया नित्यानंद हंगामे को देखते हुए पीछे के गेट से चुपचाप निकल गईं। जय श्रीराम के नारे लगाते हुए लोग कुलपति के चैम्बर में घुस गए। कुलपति चैंबर का कंप्यूटर और लैपटॉप गिर गया। लोग सोफे पर चढ़कर कूद रहे थे। प्रतिकुलपति डॉ. अपजीत कौर और विशाखा कमेटी की चेयरमैन डॉ. मोनिका कोहली को कुलपति कार्यालय में थी। प्रदर्शनकारियों ने उन्हें बंधक बना लिया। दोनों डॉक्टरों ने अपर्णा यादव से वार्ता की कोशिश की लेकिन हंगामा और बवाल के मद्देनजर कोई बातचीत नहीं हो सकी।

राज्य महिला आयोग में केजीएमयू के दो मामले

राज्य महिला आयोग में केजीएमयू के दो मामले हैं। पहल ब्लड एंड ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग का दूसरा पैथोलॉजी विभाग में रेजिडेंट के यौन शोषण व धर्मान्तरण प्रयास का। ब्लड एंड ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग के मसले की सुनवाई के लिए दो डॉक्टरों को बुलाया गया था। उसके बाद राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव को प्रेसवार्ता करनी थी। अचानक प्रेसवार्ता का स्थान राज्य महिला आयोग के बजाय केजीएमयू कर दिया गया।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

विचार-मंथन

संपादकीय

यह गुस्सा बस अंकिता का नहीं?

उत्तराखंड में जंगलों में आग लगने वाला मौसम अभी शुरू नहीं हुआ, लेकिन उससे पहले ही राज्य में तपिश बढ़ चुकी है। 2022 के एक हत्याकांड को लेकर कई शहरों में विरोध-प्रदर्शन हो रहे हैं। वहीं, राजधानी देहरादून में एंजेल चकमा को लेकर बेचैनी है। त्रिपुरा के छात्र पर देहरादून में नस्लवादी हमला किया गया था, जिसमें उसकी मौत हो गई। साल 2022 में एक होटल में काम करने वाली 19 साल की अंकिता भंडारी की उसी होटल के मैनेजर पुलकित आर्य ने हत्या कर दी थी। अंकिता ने एक 'वीआईपी' मेहमान को सेक्सुअल फेवर देने से इनकार किया था। आरोप है कि वह वीआईपी व्यक्ति एक राजनीतिक पार्टी से जुड़ा था। इस मामले को लेकर पिछले साल से ही नाराजगी थी, अब पूरे राज्य में आंदोलन खड़ा हो गया है। पुलकित को उम्रकैद की सजा मिल चुकी है, लेकिन राज्य के लोगों और विपक्ष का गुस्सा इस बात पर है कि सरकार अभी तक उस 'वीआईपी शख्स' को पकड़ने में नाकाम रही है। विरोध-प्रदर्शनों में बेरोजगारी का मुद्दा भी उठ रहा है। कहा जा रहा है कि रोजगार की कमी के कारण अंकिता जैसों को असुरक्षित जगहों पर काम करना पड़ता है। राज्यसभा में पिछले साल दिसंबर में पेश पीएलएफएस के आंकड़े बताते हैं कि उत्तराखंड में बेरोजगारी दर 8.9 प्रतिशत है, पूरे देश में सबसे ज्यादा। उत्तराखंड में महिलाओं के खिलाफ अपराध की दर ज्यादा नहीं है, इसी वजह से अंकिता केस को लेकर गुस्सा भड़कना स्वाभाविक है। पिछले 10 बरसों से 18-23 आयु वर्ग की महिलाओं में उच्च शिक्षा के मामले में राज्य का प्रदर्शन राष्ट्रीय औसत के बराबर या फिर उससे बेहतर ही रहा है। महिला स्वयं सहायता समूहों ने आधी आबादी को सशक्त किया है। हालांकि पुरुषों का पलायन, खासकर ग्रामीण इलाकों में बेहद ज्यादा है, लेकिन इसकी वजह बस आर्थिक नहीं। जंगलों की कटाई और टूरिस्ट इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण में पर्यावरणीय संतुलन का ध्यान नहीं रखा गया। इसने उत्तराखंड को असुरक्षित और मौसम की चरम घटनाओं के प्रति बेहद संवेदनशील बना दिया है। इसकी वजह से ग्रामीण इलाकों से बड़े पैमाने पर पलायन हो रहा है। नीति आयोग की 2023 की रिपोर्ट के मुताबिक, राज्य में पलायन से प्रभावित आबादी 64 प्रतिशत है। यही वजह है कि 15वें वित्त आयोग ने आपदा प्रबंधन में उत्तराखंड का हिस्सा बढ़ाकर 4.2 प्रतिशत कर दिया है। इससे पहले यह 1.9 प्रतिशत था। इस बीच उत्तराखंड हाईकोर्ट जंगलों के 7,375 बाउंड्री पिलर गायब होने के मामले की भी सुनवाई कर रहा है। यह केस कथित तौर पर मसूरी डिविजन में फॉरेस्ट ऑफिसर्स की संपत्तियों से जुड़ा बताया जा रहा। इन सब को देखते हुए कह सकते हैं कि अंकिता के नाम पर फूट रहा गुस्सा अकेला नहीं है। इसके पीछे वे तमाम चुनौतियां हैं, जिनका सामना आम लोग कर रहे हैं। इसके बावजूद सरकार की प्राथमिकता कुछ और लगती है। उसकी दिलचस्पी सामाजिक नियंत्रण के कानून बनाने में है। वह सीसी ले आई। अब हरिद्वार के घाटों पर गैर-हिंदुओं के प्रवेश को रोकने पर विचार किया जा रहा है, जबकि यह असंवैधानिक है। सार्वजनिक स्थान तो सभी के होते हैं। धरना-प्रदर्शन दरअसल सरकार से पुकार है कि वह उन मुद्दों पर ध्यान दे, जो जरूरी हैं यानी कानून व्यवस्था, रोजगार और हिमालय की पवित्रता की रक्षा।

ईरान में क्या इस्लामी शासन के दिन पूरे हो गये?

हम आपको यह भी बता दें कि इन हालात के बीच रेजा पहलवी का नाम फिर से उभर रहा है। वह ईरान के आखिरी शाह के बेटे हैं और खुद को देश का वैध क्राउन प्रिंस मानते हैं। हम आपको याद दिला दें कि 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद उनका परिवार देश छोड़ने पर मजबूर हुआ था। तब से वह निर्वासन में हैं और खुद को लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्ष ईरान का चेहरा बताने की कोशिश कर रहे हैं। रेजा पहलवी खुले तौर पर मौजूदा सत्ता को अवैध बताते हैं और सेना तथा जनता से अपील कर रहे हैं कि वह इस्लामी नेतृत्व का साथ छोड़ दें। उनके समर्थक उन्हें ईरान के लिए एक वैकल्पिक नेतृत्व के रूप में पेश कर रहे हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या यह सिर्फ भावनात्मक अपील है या वाकई सत्ता परिवर्तन का कोई ठोस खाका है। सवाल यह भी है कि क्या ईरान में तख्तापलट होने वाला है?

(नीरज कुमार दुबे)

ईरान की राजधानी तेहरान से लेकर मशहद, इस्फहान और दर्जनों छोटे शहरों तक हालात एक जैसे हैं। सड़कों पर युवा हैं, महिलाएं हैं, मजदूर हैं और अब मध्यम वर्ग भी खुलकर सामने आ चुका है। नारे अब रोटी कपड़ा और नौकरी तक सीमित नहीं रहे।

ईरान इस समय उबाल पर है। जो विरोध महंगाई, बेरोजगारी और बदहाल अर्थव्यवस्था के खिलाफ शुरू हुआ था वह अब सीधे इस्लामी सत्ता व्यवस्था को उखाड़ फेंकने की चुनौती बन चुका है। लगातार बारह दिनों से सड़कों पर उतर रही जनता अब केवल नारे नहीं लगा रही बल्कि सत्ता के प्रतीकों को जलाकर यह साफ संदेश दे रही है कि डर की दीवार टूट चुकी है। सरकारी इमारतें, पुलिस चौकियां और प्रशासनिक वाहन जनता के गुस्से का निशाना बन रहे हैं। यह केवल प्रदर्शन नहीं है, यह व्यवस्था के खिलाफ खुला विद्रोह है।

तेहरान से लेकर मशहद, इस्फहान और दर्जनों छोटे शहरों तक हालात एक जैसे हैं। सड़कों पर युवा हैं, महिलाएं हैं, मजदूर हैं और अब मध्यम वर्ग भी खुलकर सामने आ चुका है। नारे अब रोटी कपड़ा और नौकरी तक सीमित नहीं रहे। सीधे सर्वोच्च नेता और पूरी इस्लामी व्यवस्था को ललकारा जा रहा है। सत्ता के खिलाफ इस तरह की खुली बगावत ईरान के इतिहास में बहुत कम देखी गई है।

हालांकि ईरान सरकार का जवाब भी

उतना ही सख्त और बेरहम है। इंटरनेट बंद, मोबाइल सेवाएं ठप, सुरक्षा बलों को खुली छूट और गिरफ्तारियों का अंधाधुंध दौर चल रहा है। दर्जनों मौतें हो चुकी हैं और हजारों लोग जेलों में ठूंस दिए गए हैं। सत्ता यह दिखाना चाहती है कि वह अब भी मजबूत है, लेकिन हकीकत यह है कि डर के बल पर चलने वाली किसी भी व्यवस्था का अंत हमेशा हिंसक होता है।

हम आपको यह भी बता दें कि इन हालात के बीच रेजा पहलवी का नाम फिर से उभर रहा है। वह ईरान के आखिरी शाह के बेटे हैं और खुद को देश का वैध क्राउन प्रिंस मानते हैं। हम आपको याद दिला दें कि 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद उनका परिवार देश छोड़ने पर मजबूर हुआ था। तब से वह निर्वासन में हैं और खुद को लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्ष ईरान का चेहरा बताने की कोशिश कर रहे हैं। रेजा पहलवी खुले तौर पर मौजूदा सत्ता को अवैध बताते हैं और सेना तथा जनता से अपील कर रहे हैं कि वह इस्लामी नेतृत्व का साथ छोड़ दें। उनके समर्थक उन्हें ईरान के लिए एक वैकल्पिक नेतृत्व के रूप में पेश कर रहे हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या यह सिर्फ भावनात्मक अपील है या वाकई सत्ता परिवर्तन का कोई ठोस खाका है। सवाल यह भी है कि क्या ईरान में तख्तापलट होने वाला है?

देखा जाये तो यह सवाल इस समय हर विश्लेषण का केंद्र बना हुआ है। मगर सच्चाई यह है कि ईरान में हालात गंभीर जरूर हैं लेकिन तख्तापलट के लिए संगठित नेतृत्व, सेना का समर्थन और सत्ता संरचना के भीतर दरार जरूरी होती है। फिलहाल जो दिख रहा है वह जनता का गुस्सा है, लेकिन वह गुस्सा बिखरा हुआ है। कोई एक केंद्रीकृत नेतृत्व नहीं है जो सत्ता संभालने की स्थिति में हो। रेजा पहलवी की लोकप्रियता सोशल मीडिया और प्रवासी ईरानियों में जरूर है, लेकिन देश के भीतर उनके पास न तो संगठन है और न ही जमीन पर नियंत्रण। ईरान की सुरक्षा व्यवस्था बेहद मजबूत और वैचारिक रूप से कट्टर है। रिवोल्यूशनरी गार्ड केवल सेना नहीं बल्कि सत्ता की भी रीढ़ हैं। जब तक इस ढांचे में टूट नहीं होती तब तक तख्तापलट की बात करना जल्दबाजी होगी।

जहां तक यह सवाल है कि क्या राजशाही की वापसी संभव है तो आपको बता दें कि राजशाही की वापसी एक और भावनात्मक कल्पना है। आज का ईरान 1979 वाला ईरान नहीं है। चार दशक की इस्लामी सत्ता ने समाज की संरचना बदल दी है। नई पीढ़ी स्वतंत्रता चाहती है लेकिन जरूरी नहीं कि वह किसी शाह को फिर से गद्दी पर बैठाना चाहती हो। रेजा पहलवी खुद भी खुलकर यह नहीं कहते कि वे राजा बनेंगे। वह सत्ता को जनता के हवाले करने और जनमत संग्रह की बात करते हैं। इसका मतलब साफ है कि राजशाही की वापसी फिलहाल एक नारा भर है, हकीकत नहीं।

ईरान संकट का सामरिक प्रभाव देखें तो इसमें कोई दो राय नहीं कि ईरान पूरे पश्चिम एशिया की धुरी है। यहां अस्थिरता का मतलब है तेल बाजार में उथल पुथल, खाड़ी क्षेत्र में तनाव और कई देशों में प्रॉक्सी संघर्ष का तेज होना। ईरान के कमजोर होने से उसके समर्थित गुटों की स्थिति भी बदलेगी। इससे इजराइल और अरब देशों के बीच संतुलन बदल सकता है। अमेरिका और पश्चिमी शक्तियां इस मौके को अपने हित में भुनाने की कोशिश करेंगी। दूसरी ओर रूस और चीन भी ईरान को हाथ से जाने नहीं देना चाहेंगे। अगर ईरान में सत्ता परिवर्तन होता है तो उसका असर केवल तेहरान तक सीमित नहीं रहेगा। यह पूरे क्षेत्र को हिला देगा और वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा को भी झटका देगा।

देखा जाये तो ईरान में जो हो रहा है वह केवल सत्ता के खिलाफ गुस्सा नहीं बल्कि दशकों की घुटन का विस्फोट है। जनता अब सुधार नहीं बल्कि बदलाव चाहती है। लेकिन बदलाव अपने आप नहीं आता, उसे दिशा देनी पड़ती है। रेजा पहलवी इस विद्रोह का चेहरा बन सकते हैं, लेकिन वह मसले का समाधान नहीं हैं। सत्ता परिवर्तन के लिए केवल नाम नहीं बल्कि जमीन पर ताकत चाहिए। अगर यह विद्रोह संगठित नहीं हुआ तो सत्ता इसे बेरहमी से कुचल देगी।

बहरहाल, ईरान आज चौराहे पर खड़ा है। एक रास्ता दमन का है, दूसरा बदलाव का। तख्तापलट होगा या नहीं यह आने वाले दिनों में तय होगा, लेकिन इतना तय है कि ईरान अब पहले जैसा नहीं रहेगा। डर टूट चुका है और यही किसी भी सत्ता के पतन की पहली सीढ़ी होती है।

जलवायु संकट से गुम होती भिनभिनाहट, खतरे में भौंरों का अस्तित्व

(अनु साइकॉम)

पहाड़ की ढलान से उतरते हुए अचानक एक भिनभिनाहट सुनाई दी। मानो जैसे कानों में कोई संगीत गुनगुना रहा हो। नज़र उठाई तो देखा एक फूल से दूसरे फूल पर डोलता एक छोटा सा भौंरा (भंवरा) पास ही में लगे गमलों के फूलों में मदमस्त था। उसकी धीमी धीमी सी भिनभिनाहट मानो जैसे यह याद दिलाना चाह रही हो कि वह सिर्फ एक कीट नहीं, बल्कि प्रकृति की सबसे मेहनती परागणकर्ता (पोलिनेटर) है। दुनिया में भंवरों की लगभग 250 से ज्यादा प्रजातियाँ हैं।

भारत इस दृष्टि से बेहद समृद्ध है। यहाँ करीब 50 से ज्यादा ज्ञात प्रजातियाँ मौजूद हैं, जिनमें से अधिकांश हिमालय की ऊँचाइयों पर जीवन व्यतीत करती हैं। अधिकांशतः ये समशीतोष्ण क्षेत्रों में पाए जाते हैं, पर कुछ प्रजातियां उष्णकटिबंधीय इलाकों में भी बसती हैं। ये कभी भूमिगत बिलों में तो कभी सूखी पत्तियों और लकड़ियों के बीच अपने घर बनाते हैं।

मौसम की मार और इंसानी हस्तक्षेप

लेकिन इन भौंरों का जीवन उतना सुखद भी नहीं रह गया है जितना हमें प्रतीत होता है। बदलता मौसम, जलवायु एवं इंसानी गतिविधियां मिलकर धीरे-धीरे इनका संसार उजाड़ रही हैं। जलवायु परिवर्तन का असर अब भौंरों पर तेजी से दिखाई देने लगा है, और हम सभी के लिए यह चिंता का विषय भी है क्योंकि भौंरे हमारे पारिस्थितिकी तंत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण परागणकर्ता हैं।

फसलों और जंगली पौधों के प्रजनन में उनकी एक हम भूमिका है, लेकिन बदलते मौसम के कारण उनका अस्तित्व खतरे में है। क्यूंकि बढ़ता तापमान, असामान्य वर्षा, घटती बर्फबारी और फूलों के खिलने के समय में बाधा जैसी परिस्थितियां भौंरों के जीवन-चक्र को काफी हद तक बाधित कर रही हैं। हीटवेव, सूखा और तूफानों जैसी चरम मौसमी घटनाएँ उनके घोंसलों को नष्ट कर देती हैं और भोजन की तलाश को बहुत कठिन बना देती हैं।

इसके अलावा, पौधों की विविधता में बदलाव से उनके लिए पर्याप्त भोजन और सुरक्षित आवास खोजना मुश्किल हो जाता है साथ ही इस स्थिति को और भी जटिल बनाती हैं मानवीय गतिविधियाँ जिसमें शामिल है शहरीकरण और भूमि उपयोग में बदलाव जो भौंरों के आवास को असुरक्षित बना रही हैं। इन कारणों से भौंरों की आबादी पर गहरा संकट मंडरा रहा है, जो अंततः हमारे खाद्य सुरक्षा और पर्यावरणीय संतुलन पर भी असर डाल सकता है।

शोध से मिले सबक

जूलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया द्वारा किए गए एक शोध में हिमालयी भौंरों की विविधता और उनके पौधों से संबंधों पर महत्वपूर्ण जानकारियाँ मिलीं। अध्ययन के दौरान किसानों को जागरूक करने के लिए कार्यशालाएं आयोजित की गईं, जहां उन्हें समझाया गया कि भौंरे उनकी फसलों की उपज बढ़ाने में सहायक हैं। इस शोध ने कुछ प्रमुख पहलुओं पर रौशनी डाली जैसे की भारतीय हिमालयी क्षेत्र में स्वदेशी भोंरों के संरक्षण के लिए सबसे पहले उनके प्राकृतिक आवासों की रक्षा और पुनर्स्थापना आवश्यक है।

इसके साथ ही किसानो को भोंरों की सुरक्षा के लिए रसायन-मुक्त और मित्रवत दृष्टिकोण को अपनाना बेहद ज़रूरी है। कीटनाशक, खरपतवारनाशक और फफूंदनाशक जैसी रसायन सामग्री अक्सर मधुमक्खियों को सीधे नुकसान पहुँचाती हैं या उनके भोजन व घोंसला बनाने वाले पौधों को नष्ट कर देती हैं। साथ ही साथ यह भी साफ तौर पर बताया गया की संरक्षण प्रयास में स्थानीय और ग्रामीण समुदायों की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

सुडोकू पहेली क्रमांक-5970

5	4	2	6			9	7	3
				4			8	
	1	3	9					
						5		
	3		2	1	4		9	
		4						
					9	1	6	
	5			7				
1	7	9			2	4	3	5

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5969

9	5	2	1	3	4	8	6	7
3	1	7	5	6	8	2	9	4
4	6	8	7	9	2	5	3	1
2	8	5	6	7	1	9	4	3
1	3	4	8	5	9	7	2	6
7	9	6	2	4	3	1	8	5
6	2	1	4	8	5	3	7	9
5	4	9	3	2	7	6	1	8
8	7	3	9	1	6	4	5	2

वर्ग पहेली 5970

1	2	3	■	4	5	6
7			8	9	■	10
	■	11			■	
12	13		■		■	14
■		■	15	■	16	
17					18	
19		■	20	21	■	
	■	23			■	24

संकेत: बाएं से दाएं
1. 17 मई 1975 को इस देश की महिला श्रीमती जुनको तैबई माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने वाली प्रथम महिला बनीं (3)
4. मध्यप्रदेश राज्य में बहने वाली एक नदी जो यमुना की सहायत नदी है यह उत्तर-पूर्वी दिशा में बहती है (3)
7. फल देने वाला, फलदाता (5)
10. दो की संख्या, निग्रह (2)
11. रहमदिल, दयालु (4)
12. पति की बहन (3)
14. एक नक्षत्र जिसमें पांच तारे है (2)
16. यह द्वीप इंडोनेशिया का सबसे अधिक जनसंख्या वाली द्वीप है (2)
17. सज्जनता, सभ्यीकरण, धर्मेंद्र के साथ हेमामालिनी की पहली फिल्म (4)
18. क्रोध या गुस्से में आने का भाव (3)
19. पथ, मार्ग, राह (2)
20. कोमल कांड, सुंदर स्त्री (2)
22. 14 वीं-15 वीं शताब्दी के प्रसिद्ध सूफी संत जिन्होंने धार्मिक एकता का उपदेश दिया (3)
23. निशाना, गंतव्य स्थान (2)

ऊपर से नीचे
1. केसर, सौरभ, कुमकुम, अग्रिशेखर (4)
2. फल पकाने की विधि, पालने वाला (2)
3. अनुपस्थित, गायब, गैर मौजूदगी (4)
5. निश्चित किया हुआ, ठहराया हुआ (2)
6. बायां हाथ (4)
8. एक सर्वनाम जिसका प्रयोग वक्ता और श्रोता को छोड़कर निकटवर्ती सभी वस्तुओं के लिए होता है (2)
9. उपार्जित किया गया धन (3)
13. नई राह, नवपथ (4)
14. विविध भारती से नाटकों पर आधारित एक दैनिक कार्यक्रम (5)
15. स्वार्थी, खुदगर्ज (4)
16. उत्पन्न, कोटि, व्यक्ति (2)
17. मद्यपान करने वाला, महापायी (2)
21. धातु आदि को पीट और खींचकर बनाया गया तंतुनुमा धागा (2)

वर्ग पहेली 5969 का हल

इं	ग्लैं	ड	■	■	■	रू	स
दि	■	ल	■	स	खा	■	दी
रा	म	ना	थ	को	विं	द	■
गां	ज	■	■	प	द	■	भ
धी	मा	■	घा	ना	■	भो	ग
■	■	सु	त	■	भा	र	त
ल	ह	जा	■	दा	ना	■	सिं
व	■	ता	ली	म	■	■	ह

आज का राशिफल

मेष

आज का दिन अजनबी लोगों का सहयोग मिल सकता है। हालांकि, इस दौरान बेवजह आपके सामने कुछ परेशानियां खड़ी हो सकती हैं, जो आपके लाभ को प्रभावित करेंगी। इस दौरान आपको परिश्रम पर जोर देना होगा। ऐसे में सक्रिय हुए आपके विरोधी भी परास्त होते चले जाएंगे। घर में किसी निर्माण कार्य की आवश्यकता महसूस हो सकती है।

वृष

आज आपको तोड़ा संभलकर रहना होगा। अधिक उत्साह और जल्दबाजी से बने हुए कार्य बिगड़ सकते हैं। इस दौरान कुछ आर्थिक और पारिवारिक दबाव आपको घेरे रखेंगे। हालांकि, दिन के मध्य भाग में आपको शुभ समाचार भी मिलेंगे और कुछ पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। बेवजह शक करने से बचें। गलत तरीके से धन अर्जित न करें।

मिथुन

आज के दिन परिवार पर थोड़ा अधिक ध्यान देना होगा। परिवार में आपसी मतभेद या झगड़ा होने की संभावना नजर आ रही है। हालांकि, आपका मान सम्मान बढ़ेगा और अप्रत्याशित लाभ की प्राप्ति भी होगी। हालांकि, आपको आर्थिक लेन-देन में सावधानी बरतनी होगी। आपके द्वारा किए गए कार्यों

कर्क

आज का दिन विशेष लाभ लेकर आ रहा है। आपको परिश्रम का पूरा लाभ मिलेगा। इस दौरान आपको दूर की यात्रा भी करनी पड़ सकती है। मानसिक परेशानी के चलते मन बेचैन रहेगा। दिन खत्म होने से पहले आपको कुछ अधूरे कार्यों को प्रमुखता से निपटाने होगा।

सिंह

आज जातकों को कार्यों में सफलता मिलेगी। नौकरी या व्यवसाय से जुड़े सभी काम समय पर बनते चले जाएंगे। अच्छा अवसर मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। हालांकि, खर्च पर नियंत्रण रखना आपके लिए जरूरी होगा। व्यापार व व्यवसाय से संबंधित नए अनुभव आपके काम आएंगे।

कन्या

आज किसी उत्सव या त्योहार में शामिल होने का अवसर मिलेगा। अच्छा और मनपसंद भोजन करने से स्वास्थ्य में वृद्धि होगी। दिन भार कोई न कोई शुभ समाचार आपको मिलता ही रहेगा। इसलिए उन कामों पर अधिक फोकस करें जिसके बनने की उम्मीद अधिक हो।

तुला

आज का दिन कार्यक्षेत्र में सफलता लेकर आ रहा है। कार्यक्षेत्र में आपकी धाक जमेगी और एक के बाद एक सभी मामले सुलझते चले जाएंगे। उदर और आंख में कष्ट के कारण स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। इससे काम करने में असहजता महसूस होगी। समय के अनुसार चलने से उन्नति के रास्ते खुलेंगे।

वृश्चिक

आज दांपत्य जीवन में सुख की वृद्धि होगी। जटिल कार्य आसानी से पूरे होते चले जाएंगे और इस दौरान नए और लाभदायक कार्यों का शुरुआत भी हो सकती है। सेहत थोड़ी गड़बड़ रहेगी। मानसिक उलझनों के कारण सिरदर्द की समस्या बनी रह सकती हैं। संतान पक्ष से भी थोड़ी चिंता रहेगी।

मकर

आज जातकों का बेहद ही शुभ रहने वाला है। आपके अंदर साहस बढ़ेगा और अपनी कड़ी मेहनत के बल पर आप लक्ष्यों को प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इस दौरान आपको मित्रों का सहयोग भी मिलेगा। किसी चल या अचल संपत्ति को लेकर चल रहे पारिवारिक विवाद को निपटाने का समय आ गया है।

कुंभ

आज तर्क-वितर्क में समय बर्बाद करने से बचना होगा। किसी पर व्यर्थ का संदेह आपके लिए धन की हानि का कारण बन सकता है। नियोजित कार्यक्रम भी सफल होंगे और आर्थिक लाभ का सुअवसर भी मिलेगा। मां या मामा पक्ष से लाभ की आशा रहेगी। पुराने दोस्त के आगमन से परिवार में व्यस्तता बढ़ेगी।

धनु

आज दिन की शुरुआत में कुछ समस्याओं से जूझना पड़ सकता है। वाहन और आवास से संबंधी कुछ परेशानी आपके सामने आ सकती है। सिर उठा सकती हैं। हालांकि, जैसे-जैसे दिन आगे बढ़ेगा आपको शुभ संदेश प्राप्त होने शुरू हो जाएंगे। इससे आपका उत्साह बढ़ेगा और मित्रों का सहयोग भी प्राप्त होता रहेगा। स्वजनों का भी सहयोग मिलता हुआ दिख रहा है।

मीन

आज दिन लाभकारी रहने वाला है। अपने व्यवहार के दम पर आप वो सब कुछ पा सकते हैं, जिसकी चाह आपको लंबे समय से थी। जटिलताएं खत्म होती दिख रही है। विरोधियों पर भी आपको जीत मिलेगी। खान पान में परहेज करना आपके लिए लाभकारी रहेगा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, (डी वी कार्पो. लि.) उड़ान टोला, दानापुर कैंट, शिवाला रोड, खगौल, पटना में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी बिल्डिंग, क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित
संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, उप संपादक- **साकेत अम्बष्ट** फोन/फैक्स-०6186-226116 मो.-9934957121, E-mail : sonevershavani@gmail.com, **RNI-BIHHIN/1998/03009**

सुनील गावस्कर ने जेमिमा रोड्रिग्स को भेंट किया बल्ले के आकार का गिटार

मुंबई, एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार खिलाड़ी जेमिमा रोड्रिग्स को भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने एक गिटार भेंट किया है। गिटार विशेष है और निश्चित रूप से इस उपहार को जेमिमा ताउम्र याद रखेंगी। सुनील गावस्कर ने शुक्रवार को जेमिमा रोड्रिग्स को बैट के आकार का गिटार उपहार में दिया। जब जेमिमा ने गिफ्ट खोला, तो वह बहुत खुश दिख रही थीं, वह बैट के आकार के गिटार की कारीगरी की तारीफ कर रही थीं। दोनों ने एक साथ 'ये दोस्ती' गाना गाया। गावस्कर द्वारा जेमिमा को बल्ले के आकार

का गिटार दिए जाने का किस्सा महिला विश्व कप से जुड़ा हुआ है। सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यादगार शतक लगाकर जेमिमा ने भारत को रिकॉर्ड जीत दिलायी थी। इस जीत के बाद गावस्कर ने उनसे कहा था कि अगर भारतीय टीम खिताब जीतती है, तो वह उनके साथ गाना गाएंगे। सुनील गावस्कर ने अपने उसी वादे को निभाया। जेमिमा ने मुस्कुराते हुए कहा कि वह सुनील सर का इंतजार कर रही थीं कि वह अपनी बात मानें। अपनी प्रतिष्ठा के मुताबिक उन्होंने निराश नहीं किया। युवा क्रिकेटर ने गावस्कर से पूछा कि बल्ले के आकार का गिटार बजाने के लिए है या बल्लेबाजी के लिए। इस पर गावस्कर ने कहा कि वह दोनों कर सकती हैं। जेमिमा ने अपने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'सुनील सर ने अपना वादा निभाया और हमने अब तक के सबसे कूल बैट-आर के साथ जैमिंग की। यह एक स्पेशल था।' बता दें कि सुनील गावस्कर और जेमिमा दोनों ही संगीत के शौकीन हैं। जेमिमा को अक्सर गाना गाते हुए भी देखा जाता है। हाल ही में क्रिकेटरों के सम्मान में मुंबई में आयोजित कार्यक्रम में भी उन्होंने गाना गाया था।

यूनाइटेड कप

ऑस्ट्रेलिया को हराकर पोलैंड सेमीफाइनल में पहुंचा

सिडनी, एजेंसी। पोलैंड ने शुक्रवार रात सिडनी में क्वार्टर फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ निर्णायक मिक्स्ड डबल्स जीतकर पिछले साल यूनाइटेड कप फाइनल में यूनाइटेड स्टेट्स से मिली हार का बदला लेने का मौका हासिल कर लिया। शाम को पहले इगा स्वियाटेक और एलेक्स डी मिनौर ने अपने-अपने देशों के लिए अलग-अलग सिंगल्स मैच जीते, जिसके बाद जान जिलिंस्की और कटारजीना कावा ने जॉन-पैट्रिक स्मिथ और स्टॉर्म हंटर को 6-4, 6-0 से हराकर पोलैंड की जीत पक्की कर दी। लगातार चौथे साल सेमीफाइनल में पहुंचकर पोलैंड को शनिवार रात डिफेंडिंग चैंपियन यूनाइटेड स्टेट्स से भिड़ने का मौका मिलेगा, जब सिंगल्स मैच - स्वियाटेक बनाम कोको गॉफ और हुरकाज बनाम टेलर

फ्रिट्ज - 2025 के फाइनल की तरह ही होंगे। पिछले साल गॉफ ने 6-4, 6-4 से जीत हासिल की थी, जबकि हुरकाज को फ्रिट्ज से तीसरे सेट के टाई-ब्रेक में दिल तोड़ने वाली हार का सामना करना पड़ा था। शुक्रवार को एक नाटकीय मुकाबले में ऑस्ट्रेलियाई दर्शकों के भारी समर्थन के सामने, डी मिनौर ने सिडनी में शुक्रवार रात अपने करियर के सबसे शानदार शुरुआती सेट प्रदर्शनों में से एक दिया, जिससे उन्होंने हुरकाज पर 6-4, 4-6 6-4 से जीत हासिल की और आखिरी यूनाइटेड कप क्वार्टर फाइनल को निर्णायक मिक्स्ड डबल्स तक पहुंचाया। वर्ल्ड नंबर 6 ने अपने पहले चार सर्विस गेम में मिले सभी नौ ब्रेक पॉइंट बचाए, जिसमें मैच के दूसरे गेम में चार शामिल थे जिससे ऑस्ट्रेलिया मैच में बना रहा, जबकि पूर्व वर्ल्ड नंबर 1 इगा स्वियाटेक ने ऑस्ट्रेलियाई टीनएजर माया जॉइंट को 6-1, 6-1 से हरा दिया था।

मलेशिया ओपन में भारत का सफर खत्म

सेमीफाइनल में पीवी सिंधु हारीं

सात्विक-चिराग भी क्वार्टरफाइनल में बाहर

कुआलालंपुर (एजेंसी)। कुआलालंपुर में खेले जा रहे बीडब्ल्यूएफ सुपर 1000 मलेशिया ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत की चुनौती पूरी तरह समाप्त हो गई है। विमेंस सिंगल्स में दो बार की ओलिंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु को सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा, जबकि मेंस डबल्स में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी क्वार्टरफाइनल में बाहर हो गई। इसके साथ ही टूर्नामेंट में भारतीय खिलाड़ियों का अभियान खत्म हो गया।

- **यामागुची के रिटायर होने से मिला था सेमीफाइनल का टिकट** - इससे पहले क्वार्टरफाइनल में सिंधु का सामना जापान की तीसरी सीड अकाने यामागुची से हुआ था। सिंधु ने शानदार खेल दिखाते हुए महज 11 मिनट में पहला गेम 21-11 से जीत लिया। इसके बाद यामागुची घुटने की चोट के कारण मैच से हट गईं (रिटायर्ड हर्ट), जिससे सिंधु को सेमीफाइनल में जगह मिल गई।
- **राउंड ऑफ 16 में भी शानदार जीत** - राउंड ऑफ 16 में सिंधु ने जापान की आठवीं सीड टोमोका मियाजाकी को सिर्फ 33 मिनट में 21-8, 21-13 से हराकर आसानी से क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया था।

सात्विक-चिराग की जोड़ी क्वार्टरफाइनल में बाहर -

मेंस डबल्स में भारत की शीर्ष जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को क्वार्टरफाइनल में हार का सामना करना पड़ा। उन्हें इंडोनेशिया की छठी सीड जोड़ी फजर अल्फियन और मुहम्मद रियन अर्दियांतो ने शिकस्त दी। इससे पहले प्री-क्वार्टरफाइनल में सात्विक-चिराग ने मलेशिया की जुनैदी अरिफ और रॉय किंग याप की जोड़ी को 39 मिनट में 21-18, 21-11 से हराया था।

सेमीफाइनल में वांग झी यी से हारीं सिंधु

विमेंस सिंगल्स के सेमीफाइनल में पीवी सिंधु का सामना चीन की वर्ल्ड नंबर-2 खिलाड़ी वांग झी यी से हुआ। सिंधु को सीधे गेमों में 16-21, 15-21 से हार का सामना करना पड़ा।
मैच के दोनों गेमों में सिंधु ने शुरुआती बढ़त जरूर बनाई, लेकिन निर्णायक पलों में वह इसे बरकरार नहीं रख सकीं। पहले गेम में 3-4 अंकों की बढ़त के बाद की गई गलतियों का फायदा वांग झी यी ने उठाया।
दूसरे गेम में सिंधु ने बैकहैंड साइड पर ज्यादा लिफ्ट खेली, जिस पर वांग झी यी ने लगातार स्मैश लगाकर दबाव बनाया और मैच अपने नाम कर लिया।

टी20 विश्व कप 2026 से पहले

संजू ने युवी से लिया बल्लेबाजी का टिप्स

नई दिल्ली, एजेंसी। युवराज सिंह का नाम भारतीय क्रिकेट के विस्फोटक बल्लेबाजों में शुमार किया जाता है। संन्यास के बाद युवराज सिंह ने अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल जैसे खिलाड़ियों को प्रशिक्षित किया है, जो मौजूदा समय में भारतीय क्रिकेट का बड़ा चेहरा हैं। युवराज ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से पहले विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को भी बल्लेबाजी के टिप्स दिए हैं। भारतीय टीम को टी20 विश्व कप 2026 से पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ 5 टी20 मैचों की सीरीज खेलनी है। विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन इस सीरीज का हिस्सा हैं। माना जा रहा है कि सैमसन भारतीय पारी की शुरुआत अभिषेक शर्मा के साथ करेंगे। न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से पहले संजू सैमसन युवराज सिंह से बल्लेबाजी के टिप्स लेते दिखे हैं। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में युवराज फुटवर्क से संबंधित टिप्स दे रहे हैं और सैमसन ठीक उनके सामने खड़े होकर उसे समझने का प्रयास कर रहे हैं।
संजू सैमसन बेहद प्रतिभाशाली बल्लेबाज हैं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी क्षमता साबित कर चुके हैं। सैमसन के पास टाइमिंग और ताकत का मिश्रण है जिसके दम पर वह विस्फोटक पारियां खेलते हैं। कई बार संजू के फुटवर्क में समस्या दिखती है, जिसकी वजह से उन्हें अपना विकेट भी गंवाना पड़ता है। युवराज से टिप्स मिलने के बाद सैमसन की ये परेशानी कम या दूर हो सकती है। अभिषेक शर्मा ने टी20 क्रिकेट में अपनी बेखौफ बल्लेबाजी से जो सफलता पाई है, उसका पूरा श्रेय वह युवराज सिंह को देते हैं। भारतीय क्रिकेट फैंस संजू सैमसन से न्यूजीलैंड सीरीज और फिर टी20 विश्व कप 2026 में वैसी ही बड़ी पारियां नियमित रूप से खेलते हुए देखना चाहेंगे, जैसी वे पूर्व में खेल चुके हैं।
सैमसन ने 52 टी20 मैचों की 44 पारियों में 4 बार नाबाद रहते हुए 3 शतक और 3 अर्धशतक की मदद से 1,032 रन बनाए हैं। उनका सर्वाधिक स्कोर 111 है। न्यूजीलैंड टी20 सीरीज और फिर टी20 विश्व कप संजू सैमसन के लिए करियर के लिए बेहद अहम है।

आज वडोदरा में न्यूजीलैंड के साथ वनडे सीरीज की शुरुआत

वडोदरा (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे श्रृंखला के पहले मुकाबले में भारतीय टीम को विराट कोहली और रोहित शर्मा की शानदार फॉर्म से बड़ी उम्मीदें होंगी। रविवार को यहां खेले जाने वाले इस मैच में भले ही अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप के कारण वनडे सीरीज की अहमियत कुछ कम मानी जा रही हो, लेकिन अगले सात दिनों में होने वाले तीनों वनडे मुकाबलों में कोहली और रोहित आकर्षण का केंद्र रहेंगे। दोनों दिग्गज बल्लेबाजों ने हाल ही में विजय हजारे ट्रॉफी के लीग चरण में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए यह साबित कर दिया है कि उनका स्वर्णिम दौर अभी खत्म नहीं हुआ है। घरेलू क्रिकेट में बड़े स्कोर बनाकर उन्होंने अपनी लय और फिटनेस का साफ संकेत दिया है।

गिल की वापसी, जायसवाल की जगह पर संशय

टी20 विश्व कप टीम से बाहर किए जाने के बाद कप्तान शुभमन गिल की वापसी पर सभी की निगाहें होंगी। उनकी फॉर्म पहले से ही चिंता का विषय रही है, वहीं पिछले साल के अंत में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज में वह चोट के कारण बाहर रहे थे। गिल की वापसी से यशस्वी जायसवाल को शीर्ष क्रम से बाहर बैठना पड़ सकता है, जबकि जायसवाल ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पिछले मैच में अपना पहला वनडे शतक जमाया था।

श्रेयस अय्यर की वापसी से स्थिर होगा बल्लेबाजी क्रम

श्रेयस अय्यर की वापसी से भारतीय बल्लेबाजी क्रम में चल रहे प्रयोगों पर विराम लगने की उम्मीद है। 31 वर्षीय अय्यर का एक बार फिर चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करना लगभग तय माना जा रहा है। केएल राहुल निचले क्रम के बल्लेबाज और विकेटकीपर की भूमिका निभाते रहेंगे, जिससे ऋषभ पंत के अंतिम एकादश में शामिल होने की संभावना कम नजर आ रही है।

भारत की निगाहें कोहली और रोहित पर

तेज गेंदबाजी की जिम्मेदारी सिराज और अर्शदीप पर

टी20 प्रतिबद्धताओं को ध्यान में रखते हुए जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पांड्या को इस वनडे श्रृंखला से आराम दिया गया है। ऐसे में तेज गेंदबाजी का दारोमदार मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा और प्रसिद्ध कृष्णा पर रहेगा। स्पिन विभाग में कुलदीप यादव, वाशिंगटन सुंदर और रविंद्र जडेजा की अहम भूमिका होगी। शाम की ओस और सपाट पिचों को देखते हुए इस प्रारूप में आक्रामक विकेट लेने के बजाय रन गति पर नियंत्रण रखना अधिक महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

नया स्टेडियम, नया इतिहास

यह पहला मौका होगा जब कोटाम्बी स्थित बड़ौदा क्रिकेट संघ के नए स्टेडियम में पुरुषों का कोई अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेला जाएगा। इससे पहले यह मैदान भारत और वेस्टइंडीज के बीच महिला वनडे सीरीज की मेजबानी कर चुका है।

न्यूजीलैंड की नजरें बेंचस्ट्रेंथ पर

न्यूजीलैंड के लिए यह सीरीज दूसरे दर्जे के खिलाड़ियों को परखने का अहम मौका है। टीम 2024-25 में भारत दौरे पर टेस्ट सीरीज में मिली 3-0 की ऐतिहासिक जीत की रणनीति को वनडे में भी आजमाना चाहेगी। कई प्रमुख खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी में माइकल ब्रेसवेल टीम की कप्तानी करेंगे।

टीमें

- **भारत**- शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, रोहित शर्मा, केएल राहुल (विकेटकीपर), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), रविंद्र जडेजा, नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा
- **न्यूजीलैंड**- माइकल ब्रेसवेल (कप्तान), डेवोन कॉन्वे (विकेटकीपर), मिचेल हे (विकेटकीपर), निक केली, हेनरी निकोल्स, विल यंग, जोश क्लार्कसन, जैक फॉल्क्स, डेरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, आदित्य अशोक, क्रिस्टियन क्लर्क, काइल जैमीसन, जेडन लेनॉक्स, माइकल रे।

पूजा वस्त्राकर डब्ल्यूपीएल के शुरुआती 2 हफ्ते नहीं खेलेंगी

- **जांघ की मांसपेशी में खिंचाव, आरसीबी ने नीलामी में 85 लाख रूपए में खरीदा था**

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारतीय महिला टीम की तेज गेंदबाज और ऑलराउंडर पूजा वस्त्राकर जांघ की मांसपेशी में खिंचाव के कारण विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 के शुरुआती दो हफ्तों के मुकाबलों से बाहर हो गई हैं। उन्हें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने नवंबर 2025 की नीलामी में 85 लाख रूपए में खरीदा था। आरसीबी के हेड कोच मलोलन रंगराजन ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से रिहा होने से दो दिन पहले पूजा को जांघ में खिंचाव महसूस हुआ। इससे पहले वह कंधे की चोट से उबर रही थीं। डॉक्टरों के अनुसार, पूजा को अभी कम से कम दो हफ्तों का और आराम करना होगा।

पूजा 2024 टी-20 वर्ल्ड कप के बाद से क्रिकेटर से दूर हैं

पूजा आखिरी बार अक्टूबर 2024 में टी-20 वर्ल्ड कप में खेली थीं। डब्ल्यूपीएल 2026 उनके लिए वापसी का मौका था, लेकिन चोट के चलते उनका इंतजार बढ़ गया। कोच के मुताबिक, पूजा टीम की बैलेंस और कॉम्बिनेशन में अहम भूमिका निभाती हैं, लेकिन उनकी गैरमौजूदगी में टीम को अन्य ऑलराउंडर्स पर निर्भर रहना पड़ रहा है।

अगला मैच सोमवार को यूपी वारियर्स के खिलाफ

आरसीबी का अगला मैच सोमवार (12 जनवरी 2026) को यूपी वारियर्स के खिलाफ डीबाय पाटिल स्टेडियम, मुंबई में ही होगा।

आरसीबी ने जीत से किया डब्ल्यूपीएल 2026 का आगाज

शुक्रवार रात (9 जनवरी 2026) को आरसीबी ने डिफेंडिंग चैंपियन मुंबई इंडियंस (मुंबई) को आखिरी ओवर में 3 विकेट से हराया। मुंबईने पहले बल्लेबाजी करते हुए 154/6 रन बनाए थे, जवाब में आरसीबी ने 157/7 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम किया। पूजा की अनुपस्थिति में आरसीबी ने गेंदबाजी की शुरुआत इंग्लैंड की स्पिनर लिंसी स्मिथ से कराई, जिन्होंने 2 ओवर में 23 रन दिए। तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी ने डेब्यू मैच में 4 ओवर में 37 रन दिए। ऑलराउंडर नादिन डी क्लर्क मैच की हीरो रहीं। उन्होंने 4 विकेट लेने के साथ 44 गेंदों पर नाबाद 63 रन बनाए। वह डब्ल्यूपीएल इतिहास में दूसरी खिलाड़ी बनीं, जिन्होंने एक ही मैच में फिफ्टी और चार विकेट लिए। आरसीबी एक समय 65/5 पर संघर्ष कर रही थी, लेकिन नादिन और अरुंधति के बीच 52 रन की साझेदारी ने टीम को संभाला। कोच ने कहा कि इस मैच में ऑलराउंडर्स की अहमियत साफ नजर आई।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

एनएच-139 बना मौत का रास्ता

12 घंटे में दो सड़क हादसे, महिला और शिक्षक की मौत, गुस्साए लोगों ने किया एनएच जाम

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिले से गुजरने वाला राष्ट्रीय राजमार्ग-139 (एनएच-139) एक बार फिर खूनी साबित हुआ है। महज 12 घंटे के भीतर अलग-अलग स्थानों पर हुए दो भीषण सड़क हादसों में एक बुजुर्ग महिला और एक शिक्षक की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग घायल हो गए। दोनों घटनाओं के बाद आक्रोशित लोगों ने सड़क जाम कर प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जाहिर की। लगातार हो रही दुर्घटनाओं ने एनएच-139 की बदहाल सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल दी है।

श्राद्धकर्म में शामिल होने जा रही महिला की कुचलकर मौत, बहू गंभीर

पहला हादसा शनिवार सुबह रिसियप थाना क्षेत्र के बभंडीह गांव के पास हुआ। तेज रफ्तार हाइवा ने बाइक सवार महिला को कुचल दिया, जिससे घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। मृतका की पहचान कुटुंबा थाना क्षेत्र के मनोरथा गांव निवासी देवपति कुंवर (65) के रूप में की गई है। परिजनों के अनुसार, देवपति कुंवर अपने पुत्र ओमप्रकाश रजक और बहू के साथ बुलेट बाइक से ननद के घर श्राद्धकर्म में शामिल होने जा रही थीं। दस दिन पहले उनके ननदोई का निधन हुआ था और शनिवार को दशकर्म कार्यक्रम था। इसी दौरान बभंडीह गांव के पास बाइक असंतुलित होकर सड़क पर गिर गई। पीछे से आ रही तेज रफ्तार हाइवा महिला को कुचलते हुए आगे निकल गई। इस हादसे में बहू गंभीर रूप से घायल हो गईं, जबकि पुत्र को हल्की चोटें आई हैं। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

दो घंटे तक एनएच-139 जाम, मुआवजे की मांग

हादसे से आक्रोशित ग्रामीणों और परिजनों ने दोषी चालक की गिरफ्तारी और पीड़ित परिवार को मुआवजा देने की मांग को लेकर एनएच-139 को करीब दो घंटे तक जाम कर दिया। सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। सूचना मिलते ही बीडीओ प्रियांशु बसु, सीओ चंद्र प्रकाश, अंबा थानाध्यक्ष राहुल राज और रिसियप थानाध्यक्ष संजीत राम मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने लोगों को समझाया और उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया, जिसके बाद जाम समाप्त कराया गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है।

शाम को शिक्षक की दर्दनाक मौत, फिर लगा सड़क जाम

दूसरी घटना शनिवार शाम नगर थाना क्षेत्र के रामबंध गैराज के पास एनएच-139 पर हुई। यहां बाइक सवार एक शिक्षक की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। मृतक की पहचान वार्ड नंबर 12 मिनी बीघा निवासी रामकेवल राम के पुत्र मनोज पासवान (42) के रूप में की गई है। मनोज पासवान नबीनगर प्रखंड के मिर्जापुर स्थित एक विद्यालय में शिक्षक के पद पर कार्यरत थे। वे शनिवार को स्कूल से छुट्टी के बाद बाइक से अपने घर लौट रहे थे। रामबंध गैराज के पास उनकी बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसा इतना गंभीर था कि उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग आक्रोशित हो गए और सड़क जाम कर दिया, जिससे यातायात पूरी तरह ठप हो गया। पुलिस मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित करने में जुटी रही।

एनएच-139 पर सुरक्षा व्यवस्था फेल, लोगों में दहशत

लगातार हो रहे हादसों से एनएच-139 आसपास के इलाकों में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मार्ग पर तेज रफ्तार भारी वाहनों पर कोई नियंत्रण नहीं है। दुर्घटना संभावित स्थानों पर न तो स्पीड ब्रेकर हैं, न चेतावनी बोर्ड और न ही ट्रैफिक पुलिस की प्रभावी तैनाती। लोगों ने प्रशासन से एनएच-139 पर स्थायी सुरक्षा इंतजाम, स्पीड कंट्रोल और नियमित निगरानी की मांग की है, ताकि आगे इस तरह की दर्दनाक घटनाओं पर रोक लग सके।

टाउन हॉल में गोल इंस्टीट्यूट द्वारा भव्य सेमिनार का आयोजन, मेधावी छात्रों को किया गया सम्मानित

छात्र-छात्राओं ने लिया मार्गदर्शन, प्रशासनिक अधिकारियों ने दिया प्रेरक संदेश

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

शहर के टाउन हॉल में शनिवार को गोल टैलेंट सर्च एक्जाम सेमिनार का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में इस ज़ोन के प्री-एग्जाम में सफल तथा मेन परीक्षा में शामिल हुए सैकड़ों छात्र-छात्राएं अपने अभिभावकों और शिक्षकों के साथ उपस्थित रहे। सेमिनार का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें सही दिशा और रणनीतिक मार्गदर्शन प्रदान करना रहा। कार्यक्रम को औरंगाबाद के अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीएम) एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) ने संबोधित किया। दोनों अधिकारियों ने छात्रों को लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने, अनुशासन बनाए रखने, निरंतर परिश्रम करने तथा सही मार्गदर्शन के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि सफलता के लिए दृढ़ इच्छाशक्ति और समय का सही प्रबंधन अत्यंत आवश्यक है। इस अवसर पर गोल इंस्टीच्यूट के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक बिपिन सिंह, रांची सेंटर हेड श्री अभिषेक तथा धनबाद सेंटर डायरेक्टर संजय आनंद ने भी छात्रों को संबोधित किया। बिपिन सिंह ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि जीएसटीएसई का आयोजन गोल द्वारा सामाजिक दायित्व के तहत प्रारंभ से किया जा रहा है, ताकि छात्रों में प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा सके। उन्होंने बताया कि हर वर्ष हजारों छात्र जीटीएसई के माध्यम से सिविल सेवा, मेडिकल, इंजीनियरिंग सहित विभिन्न क्षेत्रों में अपने सपनों को साकार कर रहे हैं। उन्होंने छात्रों को लक्ष्य निर्धारण, अनुशासित अध्ययन और सही रणनीति अपनाने पर विशेष बल दिया। धनबाद सेंटर डायरेक्टर श्री संजय आनंद ने बताया कि पिछले 28 वर्षों में गोल से 18 हजार से अधिक छात्र सफल होकर डॉक्टर बने हैं, जो देश-विदेश में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि औरंगाबाद से जुड़े गोल के अनेक पूर्व छात्र आज सफल डॉक्टर के रूप में कार्यरत हैं, जो संस्थान की गुणवत्ता का प्रमाण है।

रांची ब्रांच कोऑर्डिनेटर अभिषेक ने जानकारी दी कि जीटीएसई के माध्यम से छात्रों को रैंक के आधार पर 100 प्रतिशत तक छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। इसके साथ ही कक्षा 9वीं एवं 10वीं के छात्रों के लिए केवल पंजीकरण शुल्क पर निःशुल्क ऑनलाइन कोर्स की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को भी बेहतर अवसर मिल सके। कार्यक्रम के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्रों को सम्मानित किया गया।

साइकिल पुरस्कार प्राप्त करने वाले छात्रः हर्ष राज, अमन कुमार। **कलाई घड़ी पुरस्कारः** आदित्य कुमार।

बैग पुरस्कारः अमन राज, सविनय कुमार, डिंपल सिंह, हिमांशु राज, जूही कुमारी, अंकित कुमार, अभिजीत ठाकुर एवं एकलव्य सिंह।

सेमिनार का समापन उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ। छात्रों एवं अभिभावकों ने गोल इंटीच्यूट और जीटीएसई पहल की सराहना करते हुए इसे विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक सशक्त कदम बताया।

विजय दिवस पर निबंध प्रतियोगिता व विचार गोष्ठी का आयोजन

औरंगाबाद (एसवीवी सं.)। मेरा युवा भारत, औरंगाबाद" के तत्वावधान में विजय दिवस के अवसर पर विचार गोष्ठी एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन शहर के एक निजी शिक्षण संस्थान परिसर में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में देशभक्ति की भावना को सुदृढ़ करना तथा उन्हें राष्ट्र सेवा के प्रति प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शिक्षक नेता एवं शिक्षक संघ समिति के जिलाध्यक्ष अशोक पांडे थे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में संस्थान के निदेशक विनोद कुमार उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि विजय दिवस 1971 के भारत–पाकिस्तान युद्ध में भारत की ऐतिहासिक विजय तथा पूर्वी पाकिस्तान के स्वतंत्र होकर बांग्लादेश बनने की स्मृति में मनाया जाता है। यह दिन भारतीय सशस्त्र बलों के अद्वितीय साहस, शौर्य और सर्वोच्च बलिदान को नमन करने का प्रतीक है।

वक्ताओं ने युवाओं से आह्वान किया कि वे देशभक्ति, अनुशासन और राष्ट्र सेवा की भावना को अपने जीवन में आत्मसात करें तथा समाज और देश के विकास में सक्रिय भूमिका निभाएं। निबंध प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने विचारों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में रानी कुमारी, सिखा कुमारी, ज्योति कुमारी, खुशबू कुमारी, राजन तिवारी, मनोज कुमार, जुगल तिवारी, मनोज सिंह सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

शिक्षकों के लिए आयोजित की गयी अकादमिक उन्मुखीकरण कार्यशाला

एसवीवी सं. | औरंगाबाद

सीआरसी पीएमश्री के अंतर्गत +2 उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बसडीहा कला में शिक्षकों के लिए एक दिवसीय मासिक अकादमिक उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य विद्यालय स्तर पर शैक्षिक गुणवत्ता को सुदृढ़ करना और शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाना रहा। रोस्टर के अनुसार यह उन्मुखीकरण कार्यशाला कक्षा चार और पांच में अध्यापन कार्य कर रहे शिक्षकों के लिए आयोजित की गई।

कार्यशाला का उद्घाटन सीआरसी पीएमश्री +2 उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के संरक्षक मो. अख्तर आलम एवं समन्वयक कौशल किशोर ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। उद्घाटन सत्र के दौरान शिक्षकों को संबोधित करते हुए समन्वयक कौशल किशोर ने कार्यशाला के उद्देश्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इस तरह की अकादमिक उन्मुखीकरण कार्यशालाओं के माध्यम से विद्यालयों में मौजूद शैक्षिक चुनौतियों की पहचान की जाती है और शिक्षकों को लक्ष्य आधारित परिणामों को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है।

उन्होंने बताया कि शिक्षकों को आंकड़ा आधारित जानकारी उपलब्ध कराकर विद्यार्थियों के अधिगम प्रतिफल को और अधिक सुदृढ़ करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। साथ ही, शिक्षण कार्य में नवाचार को बढ़ावा देना और शिक्षकों को नई-नई पद्धतियों से जोड़ना भी इस कार्यशाला का महत्वपूर्ण उद्देश्य है, ताकि बच्चों की सीखने की प्रक्रिया को रोचक और प्रभावी बनाया जा सके।

कार्यशाला के दौरान शिक्षक चंद्रदीप राम ने अभियान गीत के माध्यम से जीवन में शिक्षा के महत्व को अत्यंत रोचक और प्रेरक अंदाज में प्रस्तुत किया, जिसे उपस्थित शिक्षकों ने सराहा। इसके बाद शिक्षक अखिलेश कुमार भारती, फरहना कादरी, नाजिया प्रवीण और रूबी कुमरी ने विद्यालयों में संचालित शैक्षिक गतिविधियों पर अपने विचार रखे और अनुभव साझा किए। उन्होंने कक्षा कक्ष में आने वाली चुनौतियों और उनके समाधान पर भी चर्चा की। इस अकादमिक उन्मुखीकरण कार्यशाला में कम्पलेक्स के विभिन्न विद्यालयों से बड़ी संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाएं शामिल हुईं।

मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत औरंगाबाद में कांग्रेस का हमला, मोदी सरकार पर गरीब विरोधी नीति का आरोप

महात्मा गांधी के नाम और उनकी विचारधारा को हटाने का प्रयास कर रही भाजपा : राजेश राम

- आंदोलन के कार्यक्रम के तहत 11 जनवरी को भूख हड़ताल और प्रतीकात्मक विरोध प्रदर्शन होगा। औरंगाबाद में अनुग्रह स्मारक के समीप कांग्रेसी नेता और कार्यकर्ता जिला स्तरीय भूख हड़ताल में शामिल होंगे।
- 12 से 29 जनवरी तक पंचायत स्तर पर जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा।

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

औरंगाबाद। औरंगाबाद जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से "मनरेगा बचाओ संग्राम" अभियान के तहत प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। इसमें बिहार कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम मुख्य रूप से उपस्थित रहे। प्रेस को संबोधित करते हुए उन्होंने केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) को कमजोर करने और गरीब मजदूरों के अधिकारों से खुला खिलवाड़ करने का गंभीर आरोप लगाया। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि लोकसभा के पिछले सत्र की समाप्ति के बाद बिना किसी व्यापक बहस और चर्चा के एक विधेयक लाकर मनरेगा का नाम बदलकर भीवी-जी-राम-जी किया जाना मजदूर विरोधी और गरीब विरोधी कदम है। यह फैसला लोकतांत्रिक परंपराओं के खिलाफ है और केंद्र सरकार की तानाशाही मानसिकता को दर्शाता है।

"एक तीर से तीन निशाने" की कोशिश कर रही भाजपा

राजेश राम ने कहा कि मनरेगा का नाम बदलने के पीछे भाजपा ने "एक तीर से तीन शिकार" करने की साजिश रची है। पहला, महात्मा गांधी के नाम और उनकी विचारधारा को योजनाबद्ध तरीके से हटाने का प्रयास किया गया है। गांधी सत्य और अहिंसा के रास्ते पर चलकर देश को आज़ादी दिलाने वाले महापुरुष थे और आज भी देश-दुनिया उनके विचारों से प्रेरणा लेती है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा गांधी के नाम और विचारों से घबराकर उन्हें इतिहास से मिटाना चाहती है। दूसरा, इसके जरिए आरएसएस और गोडसेवादी विचारधारा को बढ़ावा देने की कोशिश की जा रही है। तीसरा और सबसे गंभीर पहलू यह है कि नए कानून के तहत केंद्र सरकार ने खुद को यह अधिकार दे दिया है कि वह जब चाहे इस योजना को बंद कर सकती है, जिससे करोड़ों गरीब मजदूरों का भविष्य असुरक्षित हो गया है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि मनरेगा योजना पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के कार्यकाल में सोनिया गांधी के नेतृत्व में लाई गई थी। इस योजना का मूल उद्देश्य ग्रामीण गरीब परिवारों को न्यूनतम आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना था, जिनके पास न तो स्थायी रोजगार था और न ही आय का कोई निश्चित साधन।

महात्मा गांधी का अपमान बर्दाश्त नहीं करेगी कांग्रेस

प्रेस वार्ता में मौजूद पूर्व विधायक आनंद शंकर सिंह ने कहा कि योजना में सुधार करना अलग बात है, लेकिन महात्मा गांधी के नाम से चलने वाली योजना का नाम बदलना उनके अपमान के समान है। कांग्रेस कार्यकर्ता इसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं करेंगे और सड़क से सदन तक संघर्ष करेंगे। प्रदेश अध्यक्ष ने जिले में धान अधिप्राप्ति की स्थिति पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य का वास्तविक लाभ नहीं मिल पा रहा है। सरकार केवल किसानों के हित में काम करने का दावा कर रही है, जबकि जमीनी सच्चाई इससे बिल्कुल अलग है।

"मनरेगा बचाओ संग्राम" के तहत चरणबद्ध आंदोलन

प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने बताया कि कांग्रेस पार्टी ने मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत पूरे बिहार में चरणबद्ध आंदोलन का ऐलान किया है। इसकी शुरुआत 8 जनवरी को बेगूसराय और मधुबनी से हो चुकी है। यह आंदोलन 10 जनवरी से 25 फरवरी तक पूरे राज्य में चलेगा। आंदोलन के कार्यक्रम के तहत आज, 11 जनवरी को भूख हड़ताल और प्रतीकात्मक विरोध प्रदर्शन होगा। औरंगाबाद में अनुग्रह स्मारक के समीप कांग्रेसी नेता और कार्यकर्ता जिला स्तरीय भूख हड़ताल में शामिल होंगे। 12 से 29 जनवरी तक पंचायत स्तर पर जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा। 30 जनवरी को वार्ड स्तरीय शांति मार्च निकाले जाएंगे। 31 जनवरी से 6 फरवरी तक जिला स्तरीय धरना होगा। 7 से 15 फरवरी तक विधानसभा घेराव किया जाएगा। 16 से 25 फरवरी तक एआईसीसी स्तर की विशाल रैलियां आयोजित की जाएंगी।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत वाहन चालकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह–2026 के अवसर पर शनिवार को जिला पदाधिकारी श्रीमती अभिलाषा शर्मा के निर्देशानुसार जिला परिवहन कार्यालय, औरंगाबाद के तत्वावधान में आईडीटीआर परिसर में वाहन चालकों के लिए प्रशिक्षण एवं रिफ्रेशर कार्यक्रम का विधिवत आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा नियमों, यातायात संकेतों तथा सुरक्षित एवं अनुशासित वाहन संचालन के प्रति जागरूक और प्रशिक्षित करना रहा। कार्यक्रम के दौरान सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के उपायों पर विस्तार से जानकारी दी गई। चालकों को यातायात नियमों के अनिवार्य अनुपालन, निर्धारित गति सीमा के पालन, दोपहिया वाहन चालकों द्वारा हेलमेट एवं चारपहिया वाहन चालकों द्वारा सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग, नशा सेवन की अवस्था में वाहन नहीं चलाने तथा मानवीय जीवन की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूक किया गया।

इस अवसर पर उपस्थित वाहन चालकों को यह भी बताया गया कि यातायात नियमों का पालन केवल कानूनी बाध्यता नहीं है, बल्कि यह स्वयं तथा अन्य सड़क उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने का प्रभावी माध्यम भी है। प्रशिक्षकों ने व्यवहारिक उदाहरणों के माध्यम से सुरक्षित ड्राइविंग की आवश्यकता और इसके सामाजिक महत्व को भी रेखांकित किया। प्रशिक्षण एवं रिफ्रेशर कार्यक्रम का संचालन नन्दन राज, मोटरयान निरीक्षक एवं हितेश कुमार, प्रवर्तन अवर निरीक्षक द्वारा किया गया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर दोनों अधिकारियों ने सभी वाहन चालकों से अपील की कि वे सड़क सुरक्षा नियमों का अक्षरशः पालन करें तथा सुरक्षित, संयमित और जिम्मेदार वाहन संचालन कर सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने में सक्रिय सहयोग प्रदान करें।